



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

पं० १६] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल २१, १९७९ (बैशाख १, १९०१)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 21, 1979 (VAISHAKH 1, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## विषय-सूची

पृष्ठ	जारी किए गए माध्यरण नियम (जिनमें माध्यरण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	पृष्ठ
253	भाग I—खंड 3—उपखंड (ii) — (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों प्रोत्तर संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएँ	1067
509	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएँ	1051
25	भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, क्रूटियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएँ	123
327	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, क्रूटियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएँ	2983
	भाग III—खंड 1—महानेतृत्वापनीयक, संघ लाल-म ग्रामांग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ	237
	भाग III—खंड 2—महानेतृत्व कार्यालय कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ, प्रोत्तर नोटिस	33
	भाग III—खंड 3—मूल्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार में जारी की गई अधिसूचनाएँ	1177
	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएँ जिनमें अधिसूचनाएँ, आदेश, विज्ञापन और नोटिस समिल हैं	51
	भाग IV—गोर-सरकारी अधिकारी और गोर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	

## CONTENTS

ART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. ..	253	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories ..	1067
ART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. ..	509	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1051
ART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. .. ..	25	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	123
ART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. .. ..	327	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	2983
ART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. .. ..		PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	237
ART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .. ..		PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. ..	33
ART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India .. .. ..		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. ..	1177
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .. ..	51

## भाग I—खण्ड 1

### PART I—SECTION 1

**(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चसम व्याधालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

#### वित्त मन्त्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1974

#### संकल्प

फा० स० ए०-11013/181/77-प्रशा०-४—दिनांक 28-३-1978  
क संकल्प स० ए० 11013/181/77-प्रशा० ४ के पैराग्राफ १ म निहित आदेशों मे आधिक संशोधन करने हुए, भारत सरकार ने नियंत्रित कि कि वित्त विभाग के विभिन्न विभागों द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति सभी संबंधितों का भेजी जाए और इसे सामान्य जानकारी के लिए भारत के गजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

रवि दत्त शर्मा, अवर सचिव

#### दृष्टि और मिर्चाई मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1979

#### संकल्प

स० 14013/1/77-एफ० आर०—भारत सरकार ने इस मन्त्रालय के संकल्प स० 11-33/68 एफ० आर० (खण्ड 2) दिनांक 31 जुलाई, 1976 के अनुसार गठित “सूरतगढ़ फार्म पूजीनिवेश मूल्यांकन मिति” द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समर्यासामा का ३०-६-७५ तक बढ़ाना का नियंत्रित किया जाता है।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति नियमांकित व्यक्तियों को भेज दी जाए—

१ सभी राज्य सरकारी/सभा राज्य भवन।

२ सोन भवा सचिवालय।

३ राज्य सभा सचिवालय।

४ प्रधान मन्त्री का कार्यालय।

५ मंत्रिमण्डल सचिवालय।

६ न्यूयूर्सिटी जानकीनाथ भट्ट, जयप्रकाश, सूरतगढ़ फार्म पूजीनिवेश मूल्यांकन मिति, विभाग भवन एनेक्स, नई दिल्ली।

७ श्री आर० राजगोपालन मण्ड नागर-नेहरा अधिकारी, वित्त मन्त्रालय, भारत सरकार, जीवन तारा बिल्डिंग, कमरा न० 403, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

८ श्री मगल बिहारी, वित्तीय आयुक्त, राजस्थान, जयपुर।

९ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, दृष्टि भवन, नई दिल्ली।

१० स्थापना १, २, ३, ४, ५, ६, रोकड़-१ अनुभाग, बजट लैन अनुभाग, कृषि विभाग, नई दिल्ली।

११ सूचना अधिकारी, कृषि विभाग, नई दिल्ली।

१२ अध्यात्म, भारतीय राज्य फार्म निगम, बीज भवन, पूर्णा कम्प्लैक्स, नई दिल्ली।

१३ निवेशक, वेन्ड्रीय राज्य फार्म, सूरतगढ़/जेतमर (राजस्थान)।

१४ वेतन तथा लेखा अधिकारी (सचिवालय) कृषि और मिर्चाई मन्त्रालय (कृषि विभाग), नई दिल्ली।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य सूचना के लिए भारत के गजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

प्रा० क रथ, मध्यप्रदेश सचिव

#### शिक्षा तथा सामाजिक वित्त मन्त्रालय

(णिका विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1979

विषय —केन्द्रीय शिक्षा निवेशालय/वैद्यालिक पाठ्य तकनीकी शब्दावली आयोग का परामर्श देने के लिए एक परामर्शदाता मिति की स्थापना।

स० एफ० ५-७/७७-ई० II (प्रम.)—केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय और वैद्यालिक पाठ्य तकनीकी शब्दावली आयोग को परामर्श देने के लिए एक परामर्शदाता मिति के गठन से संबंधित भारत सरकार के संकल्प दिनांक 28 जुलाई, 1978 के तथा मे विधि, व्याय तथा कानूनी का मन्त्रालय, विधायी विभाग, राजभाषा खण्ड के संयुक्त सचिव एवं प्राप्ति कार, को भी एततद्वारा उक्त परामर्शदाता मिति के एक सदस्य के हूँ मे नामांकित किया जाता है।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना की एक एक प्रति निवेशक केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय, सभी राज्य सरकारी/तथा सामिति प्रशासनी प्रधान मन्त्री कार्यालय, संसदीय कार्य विभाग योक सभा सचिवालय, रा० मभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति गवर्नरालय तथा भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह आदेश भी दिया जाता है कि इसे सार्वजनिक सूचना के हि भारत के गजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

क० क० खुल्लर, उप सचिव (भाषा

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

नई दिल्ली, दिवांक 30 मार्च 1979

सकलप

मं. एक० 27/1/78-मी० एल०—भारत सरकार, राष्ट्रीयकृत कोयला उद्योग की समस्याओं और संभावनाओं को नेकर अधिकाधिक राष्ट्रीय योगदान की आवश्यकता पर विचार करती रही है। सरकार की पुष्टि में यह भी बातचीनीय रहा है कि ऐसी अवधिकृत बनाई जाए, जिसके द्वारा इस उद्योग के काम में सर्वांगीन सुधार के लिए नए विचार आगामी रो मिल सकें। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए 27-10-1975 को एक व्यापक आधार बाती समिति का गठन किया गया था जिसमें विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व था। यह समिति कोयला उत्पादन, कोयला हृताई और उसके उपभोग से सबधित समस्याओं पर समय-भ्रम्य पर मिलकर चर्चा करते और सरकार को ऐसे सुझाव देने के लिए भी जिन पर चलकर विविध समस्याओं को हल किया जा सके।

2. भारत सरकार अब कोयला भवाहकार परिषद का पुनर्गठन करती है। परिषद् में निम्नपिच्छिन नियम है:—

अध्यक्ष

ऊर्जा मंत्री

उपाध्यक्ष

ऊर्जा राज्य मंत्री

सचिव

1. दा संसद मदस्य जिन्हे अध्यक्ष महोदय नामित करें।
2. मन्त्रिव, कोयला विभाग, ऊर्जा मंत्रालय।
3. विश्वृत, विभाग ऊर्जा मंत्रालय का एक प्रतिनिधि।
4. इस्पात विभाग, इस्पन और खान मंत्रालय का एक प्रतिनिधि।
5. योजना आयोग का एक प्रतिनिधि।
6. रेलवे बाह्य, मंत्रालय का एक प्रतिनिधि।
7. विश्वात और प्रौद्योगिकी विभाग का एक प्रतिनिधि।
8. तकनीकी विभाग भवानिवेशाल का एक प्रतिनिधि।
9. उर्वरक और रसायन मंत्रालय का एक प्रतिनिधि।
10. कोयला नियक्त।
11. खान सुरक्षा महानिवेशक।
12. सदस्य (ताप), कम्ब्रीय विश्वृत, प्राधिकरण।
13. भारतीय इस्पात प्राधिकरण, लिं० का एक प्रतिनिधि।
14. टाटा आयरन एंड स्टील क० लिं० का एक प्रतिनिधि।
15. भारतीय सीमेट निर्माता संघ का एक प्रतिनिधि।
16. फोइरेन आफ इंडियन चैम्बर्स आफ कामर्स एंड इंस्ट्री का एक प्रतिनिधि।
17. भारतीय कोयला उपभोक्ता संघ का एक प्रतिनिधि।
18. भारतीय लघु उद्योग संघ का एक प्रतिनिधि।
19. एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंस्ट्री का एक प्रतिनिधि।
20. अखिल भारतीय इंट और टाइल निर्माता संघ का एक प्रतिनिधि।
21. अध्यक्ष-मह-प्रबन्ध निदेशक काल इंडिया लिं०।
22. अध्यक्ष-मह-प्रबन्ध निदेशक, सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिं०।
23. अध्यक्ष-मह-प्रबन्ध निदेशक, इंस्टर्न कोलफील्ड्स लिं०।

24. अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, बेस्टर्न कोलफील्ड्स लिं०।
25. अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, भारत कोकिं फौल लिं०।
26. अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, सिगरेनी कोलियरिज कम्पनी लिं०।
27. अध्यक्ष-मह-प्रबन्ध निदेशक, केन्द्रीय खान आयोजन और डिजाइन संस्थान।
28. अध्यक्ष-मह-प्रबन्ध निदेशक, खनिज नमनवेदण निगम लिं०।
29. अध्यक्ष-मह-प्रबन्ध निदेशक, नैवेली लिम्नोइट कारपोरेशन लिं०।
30. निदेशक, केन्द्रीय ईंधन अनुसंधान संस्थान।
31. निदेशक, केन्द्रीय खनन अनुसंधान केन्द्र।
32. निदेशक, भारतीय खान स्कूल।
33. निदेशक, भेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, हैवराथाद।
34. महानिदेशक, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण।
35. भारतीय खनन भू-वैज्ञानिक और ध्रास्त्रिक संस्थान का एक प्रतिनिधि।
36. पाइबल ब्रगाल सरकार का एक प्रतिनिधि।
37. बिहार सरकार का एक प्रतिनिधि।
38. आसाम सरकार का एक प्रतिनिधि।
39. मेघालय सरकार का एक प्रतिनिधि।
40. मध्य प्रदेश सरकार का एक प्रतिनिधि।
41. जार्ज ब्रेड प्रदेश सरकार का एक प्रतिनिधि।
42. उडीमा सरकार का एक प्रतिनिधि।
43. महाराष्ट्र सरकार का एक प्रतिनिधि।
44. उमर प्रदेश सरकार का एक प्रतिनिधि।
45. गुजरात सरकार का एक प्रतिनिधि।
46. तमिलनाडु सरकार का एक प्रतिनिधि।
47. दिल्ली प्रशासन का एक प्रतिनिधि।
48. कोयला उद्योग के कर्मचारियों के पाच प्रतिनिधि जिन्हे अध्यक्ष महोदय नामित करें।
49. श्री कौ० एस० आर० चार्च, मूसपुर०, मन्त्रिव (कोयला)।
50. श्री आर० लाल, प्रबन्ध निदेशक, एन्ड्रेयूल एण्ड क०, कलकत्ता।
51. निदेशक, ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग।

संदर्भ सचिव।

कार्यकाल:

इस परिषद का कार्यकाल 30 मार्च, 1979 से दो वर्ष के लिए होगा।

कार्य:

कोयला भवाहकार परिषद के कार्य कोयले में सर्वाधित सामान्य प्रकार के सभी मामलों के संबंध में सरकार को परामर्श देना है और विशेष रूप से ऐसी समस्याओं के बारे में परामर्श देना है जो उत्पादन योजना, हृताई, वितरण और वेश में कोयले के द्वासां के उपयोग से संबंध रखती है।

एस० कौ० बोस, सम्पूर्ण सचिव,

अम मन्त्रालय

नई विस्तीर्ण, विमानक 17 मार्च 1979

स० क्य०-16011/4/78-डब्ल्यू० ई०—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 3 (ए) (III) के अनुसरण में भारत सरकार श्री कावर नवाज, संयुक्त मंत्रिव, परिवहन बगाल सरकार और श्री मरन प्रमाद, विशेष मंत्रिव, उत्तर प्रदेश सरकार का इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड में कमान परिवहन बगाल तथा उत्तर प्रदेश सरकारों के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करती है।

2. तदनुसार, अम और रोजगार मन्त्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सहया ई० एड पी० 4 (24)/58 तारीख 12 दिसम्बर, 1958/29 अप्रृष्टायण, 1880 में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएँगे—

वर्तमान प्रविष्टियों के लिए अर्थात् —

“5. श्री पी० गुरुमूर्ति,  
संयुक्त मंत्रिव, तमिलनाडु सरकार,  
अम और रोजगार विभाग, मंत्रालय-600004

“6. श्री विजेन्द्र सिंह,  
श्रमायुक्त, राजस्थान सरकार,  
जयपुर।

के लिए निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएँगी, अर्थात्—

“5. श्री कावर नवाज  
संयुक्त मंत्रिव, परिवहन बगाल, सरकार,  
अम विभाग, राष्ट्रपत्र सिलिंग, कलकत्ता-1

“6. श्री मरन, प्रमाद,  
विशेष मंत्रिव, उत्तर प्रदेश सरकार,  
अम विभाग, उत्तर प्रदेश।

दिनांक 27 मार्च 1979

स० क्य०-16011/4/78-डब्ल्यू० ई०—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 3 (ब) (III) के अनुसरण में भारत सरकार श्री एड पी० 4 (24)/58 तारीख 12 दिसम्बर, 1958/29 अप्रृष्टायण, 1880 में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएँगे—

2. तदनुसार, अम तथा रोजगार मन्त्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सहया ई० एड पी० 4 (24)/58 तारीख 12 दिसम्बर, 1958/29 अप्रृष्टायण, 1880 में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएँगे—

वर्तमान प्रविष्टि, अर्थात्—

“7. श्री आई० डॉ० शर्मा  
श्रमायुक्त,  
जम्मू सद्य काश्मीर सरकार,  
जम्मू।

के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएँगी अर्थात्—

“7. श्री एस० एल० चोपड़ा,  
श्रम आयुक्त तथा पेदेन मंत्रिव (अम),  
विस्तीर्ण प्रशासन, विस्तीर्ण।

असोक तारायण, उप गंचित

रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड)

नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रैल 1979

स० 78/ई० (जी० आर० आई०/2/56—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में विविध भरने के लिए 1979 में सभी लोक सेवा आयोग हांग नी जाने वाली विभिन्न प्रतियोगित परीक्षा की नियमावली मन्त्रालय/विभागों की महसूल से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है।

वर्ग I विविध इंजीनियरी

ग्रूप क सेवाएँ/पद

- (i) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भड़ाउ सेवा (मिलिल इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (iv) सैनिक इंजीनियर सेवा (भवन तथा मट्टक सत्रांग)
- (v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (मिलिल इंजीनियरी पद)
- (vi) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (vii) महायक इंजीनियर (मिलिल), (डाक-तार सर्विल इंजीनियरी स्कंध)
- (viii) महायक कार्यकारी इंजीनियर (मिलिल) सीमा मट्टक इंजीनियरी सेवा।

ग्रूप ख सेवाएँ/पद

- (ix) महायक इंजीनियर (मिलिल), डाक तार सर्विल इंजीनियरी स्कंध।
- (x) महायक इंजीनियर (मिलिल), मिलिल निर्माण-स्कंध, आकाश-वाणी।

वर्ग II—यात्रिक इंजीनियरी

ग्रूप क सेवाएँ/पद

- (i) यात्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भड़ाउ सेवा (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (iii) भारतीय पूर्ण सेवा (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (iv) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (v) केन्द्रीय रेलिंग इंजीनियरी सेवा (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (vi) सैनिक इंजीनियर सेवा (वैद्युत तथा यात्रिक सत्रांग) (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (vii) भारतीय आयुष कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्रा) (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (viii) भारतीय नी सेवा आयुष सेवा; (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (ix) यात्रिक इंजीनियर (कॉन्ट्राई) भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण
- (x) सहायक ड्रिलिंग इंजीनियर, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण
- (xi) सहायक प्रबन्धक (कारखाना), (डाक तार दूर संचार करखाना, सगठन)
- (xii) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (यात्रिक)—गीस, मट्टक इंजीनियरी सेवा।
- (xiii) कर्मशाला अधिकारी (यात्रिक), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

- (xiv) केन्द्रीय बैचुत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (xv) सहायक तिकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

मुप ख सेवाएँ/पद

- (xvi) सहायक यांत्रिक उंजीनियर, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण।
- (xvii) कर्मशाला अधिकारी (शाकित), ₹० एम० ₹० कोर, रक्षा मंत्रालय।

### वर्ग III बैचुत इंजीनियरी

मुप क सेवाएँ/पद

- (i) बैचुत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (बैचुत इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय बैचुत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (बैचुत इंजीनियरी पद)
- (iv) भारतीय पूसि सेवा (बैचुत इंजीनियरी पद)।
- (v) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाक्ता) (बैचुत इंजीनियरी पद)
- (vi) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा, (बैचुत इंजीनियरी पद)।
- (vii) केन्द्रीय प्रक्षित इंजीनियरी सेवा (बैचुत इंजीनियरी पद)।
- (viii) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (बैचुत) (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कृध)।
- (ix) सैनिक इंजीनियर सेवा (बैचुत तथा यांत्रिक संवर्ग) (बैचुत इंजीनियरी पद)
- (x) कर्मशाला अधिकारी (बैचुत), ₹० एम० ₹० कोर, रक्षा मंत्रालय।
- (xi) महायक मिकाग अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय (बैचुत इंजीनियरी पद)।

मुग ख सेवाएँ/पद

- (xii) महायक इंजीनियर (बैचुत) (डाक-तार इंजीनियरी स्कृध)।
- (xiii) सहायक इंजीनियर (बैचुत), मिकिल तिर्याण स्कृध, आकाश वाणी।
- (xiv) कर्मशाला अधिकारी (बैचुत), ₹० एम० ₹० कोर रक्षा मंत्रालय।

### वर्ग IV इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी

मुप क सेवाएँ/पद

- (i) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल सेवा भंडार (दूर संचार) इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद)।
- (iii) भारतीय दूर संचार सेवा।
- (iv) इंजीनियर, वायरलेस आयाजन और समन्वय स्कृध/अनुश्रवण संगठन।
- (v) उप प्रभारी इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेवा।
- (vi) सहायक स्टेशन इंजीनियर, आकाशवाणी।
- (vii) तकनीकी अधिकारी, मिकिल त्रिमानन विभाग।
- (viii) संचार अधिकारी, मिकिल त्रिमानन विभाग।
- (ix) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाक्ता) (इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद)।

- (x) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद)
- (xi) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरों सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद)
- (xii) कर्मशाला अधिकारी (इलैक्ट्रॉनिकी), ₹० एम० ₹० कोर, रक्षा मंत्रालय।
- (xiii) महायक त्रिकाम अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय (इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी पद)।

मुप ख सेवाएँ/पद

- (xiv) सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी।
- (xv) सहायक इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेवा।
- (xvi) तकनीकी सहायक (मुप ख अराजपत्रित), समुद्रपार संचार सेवा।
- (xvii) कर्मशाला अधिकारी (इलैक्ट्रॉनिकी), ₹० एम० ₹० कोर, रक्षा मंत्रालय।

1. उपर्युक्त सेवाओं/पदों पर भर्ती इन मियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित परंपरा-योजनाओं के अनुसार की जाएगी।

उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के वर्ग में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वह बरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो।

उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उन्हीं सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए, उन पर विचार किया जाएगा जिनके लिए उन्होंने अपनी बरीयता का उल्लेख किया है और किसी अन्य सेवा पद के लिए नहीं।

सेवाओं/पदों के वर्ग या वर्गों जैसे नियम इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, बैचुत इंजीनियरी तथा इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी में सम्मिलित जिन सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है, उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा इंगित वरीयताओं के परिवर्तन के किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा। जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से संबंध अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भीतर सभ साक सेवा आयाग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

ध्यान दें : उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बनाएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हो और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों, जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों में संबंधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बनाई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अन. नियम 5 (ख) या 5 (ग) के नियमीन परीक्षा प्रवेश विए गए उम्मीदवार केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परस्तक के अधीन परीक्षा में प्रवेश विए गए उम्मीदवारों की वरीयता पर भी केवल उक्स परस्तक में उल्लिखित पदों के लिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विनियिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या गणकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों का अर्थ सविधान (अनुसूचित जातियां) शास्त्र, 1950, सविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950, सविधान (अनुसूचित जातियां) (सध राज्य बोर्ड) आदेश,

1951, संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (मध्य राज्य थेन) आदेश 1951, (अनुसूचित जातिया तथा अनुसूचित जन जातियाँ सूचियाँ (आरोग्य) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पश्चिम पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर प्रदेश (प्रमर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (मध्योधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश 1956 अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश 1964, संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967, संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968, संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968; और संविधान (नागार्लैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970 में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से कोई एक है।

3. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम [I] में निर्धारित नीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहा होगी यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से 1 अनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ निवासी शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कानिमा, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य दंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जामिया, मलायी, जेरे इथियोपिया और वियतनाम से प्रवानग कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग) (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश किया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव के बावजूद दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण प्रदान जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1979 की 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 27 वर्ष पूरी न होई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1952 से पहले और 1 अगस्त, 1964 के बावजूद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी भीष्मे के कालम 1 में उल्लिखित प्राधिकारियों में से किसी के नियन्त्रण में रहने वाले विभाग/कार्यालय में नियोजित हैं और यदि वे कालम 2 में उल्लिखित समझी सेवा (ओं) पद (पदों) हेतु परीक्षा में दैठने का आवेदन करते हैं तो उनके मामले में 27 वर्ष की उपरी शायु-सीमा छूट देकर 32 वर्ष तक कर दी जाएगी।

(इ) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल हैं पर्याप्त से स्थायी पद पर हैं। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्त परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परिवीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(ii) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1979 की कम से कम 3 वर्ष लगावार अस्थायी नियमित आमार पर कर रहा हो।

### कालम 1

### कालम 2

#### रेन विभाग

आई० आर० एम० ई० आई० आर०  
एम० ई० ई०, आई० आर० एम० एम०  
ई०, आई० आर० एम० एम० ई०,  
आई० आर० एम० एम०

#### केन्द्रीय लोक नियाण विभाग

मी० ई० एम० ग्रुप क, मी० ई० एम०  
एम० ई० एम० ग्रुप क

#### पूर्वि व निपटान महानियेशालय

आई० एम० एम० ग्रुप क

#### चंगीनियर-इनजीफ, थल सेना मुख्यालय

एम० ई० एम० ग्रुप क (दी० ए० आर० बोर्ड) एम० ई० एम० ग्रुप क  
(ई० ए० ए० ए० केडर)

#### आयुध कारखाना महानियेशालय

आई० ओ० एफ० एम० ग्रुप क

#### केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

सी० पी० ई० (ग्रुप क) सेवा

#### भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण

यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क

#### बेतार आयोजन तथा ममन्वय स्कंध/

इंजीनियर (ग्रुप क), बिपुटी इंजीनियर (ग्रुप क), महायक इंजीनियर (ग्रुप क)  
(तकनीकी सहायक ग्रुप ख—प्रग्राम-परिवर्त)।

#### आकाशवाणी

महायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क)  
सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख)।

सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख)  
(सिविल/इलेक्ट्रीकल), सिविल  
फास्टदूकान विवर, आकाशवाणी।

#### नागर विमानत विभाग

तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) संचार  
अधिकारी (ग्रुप क)

#### भारतीय नौ सेना

भारतीय नौ सेना आयुधसेवा

#### डाक-तार विभाग

भारतीय दूर संचार सेवा, ग्रुप क  
सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल  
वैद्युत) ग्रुप क डाक-तार सिविल स्कंध  
सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत)  
ग्रुप ख, डाक-तार सिविल स्कंध  
सहायक इंजीनियर (कारखाना) ग्रुप  
क, डाक-तार दूर संचार कारखाना  
संगठन।

#### सीमा मडक संगठन

सीमा सडक इंजीनियर सेवा

#### तकनीकी विकास

#### महानियेशालय

महायक विकास अधिकारी  
(इंजीनियरी)

तो है -- प्रशिक्षण की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्त हो जाती है तो आयु में स्टॉक के प्रयोगन के लिए प्रशिक्षण की अवधि रेल सेवा मानी जाएगी।

(ग) इसके अलावा निम्ननियत व्यक्तियों में भी उपर निर्धारित अपरी आयु सीमा में स्टॉक दी जाएगी --

(i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पाँच वर्ष तक,

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में वस्तुतः प्रस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;

(iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में वस्तुतः प्रस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

(iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1961 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष :

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;

(vi) यदि उम्मीदवार वर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;

(vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष .

(viii) गवर्नरेश के साथ संघर्ष में या अर्थात् गवर्नरेश में कोई कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मल हुए रक्षा सेवा के कार्यकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष ;

(ix) गवर्नरेश के साथ संघर्ष में या अर्थात् गवर्नरेश में कोई कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मल हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कार्यकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष ;

(x) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मल हुए सीमा सुरक्षा बल के कार्यकों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष और

(xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मल हुए सीमा सुरक्षा बल के अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के कार्यकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष ।

(xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पात्रता हो) और

ऐसा उम्मीदवार जिसने पास कियताना में भारतीय राजसूचा-वास द्वारा जारी किया गया आपातकाल या अमान-पत्र है, और जो विगतनाम में ज्ञाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक तीन वर्ष ।

(xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगाड़ा और नंगानिया सम्बन्ध गणराज्य से प्रवेश किया हो या जाक्रिया, मलाई, जेरे और हृषीयोपिया में प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

(४) पैसा उम्मीदवार जो निर्णयिक तारीख अर्थात् पहली अवसरा, 1974 तो निर्धारित उपरी आय-सीमा से अधिक आय का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुशंशन अधिनियम के अन्तर्गत मिलकु किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात् विधियों की अवधि वे दौरान अधिकारित राजनीतिक कार्यकारीयों या मूलालीन प्रतिविधित समग्रीने गे सम्बन्धित होने के कारण भारत सुरक्षा मध्या आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैब तुक्ता था और हम प्रकार उम्मीदवारों में प्रवेश हेतु निर्धारित आय सीमा के अनुदर्श होने हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, हम यससे पर परीक्षा में बैटेने का पाल होगा कि जून, 1975 और भार्वा, 1977 के बीच की अवधि के दौरान वह परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं हैट पाया हो अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो जिसके लिए वह हर प्रकार से ग़ज़ था ।

**टृप्पी**—इस नियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए प्राप्ति नहीं होगी एक से अधिक अवसरा नहीं दिया जाएगा ।

**ध्यान दे—**— जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5 (क) या (ग) में उल्लिखित आय सम्बन्धी नियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रह कर तो जाएगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग पत्र दे देना है या उसके विभाग/कार्यालय 'डारा' उसकी भेजाएं भमाल कर दी जाती है किन्तु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से संतुष्टी जाती है तो वह परीक्षा देने का पाल बना रहेगा ।

जो उम्मीदवार विभाग को ग्राहन आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग कार्यालय का स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा पद हेतु विभाग की आय सम्बन्धी नियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पाल रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, बल्कि कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग डारा अप्रेवित कर दिया गया है ।

**उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आय सीमा में किसी भी नियम में छठ नहीं दी जाएगी ।**

#### 6 उम्मीदवार —

(क) के पास भारत के केन्द्रीय या ग़ज़ विधान मंडल द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुशासन आयोग अधिनियम, 1956 की घास 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मासी गई किसी अन्य विकास संस्था से इंजीनियरी में डिप्लोमी जाहिर, अपवा

(ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग के ग्रीष्म उसीर्ण और अवधि ।

- (ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था में हजारियरी में डिप्लोमा/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोगन के लिए सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त हो, अथवा
- (घ) इनेक्ट्यूटिनिकी और दूर सचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) की प्रेज़ेन्ट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो, अथवा
- (ज) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इनेक्ट्यूटिनिकी और रेडियो संचार इंजीनियरों की संस्था (लन्दन) की प्रेज़ेन्ट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

नवम्बर, 1959 में पहले भी गई इनेक्ट्यूटिनिकी और रेडियो इंजीनियरों की संस्था (लन्दन) की प्रेज़ेन्ट मेम्बरशिप परीक्षा भी निम्नलिखित स्थितियों में स्वीकार्य होगी:—

- (1) कि जिन उम्मीदवारों ने नवम्बर, 1959 से पहले भी गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे प्रेज़ेन्ट मेम्बरशिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार निम्नलिखित अनियक्त प्रश्न-पत्रों में धैर्य हों और उनमें उत्तीर्ण हों—
- (i) रेडियो और इलेक्ट्रॉनिकी I के सिद्धान्त (सेक्शन "ए")
- (ii) गणित II (सेक्शन "बी")
- (2) कि मंबद्ध उम्मीदवारों की उपर्युक्त (I) पर निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिए इनेक्ट्यूटिनिकी और रेडियो इंजीनियरी की संस्था, लन्दन से प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए।

फिन्टु वायरलैस सम्पादन तथा समन्वय संकेत/अनुश्रूतण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियर युप क, समझौता संचार सेवा में उप प्रभारी इंजीनियर युप क, आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर युप क, भारतीय नीतिना आयुष्म सेवा में इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी (पद) आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर युप एवं, समझौता संचार सेवा में सहायक इंजीनियर युप एवं और समझौता सेवा में तकनीकी सहायक (युप एवं अराजपत्रित) के पत्रों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो, जैसे—

वायरलैस संचार, इलेक्ट्रॉनिकी रेडियो भौतिकी या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ प्र० प्र० सी० डिप्लोमा या समकक्ष।

नोट 1—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ कुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वे ईंधिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अप्सी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र हो गे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मासी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 15 दिसंबर 1974 तक भीत्र निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट 2—विशेष परिस्थितियां में सब लोक भेदवा आयोग एम्सी किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अनुतात्मा में से कोई अनुतात्मा न हो, वशर्ने कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा भी गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मननुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उन परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

नोट 3—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अनुत्तमा प्राप्त कर ली है, किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिप्लोमा है, जो सरकार द्वारा

मान्यताप्राप्त नहीं है, वह भी आयोग का आवेदन कर सकता है और उस आयोग की विधिया पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7 उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य कराना चाहिए।

8 जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हो जाते वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों, पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हो, उन मवको इस आयोग का परिवर्तन (अन्डरटेकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष और विधिवाल्य में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया।

9 परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अग्रतात्मा के बारे में आयोग का निर्णय अनिवार्य होगा।

10 किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमीशन) न हो।

11 जिस उम्मीदवार ने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) ताम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया है जिनमें तथ्यों को विद्यादा दिया हो, अथवा
- (v) गत या कुठे बदलवा दिया है या किसी महावपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है; अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (viii) उसर पुस्तकाओं पर असरत बातें लिखी हों जो अखली भाषा में या भास्त्र भाष्यम् की हों, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकार किया हो,
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो,
- (xi) उपर्युक्त छण्डों में उल्लिखित अभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवधेरित करने का प्रयत्न किया हो,
- तो उस पर अपराधिक अभियोग (किमितन प्रामीकूणन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका बहु उम्मीदवार है बैठने के लिए अप्रयोग ठहराया जा सकता है अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप में अथवा एक विशेष अवधि के लिए—
- (i) आयोग द्वारा नी जाने वाली किसी भी परीक्षा, अथवा चयन के लिए,
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी में वारित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही भेदवा में है तो उसके विश्व उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

12 जो उम्मीदवार निवित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित अनुनाम अंक प्राप्त कर लेने हैं उन्हें आयोग की विवेका पर व्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त सम्भावा में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बला सकता है।

13 परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप में लिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी आरक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का केसला किया गया हो उनमें ही ऐसे उम्मीदवारों की योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुंतंत्र की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की सम्भावा तक अनुसूचित जातियों आवधा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों तो आरक्षित कांटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुसूचित किए जा सकें, बजातों कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

14 प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा क्रम की सूचना किम रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाकाल के बारे में कोई पहल व्यवहार नहीं करेगा।

15 नियमों का अन्य ध्यावस्थाओं को ध्यान में रखते हुए, परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करने समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बनाए गए वरीयता त्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

16 परीक्षा में पास हो जाने मात्र से श्री नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से सतुर्ज हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्व वृद्धि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17 उम्मीदवार को भारतीय और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के त्वय में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि (विनियुक्त डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद) किसी उम्मीदवार के बारे में यह फौत कुप्रा कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के विवित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अनुरूप प्राप्त कर लेते हैं, उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरंत बाद जाने वाले कार्य-दिवस को की जाएगी (इसमें शनिवार को छोड़कर रविवार और लुधियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए मध्य सफल उम्मीदवारों को प्राप्त 9.00 वजे, अनियन्त्रित मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केंद्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बमत लेन, नई दिल्ली पर उत्तरित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चरणमा लगते हों तो उन्हें हाल ही के चर्मों के नवार के साथ मेडिकल बोर्ड के मामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की शारीरिक या स्थान पर्यावरण का अनुरूप सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरी जांच में छूट के प्रत्युरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित सारीरिक परीक्षा से मन्त्रनिधि विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक अस्वस्थता के मापदंड श्रवण अन्तर्गत हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं जिनके सेवाओं/पदों के लिए म० लो० में० श्रा० का वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विवेष संबंध में इन भागों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट करें कि—

- (i) उनको ₹० १०/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भगतात करनी होगी;
- (ii) डाक्टरी जांच के संबंध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (iii) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उनके मामने पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट करें कि उनको रेलवे भवालय द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

निराशा से बदले के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले मिविल भजन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा कर लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुज़ना होगा उनके स्वस्थ के विवरण और मानक परिशिष्ट II में दिए गए हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप नियुक्त हुए भूतपूर्व मैनिकों और सीमा सुरक्षा वल में कार्य करने हुए विकलांग हुए व्यक्तियों को प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं में स्तर में छूट दी जाएगी।

#### 18 जिस व्यक्ति से—

- (a) गेसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (b) जीवित पति/पत्नी के रहने हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध, किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पाल सही भाना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य हैं और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छठ दे सकती है।

19 इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका मशिन विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।

पी० एन० मोहिले सचिव

#### परिशिष्ट I

##### 1 परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी:—

भाग I:—नियुक्ति परीक्षा दो भागों में होगी। भाग I में केवल बल्ट्युप्रूफ प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग II में परम्परागत प्रश्न होंगे। दोनों भागों में मगन हेजीनियरी लिया शायामी जैसे मिविल इजीनियरी, यांत्रिक इजीनियरी, विद्युत इजीनियरी और ड्लैक्ट्रोनिकों तथा दूर संचार इजोंटरों को पूरी पाठ्यवस्था होगी। इस प्रश्न पत्रों के लिए नियरित मनर तथा पाठ्यवस्था परिशिष्ट को मनुकूची में दिए गए हैं। नियुक्ति परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए नियरित मनर और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग II:—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हताप्राप्त करने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिनियम 200 अंकों का है।

2 लिखित परीक्षा निम्न विषयों में से ली जाएगी—

बंग I—सिविल हंजीनियरी

(वेखिए नियमाबली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपूरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अध्रेजी, भाग ख : सामान्य अध्ययन)	2 घंटे	200
सिविल हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
सिविल हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र सिविल हंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र I	3 घंटे	200
सिविल हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
योग		1000

बंग II—यांत्रिक हंजीनियरी

(वेखिए नियमाबली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपूरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अध्रेजी भाग ख : सामान्य अध्ययन) I	2 घंटे	200
यांत्रिक हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
यांत्रिक हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र यांत्रिक हंजीनियरी	3 घंटे	200
प्रश्न-पत्र I		
यांत्रिक हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
योग		1000

बंग III—वैद्युत हंजीनियरी

(वेखिए नियमाबली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपूरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अध्रेजी भाग ख : सामान्य अध्ययन)	2 घंटे	200
वैद्युत हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
वैद्युत हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र		
वैद्युत हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	3 घंटे	200
वैद्युत हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
योग		1000

बंग IV इलैक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार हंजीनियरी

(वेखिए नियमाबली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपूरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अध्रेजी भाग ख : सामान्य अध्ययन)	2 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र इलैक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	3 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
योग		1000

3 व्यक्तित्व परीक्षण करने समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेंढा गतिशील, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उज्जितता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक तिफ्ता के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4 सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अध्रेजी में दिए जाएँ।

5 उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ में लिखने होंगे। किसी भी हातक में उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्तिशीलता नहीं दी जाएगी।

6 प्रायोग अपनी विश्वास से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अहंक अक निर्धारित कर गकना है।

7 केवल सतही ज्ञान के लिए श्रक नहीं दिए जाएँगे।

8 लिखाई खराब होने पर लिखित विषयों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अक काट दिए जाएँगे।

9 परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बान को श्रेय दिया जाएगा कि अभियष्टिक उस गतिशील, प्रभावपूर्ण रूप की और सही हो।

10 प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तौल और माप की भीठरी प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे।

टोट—उम्मीदवारों को जब भी जल्दी समझा जाएगा परीक्षा भवन में संवर्भ हेतु भारतीय मानक सम्मा द्वारा मनुकित तथा प्रकाशित भीठरी इकाईयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

परिधिष्ठ I की अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्र का स्तर यैमा ही होगा जैसा कि एक हंजीनियरी/विश्वास स्नातक में प्रवेश की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्रों का स्तर एक भारतीय विषयविज्ञान य के हंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा? किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

## सामान्य योग्यता परीक्षण

भाग (क) सामान्य अधिकारी अधिकारी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदार की अधिकारी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन सामान्य प्राध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामान्यक घटनाओं और ऐसी बातों की उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देने हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिनिधित्व के धनुषधन में आती है तथा जितकी किसी शिक्षित अधिकारी से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सके।

## सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपूरक तथा परपरागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

## प्रश्न-पत्र—I

1 भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर, इमारती लकड़ी, इंट, सिमेट, ऐप, कफीट, चिसि, इस्पात।

2 धन यांत्रिकी प्रतिबल, विफलति, धन त्रैय का विफलत मिहाल, साधारण बकल और चिमोठन के मिहाल प्रपरण केन्द्र।

3 आनेकी स्थैतिकी बल वहुभुज, प्रतिबल आरेख।

4 सरचनात्मक विश्लेषण इंसेस और फैम का विश्लेषण प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय।

5 धातुर सरचना का अभिकल्पन कार्यकारी प्रतिबल और साधारण सरचना के चरम सामर्थ्य अभिकल्पन।

6 कफीट और चिनाई रचना के अभिकल्पन चिनाई दीवार का अभिकल्पन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभिकल्पन, प्रबलित और प्रतिबलित कफीट, प्रतिबलित और प्रबलित कफीट का चरम सामर्थ्य अभिकल्पन।

## प्रश्न-पत्र-II

1 सरल यांत्रिकी जल लोत इंजीनियरी विवृत चैनल, और पाहुप्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन, और जलीय सरचना।

2 मुद्रा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी सामर्थ्य मैग्नेटर, भूमि बाब सिद्धान्त, उथने और गहरे आधारों का अभिकल्पन।

3 सर्वेषण महित परिवहन इंजीनियरी मङ्क, अतिउत्तर्यन, नियमन प्रबलता, फुटपाथ, यातायात नियन्त्रण, विचारणीय अभिकल्पन।

4 पर्यावरण इंजीनियरी जल स्वच्छता, सीधेज अभिकिया एवं निपटान।

5 निर्माण, नियोजन और प्रबलन निर्माण पद्धति के तरव, घार चार्ट, सी० पी० ए०म०, पी० ई० आर० ठी।

## यांत्रिक इंजीनियरी

(वस्तुपूरक तथा परपरागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

## प्रश्न-पत्र—I

1 उष्मागतिकी, नियम आवश्यं गैसों और वाष्प के गुण धर्म, विषुत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र इंधन और दहन।

2 आई० सी० ईजन सी० आई० और एम० आई० ईजन, अधिस्फोटन, इंधन अन्तर्गत धोर कावृत्तशन विष्यावन धोर परीक्षण, टर्बो जेट और टर्बो प्रोपेलर ईजन, गेटेट इजन, नाभिकीय शक्ति संकर और नाभिकीय इंधन का प्रारम्भिक ज्ञान।

3 वाष्प बायलर, इजन, वाष्प टरबाइन, प्ररूप, नाजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिकिया टरबाइन के बेग आरेख। दक्षता और नियन्त्रण।

4 मपोडिन, गैस गतिकी और गैस टरबाइन प्रत्यागामी, केन्द्राभिमुख और अक्षीय प्रवाह के मपोडिन, उर्जा अन्तरण सम्मिलित वेग आरेख वक्षता और निष्पावन बहुचरणीय मपोडिन के साथ गैस टरबाइन चक्र पुर्वापान और पुनरुत्पादन।

5 उर्जा अन्तरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन, सबहन और विकिरण उर्जा विनियमक प्ररूप। सम्मिलित उर्जा अंतरण। सम्पूर्ण उर्जा अंतरण गुणाक।

प्रशीतन और उर्जा पर्यंत चक्र। प्रशीतन प्रणाली। निष्पादन के गुणाक—माइक्रोमीट्रिक और माइक्रोमीट्रिक चार्ट कम्पट सूचक, प्रशीतन और निराद्रीकरण विधि। औद्योगिक वातानुकूल प्रक्रिया, गीतलन और तापन भारगणना।

6 तरल यांत्रिकी और यांत्रिकी तरल—गुणधर्म, वाष्प, बल, उत्पादकता और स्थायित्व, पटलीय और प्रक्षुब्ध प्रवाह, साताप्य समीकरण। उर्जा और सबेग समीकरण। बनोनिम प्रभेय, विमीय विश्लेषण।

7 रेनोल्ड की कांतिक सम्पादन, परिमोगा स्तर सकलना फिल्म स्टेन्ट, पाइप के द्वारा अपीड़िय प्रवाह, त्रातिक वेग धर्यण क्षय, आकस्मिक धाक्कन, और अपवृद्धि के कारण क्षय। नोजल के द्वारा सपीइय प्रवाह।

## प्रश्न-पत्र-II

7 मशीनों का मिहान (i) निर्माण पिह (ii) मशीनों के बेग और त्वरण लकड़ाइन का निर्माण, मशीनों में जड़त्व बल कैम्प, गीयर और गियरसून गतिपालक चक्र और नियामक पिंडों का पर्णी एवं प्रत्यागामी सतुलन स्वतंत्र और प्रणोदित कम्पमान की प्रणाली शैफ्ट की कांतिक गति और अमरी।

8 मशीन अभिकल्पन—पेच बघन और पावर स्कू का जोड़—कुजिया, कोट्टरस, युग्मन—वेल्ड सधि पारगम पद्धति—पट्टा और चेन चालित—तार रजू—पोर्क।

गियर—सर्पी और रोलिंग ब्रेयरिंग।

9 पदार्थों की सबलता।

त्रिविमोग प्रतिबल और विड्डन, मोहरम चक्र प्रत्यास्थ स्पिरोक के बीच मबद्द।

किरणर्पुज—बकल आधूर्ण, अपरूपक बल और विक्षेप शैफ्ट—ममिल बकल, प्रत्यक्ष और भौमी प्रतिबल।

स्थूल—वेल्ड मिलिन्डर और दाढ़ के अन्तर्गत गोलक स्प्रिग, आजबन स्तम्भ और कालम, विकलन का सिद्धान्त।

10 इंजीनियरी पदार्थ। मिश्र धातु और धातुभित्रण ताप अभिकिया, सयोजन, गुणधर्म और प्रयोग, प्लास्टिक और धन्य नये इंजीनियरी पदार्थ।

11 उत्पादन इंजीनियरी। धातु मशीनीकरण—कर्तन औजार, औजार धातु, चिनाई और यांत्रिकीयता, कर्तन शक्ति का माप प्रक्रियाए—मशीनीकरण—पेचण, वेधन, गीधर निर्माण धातु रूपाकन, धाय सचकन और सम्मिलित बैंकिक, विशेष प्रयोजन कार्यक्रम और सर्वास्थक नियन्त्रित मशीनी औजार, जिग और अनुपर्यानी (तथों का अवस्थापन)।

## 12 औद्योगिक इंजीनियरी

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजबूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन, संयम विनाम के मिहान—उत्पादन नियोजन एवं नियन्त्रण, पदार्थ व्यवस्था, सक्रिया विज्ञान। रेखिक

प्रोग्रामन पक्षित मिश्नात हजारी जाल विश्लेषण सी० पी० ए० ए० ए० पी० ई० आर० टी० संगणकों का उपयोग ।

### बैशुत हजारी

(बस्तुपूरक और पररपरागत दोनों प्रण-पत्रों के लिए)

#### 1 बैशुत परिपथ ।

जल प्रमेय, ज्यावकीय जाल के सोपानों, रैम्प, आवेग और ज्यावकीय निवेषण की अनुक्रिया, आवृत्ति क्षेत्र का विश्लेषण डिप्लाइ जाल जाल संश्लेषण का तत्व । संकेत-प्रबाह ग्राफ ।

#### 2 ई० एम० मिश्नात ।

बैशुत स्थैतिक, मविभा प्रणाली का प्रयोग करने हुए चुवक स्थैतिक । चुवकीय पदार्थों और आलक के अन्तर्गत पराविश्वत के क्षेत्र । समय परिवर्ती क्षेत्र, मैक्सिवल का समीकरण, जालन परावैशुत मीडिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुणधर्म ।

#### 3 पदार्थ विज्ञान । (बैशुत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धान्त, स्थितिगति और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार, वाव विशुत । शातु की चालकता अनिवार्यता, पदार्थों का चुवकीय गणधर्म । फैरो और फेरी—चुवकत्व, अप्राव्यालकों में चालकता, हाल प्रभाव ।

#### 4 बैशुत मापन ।

मापन के सिद्धान्त । परिपथ पैरामीटर का भेतु मापन । माप यंत्र । बी० टी० बी० एम० तथा सी० आर० ओ०, क्य०—मीटर, स्पैक्ट्रम विश्लेषक । ट्रान्सइयूसंस तथा गैर-बैशुत मात्राओं का मापन, अंकीय मापन, दूरमापन, तथ्य अप्रिमेखन तथा प्रदर्शन ।

### प्रश्न-पत्र II

#### 5 अभिकलन के तत्व ।

अंकीय प्रणाली, एल्गोरिटम विशिया, प्रवाह- संचिलण भाण्डारण : प्रलृप विवरण भरणी भाण्डारण अंक गणित निष्पीडित, तार्किक निष्पीडित, निविष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संचरण, बैज्ञानिक तथा हजारी अनु-प्रयोग ।

#### 6 बैशुत उपकरण तथा प्रणालियाँ :

बैशुत धातिकी : बैशुत यांत्रिकीय ऊर्जा रूपान्तरण के सिद्धान्त । डी० सी०, तुल्यकालिक तथा प्रेरण भरणीों का विश्लेषण । भिसाटमक अप्प-शक्ति मोटर, नियंत्रण प्रणालियों में समीने । ट्रान्सफॉर्मर्स । अंकीय परिपथ तथा परिष्कालों के लिए मोटरों का अवन ।

विशुत प्रणाली : विशुत उत्पादन : नापीय, जलीय तथा भागिकीय । विशुत संचरण, कोरोना, पूल आलक, विशुत प्रणाली रक्षण । अर्थात् परिष्काल । लोड आवृत्ति—नियंत्रण, स्थायित्व विश्लेषण ।

#### 7 नियंत्रण प्रणालियाँ ।

विशुत—पाश तथा संबृत पाश प्रणालियाँ, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल-केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकलन प्रविधिया । स्थिति-परिवर्ती उपगमन ।

#### 8 हेलेक्ट्रॉनिकी तथा संचार

हेलेक्ट्रॉनिकी—धनावस्था युक्तियाँ तथा परिपथ । लघु सिग्नल प्रबंधक अभिकल्प, पुनर्भरण प्रबंधक, दोलिम तथा संक्रियात्मक प्रबंधक, एफ० ई० टी० परिपथ तथा रेक्सिक आई० सी० । स्वचन परिपथ बुलीय बीजगणित, तर्क परिपथ, मांयोजिक तथा अनुक्रमिक अंकीय परिपथ ।

संचार—मिगनल विश्लेषण, मिगनलों का प्रेषण । मानवन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का संसूचन । संचार प्रणालियों का निष्पादन ।

इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार हजारी अनुक्रिया  
(बस्तुपूरक तथा पररपरागत दोनों प्रण-पत्रों के लिए)

### प्रश्न-पत्र I

#### पदार्थ

##### 1 मामप्री घटक तथा युक्तियाँ

बैशुत हजारी मामप्रियों की संरचना तथा गणधर्म । निष्क्रिय घटक-प्रकार तथा गुणधर्म । सक्रिय घटक-प्रकार तथा गुणधर्म । अनावस्था युक्तियाँ औतिक, लक्षण तथा नमूने ;

##### 2 जाल सिद्धान्त ।

जल प्रमेय । विशुत परिपथों की रिथर भवस्था तथा क्षणिक प्रन-क्रिया । परिपथ जाल विश्लेषण । प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण ।

##### 3 विशुत-चुम्बकीय सिद्धान्त ।

क्षेत्रगत सिद्धान्त । संचरण-लाइन सिद्धान्त । ऐण्डेना सिद्धान्त । परिवर्त तथा अपरिवर्त मीडिया में विशुत-चुम्बकीय तरंगों का प्रवर्द्धन ।

##### 4 मापन तथा यांत्रीकरण

बैशुत मात्राओं का आधारसूत माप । यत्रों का मापन तथा उनकी कार्य-प्रणाली का सिद्धान्त । ट्रान्सइयूसंस । गैर बैशुत मात्राओं का माप ।

### प्रश्न-पत्र II

##### 1 रेक्सिक तथा भरेक्सिक अनरूप परिपथ ।

मूल रेक्सिक इलैक्ट्रॉनिक परिपथ । स्पंद-रूपण परिपथ । तरंग आकार जनित्र । स्थायीकारक ।

##### 2 अंकीय परिपथ ।

तर्क परिपथ तथा गेट । संगणन परिपथ । सांयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ ।

##### 3 नियंत्रण प्रणालियाँ ।

पुनर्भरण मिश्नात । नियंत्रण प्रणाली घटक । नियंत्रण प्रणालियों की अनुक्रिया । व्यावहारिक प्रणाली का अभिकल्पन ।

##### 4 संचार प्रणालियाँ :

मूल सूचना सिद्धान्त । मानवन तथा संसूचन प्रक्रियाएँ । विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियाँ । रेडियो तथा आईन संचार । द्रवर्धन तथा रेडार । संचारन महान्य । अनुगामी संचार सिद्धान्त ।

##### 5 सूक्ष्म तरंग हजारी

सूक्ष्म तरंग स्त्रोन । सूक्ष्म तरंग घटक तथा जाल । मापन तथा सूक्ष्म तरंग आवृत्ति । सूक्ष्म तरंग संचार प्रणालियाँ ।

### परिशिष्ट II

#### उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

[ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एंजिनियर्स) के मात्र निर्वेशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वास्थ्य घोषित नहीं किया जा सकता । किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुमान स्वरूप न मानने हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिंगित रूप से व्यष्ट कारण देते हुए, भारत मरकार को यह अनुगमा कर सके कि उस उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे मरकार को छोड़ हानि नहीं होगी ।

2 किन्तु यह बात भी भले प्रकार समझ भेत्री चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण श्रद्धिकार होगा।

1 नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराएं जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वक्तावापूर्वक काम करने में वाधा पड़ने की सम्भावना हो। ]

2 (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में वर्गादर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के ग्राफ़हें सबसे अधिक उपयोग समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषयमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए। और उसकी छाती का एक्सरे नीता चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अंथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेर के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता:—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेर (पूरा फैलाव कर)	फैलाव
रेल इंजीनियरी सेवा (मिलिल, वैचूत, यांत्रिक और सिग्नल) और केंद्रीय इंजीनियरी सेवा पुप क तथा केन्द्रीय वैचून इंजीनियरी सेवा पुप क			
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152 सें. मी.०	84 सें. मी.०	5 सें. मी.०
(ख) महिला उम्मीदवारी के लिए	150 सें. मी.०	79 सें. मी.०	5 सें. मी.०

अनुसूचित जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाओं, गढ़वालियों असमियों, नागार्सेंड के शादिवासियों प्रादि जिनका शोसंत कद स्पष्ट ही कम होता है, के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं, पुप क तथा भारतीय आयुष्कारखाना सेवा पुप क के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 सें. मी के कलाव की गुंजाइश रखनी होगी।

3 उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा:—

वह आपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सठा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच आपस में जुड़े रहे और उसका वजन, मिलाय एडियो के पांचों के ग्रूपों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियो, मिडलियो, नित्य और कंधे माप-वंड के माथ लगे होंगे। उसकी ठीक नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बॉक्स आफ वी हैड ऐवल) हार्डिंग्टन बार (आड़ी छड़ा) के नीचे प्राप्त हो। कद सेंटी मीटरों और मार्ट्रिंसेटीमीटरों में मापा जाएगा।

4 उम्मीदवार का छाती भापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे छग भाति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच जुड़े हों और उसकी झुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह

लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्वर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्कीरियर एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी ओर भाव समन (हारिंजेट ज्वेन) में रहे। किर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें भारी के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का व्याप रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता भ्रान्ते स्थान से नह न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा भास लेने के लिए कहा जाएगा कि यह आपके बाहर आती है और कम से कम एक बार आपने स्थान से नह न पाए।

यान वें :—मतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जाने चाहिए।

5 उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलो-ग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम मिल (फैलाव) को नोट नहीं करना चाहिए।

6 उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा:—

(i) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को आँखें, पलकों प्रथमा साथ लगी संरचनाओं (कान्टिगुप्स स्ट्रेक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अप्रयोग बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि—दीक्षणा (विजुअल एक्यूटी) -दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिये वो तरह की जांच की जाएगी। एक बूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीक की नजर के लिये। प्रत्येक आँख की प्रालग-प्रालग परीक्षा की जाएगी।

चम्पे के बिना आँख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक भास्मे में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आँख की हालत के बारे में मूल सूचना (मैट्रिक इन्फ्रारेमेंट) मिल जाएगी।

चम्पे के साथ और चम्पे के बिना बूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा:—

सेवाएं	बूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि
	अच्छी आँख अच्छी आँख आँख आँख आँख आँख (ठीक की हुई ठीक की हुई दृष्टि)	
	1	2 3 4 5

क तकनीकी

- 1 रेल इंजीनियरी  
सेवाएं (मिलिल, वैचून, यांत्रिक, और सिग्नल)
- 2 केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा पुप क,  
केन्द्रीय वैचून तथा यांत्रिक] इंजीनियरी  
सेवा

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

मुप क

केन्द्रीय जन इंजीनियरी 6/6 प्रथमा 6/12 जे-I जे-II

सेवा मुप क, केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी

सेवा मुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा 6/9 6/9  
(सहक)

मुप क तथा नार इंजीनियरी

सेवा मुप क, महायक कार्यपालक,  
इंजीनियर (मिलिं तथा बैचून)मुप क (भारतीय दूर संचार इंजीनियरी  
स्कंध)महायक इंजीनियर (मिलिं तथा  
विद्युत)मुप ख (डाक-नार मिलिं इंजीनियरी  
स्कंध)। डब्ल्य० पी० एंड सी० स्कंध,  
ग्रन्थालय संगठन, संचार मंत्रालय,  
में इंजीनियर का पद/ग्रो० सी०  
एस० में डिपुटी इंजीनियरी हस्तार्ज,  
क्रुप क,

आकाशवाणी में महायक स्टेशन

इंजीनियर मुप क,

नागर विभानन विभाग में तकनीकी  
श्रद्धिकारी मुप क, नागर विभानन विभाग  
में संचार श्रद्धिकारी मुप क, भारतीय  
नीतिना, आयुष सेवा, में भारतीय  
आयुषशाला सेवा मुप क, भीमा सहक  
इंजीनियरी सेवा मुप 'क' आकाशवाणी में  
महायक इंजीनियर मुप ख, घो० सी०  
एस० में महायक इंजीनियर मुप ख और  
घो० सी० एस० में तकनीकी महायक  
(मुप ख-अराजपत्रित)।और महायक विकास श्रद्धिकारी (इंजी-  
नियरी) का पद, तकनीकी विकास महा-  
निवेशालय।

3 सेवा इंजीनियरी सेवा . 6/6 6/18 जे-I जे-II

मुप क, तथा महायक प्रबंधक  
(कारखाना) मुप क, डाकनार संचार  
कारखाना संगठन। . . 6/9 6/9

ख गैर-तकनीकी

4 भारतीय रेल भंडार सेवा, तार  
यासायान सेवा, मुप ख, भारतीय  
पूर्ति सेवा, मुप क, महायक श्रिंगिं  
इंजीनियर . . . 6/9 6/12 जे-I जे-IIमुप क और भारतीय भ-विभान  
मर्केजन में यात्रिक इंजीनियर  
(कनिष्ठ) मुप क।

नोट (1) :

(क) उपर्युक्त के पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के मम्बल्य में  
मियोपिया (मिलेन्डर महित) का कुल परिमाण—4.00 डी० से अधिक  
नहीं होगा। आपरमेट्रोपिया (मिलेन्डर महित) का कुल परिमाण—  
4.00 डी० से अधिक नहीं होगा।

किन्तु एते यह है कि "तकनीकी" (रेल मत्रालय के अधीन सेवाओं  
के ग्रन्थालय अन्य) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार परि हाई  
मियोपिया के कारण अयोग्य पाया जावे तो यह मायना तीन नेत्र विज्ञानियों  
के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह  
मियोपिया रोगात्मक है कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं हो तो उम्मीदवार  
को योग्य घोषित कर दिया जायेगा वर्षाने कि वह अन्यथा दृष्टि मम्बल्य  
प्रपेक्षां पूरी कर दे।

(ख) मियोपिया फँडम के प्रत्येक सामने में जांच करानी चाहिए  
और उसके नर्तीजों को छिकाई किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की  
कोई रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने पौर उससे उम्मीदवार की कार्य-  
कुशलता पर असर पड़ने की सम्भालना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना  
चाहिए।

नोट (2) ।

भारतीय दूर संचार सेवा, मुप क के ग्रन्थालय उपर्युक्त क पर उल्लि-  
खित तकनीकी सेवाओं के मम्बल्य में वर्ण दर्शन की जांच अनिवार्य होगी।  
और महायक विकास श्रद्धिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास  
महानिवेशालय।

जैसा कि भीत्र तालिका में दर्शाया गया है वर्ण-अवगम उच्चतर तथा  
निम्नतर श्रेष्ठों में होना चाहिए जो मैन्टेनेंस में द्वारक (एप्चर) के श्राकार  
पर निर्भर हो :—

प्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर प्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर प्रेड
1 ऐप्रा और उम्मीदवार के भीत्र की दूरी . . .	16'	16'
2 द्वारक (एप्चर) का श्राकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3 विद्युते का समय . . .	5 सैकेन्ड	5 सैकेन्ड

रेल इंजीनियरी सेवा (मिलिं, बैचून, मिलन और यांत्रिक) और  
जन सुरक्षा में गम्भनित अन्य सेवाओं के लिए उच्च या विन्द्र प्रेड के वर्ण दर्शन की  
अवस्था है किन्तु अन्यथा नोते प्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त भावा जाना  
चाहिए।

सेवाओं/पदों के वर्ण, जिनके लिए उच्च या विन्द्र प्रेड का वर्ण दर्शन  
प्रपेक्षित है, नीचे दिए जा रहे हैं :—

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्च प्रेड का वर्ण दर्शन प्रपेक्षित

- (i) रेल इंजीनियरी सेवा
- (ii) सेवा इंजीनियरी सेवा
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (भडक)
- (iv) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा
- (v) संचार श्रद्धिकारी भ्र 'क' नागर विभान विभाग
- (vi) तकनीकी श्रद्धिकारी भ्र 'क' नागर विभान विभाग
- (vii) महायक कारखाना प्रबंधक (कारखाना) (डाक-नार) दूर  
संचार कारखाना संगठन।
- (viii) भीमा सहक इंजीनियरी सेवा मुप 'क'

तकनीकी सेवाएँ या पद जिनके लिए निम्न ग्रेड का वर्ण दर्शन अनेकित है।—

- (i) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- (ii) केन्द्रीय वैश्वन तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा,
- (iii) भारतीय नी मेना आयोग सेवा का ग्रेड II
- (iv) भारतीय आयोग कारब्राना सेवा
- (v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
- (vi) महायक कार्यकारी अधिकारी (सिविल स्थान वैश्वन), यूप 'क' (डाक नार मिलिल इंजीनियरी स्कंध), कलास I, डाकनार
- (vii) महायक स्टेशन इंजीनियर, यूप 'क', आकाशवाणी
- (viii) इंजीनियर, यूप 'क' बेतार आयोजन और समन्वय स्कंध, अनुश्रूति संगठन।
- (ix) उप प्रशासी इंजीनियर यूप 'क', समुद्र पार संचार सेवा
- (x) महायक इंजीनियर मिलिल, वैश्वन, दूर संचार और इलेक्ट्रो-नियोगी यूप 'ख', आकाशवाणी
- (xi) महायक इंजीनियर (सिविल और वैश्वन) यूप 'ख' (डाक-नार मिलिल इंजीनियरी स्कंध)
- (xii) महायक इंजीनियर यूप 'ख' समुद्र पार संचार सेवा
- (xiii) तकनीकी महायक यूप 'ख' (आरजपक्षित), समुद्रपार संचार सेवा

लाल, हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से भौतिक-आहट के बिना पहचान नेना सत्तोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इण्हारा की लेटों तथा एडरिजनीन की नैटन दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

**नोट (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)**—सभी सेवाओं के लिए सम्मूख्य विधि आग दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नीतिजा प्रस्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिमापी (पैरो-मीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

**नोट (4)—रत्तौधी (नाइट ब्लाइन्सेम)**—केवल विशेष मामलों को छोड़ कर रत्तौधी की जांच नेमी रूप से जल्दी नहीं है। रत्तौधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को श्री ऐसे काम चलाउ टेस्ट कर नेने चाहिए जैसे रोगी कम करके या उम्मीदवार को अधिकरे करने में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उसमें विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही अमेसा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

**नोट (5)—केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा** हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रत्तौधी सम्बन्धी परीक्षण पास करना होगा।

**नोट (6)—दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की वर्णाएँ (आक्यलर कंडीशन्स)**।

(क) आंख की अग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ी हुई अपवर्तन-कृषि (निफेक्टिय एरर), को जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की समझना हो, अयोग्यता का कारण भमजना चाहिए।

(ख) भैंगान—ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहां दोनों आंखों की दृष्टि को होना जरूरी है, भैंगान अयोग्यता माना जाएगा जाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार ही तो अन्य सेवाओं तु भैंगान अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख बाला वर्णित है या उसकी एक आंख की दृष्टि मामान्य है तो इसी आंख की दृष्टि कमज़ोर है या उसकी दृष्टि उप-यामान्य है तो इसका महज प्रभाव यह होता है कि गहनता अवगम के लिए उसके पास त्रिविम दृष्टि की कमी है। कहा मिलिन पश्चों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वत्त्व होने की अनुशंसा कर मकता है बल्कि उसकी मामान्य आंख।

- (i) की जगमा लगाकर या चम्पे के बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि जे [ है वर्णों कि किसी मेरीशन में दूर दृष्टि सम्बन्धी आंख 4 डायोप्ट्रिक से अधिक न हो।
- (ii) का दृष्टि-सेन्ट्रल पूर्ण हो,
- (iii) आवश्यकतानुमार मामान्य वर्ण वर्णन।

किन्तु बोर्ड मन्तुष्ट हो कि उम्मीदवार मन्दर्भगत कार्यविशेष में संवधित सभी कार्याई कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पश्चों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिये दृष्टि की तीक्ष्णता का विधिल किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

**नोट (7)—फार्मेट लैंप—चिकित्सा परीक्षा** के दीशन उम्मीदवार को कार्नेट लैंप प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

**नोट (8)—प्रावस्थक** है कि आंख का परीक्षण करने समय दूर की दृष्टि के लिए ठाईप्र अधरों की प्रदीधि 1.5 फुट कैन्टिल की प्रदीधि जैसी हो।

**नोट (9)—मरकार** किसी भी उम्मीदवार के पश्च में विशेष कारण-वज्र किसी भी जांच में घूट दे सकती है।

#### 7 रक्त दाढ़ (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के मवत्र में बोर्ड ग्राने निर्देश से कान लेगा। नामंल मेडिनीम प्रिस्टिलिन प्रेशर के आकलन को काम जनक विधि तिन प्रकार है—

- (i) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में भौपर ब्लड प्रेशर लगभग 100+प्रायु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+प्रायी आयु का मामान्य नियम बिन्कुल सत्तोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें:—मामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर सिस्टानिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टानिक प्रेशर को सदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार की आंखोंग या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अनिम गांव देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार की अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि ब्लडहॉट (एक्साइसेंट) आंख के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (प्रार्गेनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्सरे और इलेक्ट्रोकार्डिओग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकाल (किल्डरेन) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। किर भी उम्मीदवार के योग्य होने वाले न होने में अनिम फैला केवल बोर्ड ही करेगा।

**ब्लड प्रेशर (रक्त दाढ़)** नेने का नीकी।

**नियमत:** वाने दावमार्ग (मर्करी मैनीमीटर) किस्म का ऊपरकर 'इस्ट्रॉमेंट' इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या घबराहट के बाव पन्डह मिनट तक रक्त दाढ़ नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो वर्णों कि वह और विशेषकर उम्मीदवार की आंख और आराम से हो। बाह थोड़ी-बहुत हारिंटेल म्यूनिं में रोगी के पास्पर्ब पर ही तथा उसके कन्धे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ नें से पूरी तरह हवा

निकाल कर बीच की रबड़ को भूजा के अस्वर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो ईंध उपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर गमान स्प रो लपेटना चाहिए ताकि इवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर आहर को न निकले।

कोहनी के भोड़ पर बाहु धमनी (अंकित्रन आर्टरी) को दबा-दबा कर कुछ जाना है और तब इसके ऊपर बीच स्टेट्युस्कोप को हल्के से लगाया जाना है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसमें बाद इसमें से धीरे धीरे इसके हवा निकाली जाती है। हूँकी अमिक छवियाँ सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे था कालम टिका होता है वह गिल्स्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज छवियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर से साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली छवियाँ हूँकी वक्त तुर्ही सी लुप्त प्राय हो जाएं यह डायस्टालिक प्रेशर है। लड़ प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही से लेना जाहिए, क्योंकि कफ के लम्बे उमय का बबाल रोगी के लिये कोमाकरक होता है और इसमें रीडिंग गलत होता है। यदि थोवारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी कभी (कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर छवियाँ सुनाई पड़ती हैं; वाथ गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट नेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक को उपस्थिति में किए गए मूँछ की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड की किसी उम्मीदवार के मूँछ में रासायनिक जांच हारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मष्टमेह (आयविटीज) के बातक बिल्ह और लक्षणों का भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टेंड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधूमेही (नान डायबिटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसिन के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास सेजेगा जिसके पास अग्रतात्म और प्रयोगशाला मुकियाएँ हों। मेडिकल विशेषज्ञ मेनेजर्ड ब्लड शूगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी किलिनिकल या नेंबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा त्रिम पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होनी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के मामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं लगता। औषधि के प्रभाव को ममाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देवरेख में रखा जाए।

8 (क) यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हाते या उसमें अठिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से नव तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए। जब तक कि उसका प्रमुख पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रमुखी, की तारीख के 6 हपते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

9 निम्नस्थिति अनिवार्य आतों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार वो दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की खगड़ी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ हारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खगड़ी का इमाज गल्व किया (प्राप्तेशन) या हिस्ट्रिंग गेंड के हमेसाल में हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अधोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बातें कि कान की बीमारी बढ़ने लाली नहीं। यह उपबंध भागीदार रेल भंडार सेवा के आलावा अन्य रेल सेवाओं, सेवा इंजीनियरी सेवा, भारतीय और संचार सेवा ग्रुप के तार पातायात सेवा

प्रुप के केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' पर लगू तरी है। चिकित्सा परीक्षा प्रामिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जननार्थी दी गयी है।—

(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण यदि हायर फोर्केमी में बहरापन बहरापन दूसरा कान सामान्य 30 डेमीवल तक हो तो गैर-होगा तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।

(2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष यदि 1000 से 4000 तक की बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (डिएरिंग स्पीचफिकेमी) में बहरापन 30 एड डारा सुधार गंभीर हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।

(3) सैट्टस अथवा मार्जिनल टाइप के टिपेनिक मेम्बरेन का छिप्र

(1) एक कान सामान्य हो इससे कान में टिपेनिक मेम्बरेन का छिप्र हो तो अस्थायी आधार पर ग्रयोग्य।

कान की शर्य अकित्सा से स्थिति सुधारने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिप्र वाले उम्मीदवारों की अस्थायी रूप से अधोग्य घोषित करके उस पर नीचे लिए गये नियम 4

(i) के अधीन विचार किया जा सकता है।'

(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिप्र होने पर आयोग्य।

(iii) दोनों कानों में सेम्ट्स लिप्र होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।

(4) कान के एक और/दोनों और मेस्टायड केबिटी के मध्य नामन श्रवण।

(i) किसी एक कान के सामान्य स्प से एक और मेस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो तो दूसरे कान में भवनामंडल श्रवण वाले कान/नेस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।

(ii) दोनों और से मस्टायड केबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा विना लगाए सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिए योग्य।

(5) बड़े रडने वाला कान आरेशन किया गया /विना आपेशन वाला प्रकार के कानों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य।

(6) नेपार्ट को दृढ़ी भवन्धनी विष-मत्राओं (बौनी डिकामिटी) गैर-इन्स्ट्रुमेंट तारों द्वारा तार की जीवी प्रशाहक/एनजिकेशन।

(i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुभाव नियंत्रण निया जाएगा।

- (7) टॉमसिलम और/या कंठ की जीण  
प्रवाहक दशाएँ।
- (8) कान, नाक, गले (ई० एन०  
टी०) के हड्डेके प्रथम स्पष्टने  
स्थान पर मैलिंगस्टैट दर्शन।
- (9) आप्रामाणिक्लेरोसिग
- (10) कान, नाक अथवा गले के  
जन्मजात दोष।
- (11) मेजल पोली
- (ख) वह बिना रुकावट थोल सेता/लेसी है।
- (ग) उसके दाल अच्छी हाल में हैं या नहीं, और अच्छी तरह<sup>1</sup>  
चबाने के लिए जड़ी होने पर नकली दाल लगे हैं या नहीं।  
(अच्छी तरह भरे शर्तों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती काफी फैलनी  
है तथा उसका विल या फेफड़े ठीक है।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी या नहीं।
- (च) उसे रग्बर है या नहीं।
- (छ) उसे हाइड्रोसील, स्फीत गिरा या धब्बासीर तो नहीं है।
- (ज) उसके छांगों, छांयों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा  
है और उसकी चिह्नियां जनी भूति स्वतंत्र रूप से फ़िलमी  
हैं।
- (झ) उसके कोई चिरस्थायी बच्चा की बीमारी नहीं है।
- (झ) कोई जन्मजात कुरचना या ढोर नहीं है।
- (ट) उसके किसी जग या जीण बीमारी के निशान नहीं जिनमें  
कमज़ोर गठन का पता लगे।
- (ठ) उसके शरीर पर कारगर टाके के निशान हैं।
- (उ) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिकेल) रोग नहीं है।

10. दिल और केफ़ड़ों की किसी ऐसी अपमान्यना का पता लगाने  
के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जात न हो, सभी मामलों में  
जेंडी रूप से छाती की एक्सरे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए।  
मेडिकल परीक्षक की अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा  
इष्टी के प्रतिक्रिया दर्शाता पूर्वक तिष्ठावन में हन्से बाला पहने की संभावना  
है या नहीं।

नोट.—उम्मीदवारों को जेंडी रूप से छाती की जानी चाहिए कि उपर्युक्त मेवाओं के  
लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल  
या एंट्रेजिंग मेडिकल थोर्ड के बिलाफ उन्हें अपील करने के लिए  
कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रधान थोर्ड की जांच  
में नियंत्रण की गलती की संभावना के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए  
प्रमाण के बारे में नकली हो जाए तो सरकार दूसरे थोर्ड के

मामले एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीद  
वार को प्रथम मेडिकल थोर्ड द्वारा निर्णय लेने की तरीके  
में एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए, बरना दूसरे मेडिकल  
थोर्ड के मामले अपील करने की प्रारंभना पर विचार नहीं किया  
जाएगा।

यदि प्रथम थोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण  
के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण पत्र पेश करे तो इस प्रमाणपत्र  
पर उम्मीदवार में विचार नहीं किया जाएगा जबकि इसमें संबंधित मेडिकल  
प्रकटीशनर को इस आवाय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस  
तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बावजूद ही विद्या गया है कि उम्मीदवार पहले से ही  
मेवाओं के लिए मेडिकल थोर्ड द्वारा अत्योग्य घोषण करके अस्वीकार किया  
जा रहा हो।

#### मेडिकल थोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए नियुक्तिवित सूचना दी जाती

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाएं जाने वाले स्टडर्ड  
में संबंधित उम्मीदवार की आयु और शेवाकाल यदि कोई हो के लिए  
उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक मर्डिस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त  
नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में यथात्थिति सरकार या नियुक्ति  
प्राधिकारी (आपाइंटिंग अथरिटी) को यह नमल्ली नहीं हो जाती कि  
उसे ऐसी कोई बीमारी, रुक्ना सबंधी श्रौत या शारीरिक दुर्बलता (आडिली  
डनफर्मिटी) नहीं है जिस से वह उम्मीदवार के लिए अत्योग्य हो गया हो।  
या उसके अत्योग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ नेती चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न अविष्य में भी  
उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान में है और मेडिकल परीक्षा का एक  
मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी तियुक्ति  
के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय, पूर्व पेशन या  
अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही  
प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार  
को अस्वीकृत करने की सलाह इस ज्ञान में नहीं ही जानी चाहिए। जबकि  
उसमें कोई ऐसा वोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर  
कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो। महिला उम्मीदवार की परीक्षा  
के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल थोर्ड के सदस्य के रूप में सह-  
योगित किया जाएगा। मेडिकल थोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना  
चाहिए। ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में  
नियुक्ति के लिए अत्योग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके  
अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बनाए जा सकते हैं।  
किन्तु मेडिकल थोर्ड ने जो खराकी बनाई हो उनका विस्तृत और नहीं  
दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहा मेडिकल थोर्ड का यह विचार हो कि  
सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार की अत्योग्य बनाने वाली छोटी मोटी  
खराकी चिकित्सा (मेडिकल या मर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ  
मेडिकल थोर्ड द्वारा इस आवाय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।  
नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को थोर्ड की जांच सुनित  
किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराकी दूर हो जाए तो  
संबद्ध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल थोर्ड के मामले उस व्यक्ति को उप-  
स्थित होने के लिए कह सकता है।

उन उम्मीदवारों के मामले में जो (अत्याधीनी तौर) पर अत्योग्य घोषित  
किए गए हैं, उनकी दूसरे मेडिकल थोर्ड द्वारा दृष्टांग जांच अधिक से  
अधिक छ: महीने की अवधि के अन्दर अवश्य पूरी की जानी चाहिए,  
वशांत कि उम्मीदवार ने परिशिष्ट--[[ उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा  
के बारे में विनियम के पैरा 10 के नीचे के नोट में उल्लिखित उपबन्ध  
का पालन किया है। दूसरे मेडिकल थोर्ड द्वारा जब दृष्टांग जांच की

जाए तो उम्मीदवारों की पुनः अस्थायी तौर पर श्रयोग्य घोषित न करके नियुक्ति के लिए ये योग्य हैं अत्यवा अयोग्य हैं ऐसा निर्णय प्रतिम रूप से किया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा।

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उसके माध्यम से उम्मीदवारों को अपनी अधिकारी की विवरण देना चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित जेनावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकृषित किया जाता है :—

2. अपना पूरा नाम लिखें .....  
(साफ अक्षरों में)
1. अपनी आय और जन्म स्थान लिखें .....  
.....
2. क्या आप ऐसी जाति जैसे गोरखा, गढ़वाली, अमरी, नागार्जुन अदिवासी आदि में से किसी में सम्बन्धित हैं जिनका श्रीमत कद स्पष्ट है? दूसरी से कम होता है। “हाँ” या “नहीं” में उनके दीजिए।
3. (क) क्या आपको कभी चेक, स्कॉफ कर होने वाला या कोई दूसरा दुखार, ग्रेडियो (ग्रेडम) का बड़ना या इनमें विप पड़ना थूक में खून आना, दमा, बिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के लौरे, रिहामेटिअम, एपेंडिसाइटिस हुआ है?
- (ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शर्करा पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या मर्जिकल इवाज किया गया हो, हुई है?
4. आपको चेक आदि का टीका पिछली बार कब लगा था?
5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किसी की अश्वीगता (नर्वसनेस) हुई है?
6. आपने परिवार के सदृश्य में निम्नलिखित बोर्ड दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आय और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय हों सो उनकी पिता की आय और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई आपके जीवित हैं, उनकी भाइयों की मृत्यु हो आय और स्वास्थ्य जुकी है उनकी मृत्यु की अवस्था का कारण	कितने भाइयों की मृत्यु हो आय और मृत्यु का कारण
1	2	3	4

यदि माता जीवित हों तो उनकी आय और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी वक्तव्य मृत्यु की मृत्यु हो आय और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी वक्तव्य मृत्यु हो आय और मृत्यु का कारण
5	6	7

8. क्या इसके पश्चात किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

9. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर “हाँ” में हो तो बताइए, किस भेद [किन सेवाओं/पद (पदा)] के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?

10. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम न हो ?

मैं योग्यता करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विष्वाम है, ऊपर दिए गए सभी जवाब मही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर —————

मेरे सामने हस्ताक्षर किए —————

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर —————

नोट.—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगा। जानवराकर किसी सूचना को लिपिनाम से वह नियुक्ति खो देंठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियक हो भी जाए तो वार्षिक निशुल्ति भत्ता (सुपरान्नएशन अलाउंस) या भानुतोषिक (ब्रेक्सीटी) के सभी दावों से हाय छो देनें।

(ब) (उम्मीदवार का नाम )  
की शारीरिक परीक्षा से सम्बन्ध मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास—शर्करा—कम	—माध्यम—	—माध्यम—
पोषण : पतला—	—औमन—	—मोटा—
कव (जूने उतार कर)	—वजन—	
अत्युत्तम वजन	—कम था—	
वजन में काई हाल ही में हुआ परिवर्तन—		
तापमान		

छाती का धेर		
(1) पूरा सांस छीचने पर		
(2) पूरा सांस निकालने पर		
2. खचा	कोई प्रत्यक्ष वीमारी	
3. नेत्रः—		
(1) कोई वीमारी		
(2) रत्तोष्टी		
(3) बर्ण दर्शन सम्बन्धी वौय		
(4) वृष्टि थेव (फील ड आफ विजन)		
(5) वृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)		
(6) फेडर की जांच		
वृष्टि की तीक्ष्णता	बम्बे के बिना	बम्बे के माथ
	स्की० मिथि० एक्सेम०	
दूर की नजर	दा० न० बा० न०	
पास की नजर	दा० न० बा० न०	
हाईपरमेट्रोपिया	दा० न० बा० न०	
4. कान . निरीक्षण	सुनना	
वायां कान	वायां कान	
5. ग्रंथियाँ	धाइराहड	
6. दांतों की हालत		
7. ब्यासन तंत्र (रेसपिरेटरी मिस्टम) —क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के ब्रांगों में किसी अपमामान्यता का प्रमाण चला है— यदि हाँ, तो उसका पूरा व्यौरा दे—		
8. परिसंचरण तंत्र (सक्यूलिटरी मिस्टम) —		
(क) हृत्य : कोई आणिक विभात (ओर्गेनिक लीजन) — वेग (रेट) — खड़े होने पर — 25 बार फुटकर के बाबत —		
फुटकरने के 1 मिनट बाद —		
(ख) बल्ड प्रैशर — सिस्टालिक डायस्टालिक		
9. उद्वर (पेट) — घेर — स्पर्श-सहजाता (टेक्स्ट्रेसेम) — हर्निया —		
(क) स्पर्श यक्षत — निलम्बी — गुदे — दयूमर —		
(ख) रक्तनार्थ — भांडर —		
10. नात्रिक तंत्र (नर्वस मिस्टम) नात्रिक या मात्रिक अवक्षता का संकेत		

11. चलन तंत्र (लोकोमोटिव मिस्टम), कोई अपमामान्यता
12. जनन मूल तंत्र (जेनिटा युरिनरीमिस्टम) डायूसील अधिकामील प्रादि का कोई संकेत। मूत्र विश्लेषण :
- (क) कैसा विश्वार्द पड़ता है
  - (ख) विशिष्ट गुम्बच (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
  - (ग) ऐल्ब्रेमेन
  - (घ) शक्कर
  - (क) कास्ट
  - (च) कोशिकाएं (मेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिसमें वह उस सेवा से सम्बद्ध, जिसका वह उम्मीदवार है, इन्हीं फौ दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट:—यदि उम्मीदवार कोई भद्दिला है और वह 12 घण्टाह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो, उसे विशिष्ट 8 (क) के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं से सम्बद्ध ड्यूटी के दक्षतापूर्वक तथा सामानार निष्पाप्त के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है? क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है?

नोट.—बोहं को अपना निकार्य निम्नलिखित भीन बर्ग में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) योग्य (फिट) —
- (ii) — के कारण अयोग्य (गत-फिट)।
- (iii) — के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य।

स्थान —

तारीख —

माध्यम —

मदर्द्य —

### परिणिष्ठ III

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है।

1. भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा भारतीय रेल वैश्वत इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल भिन्नता इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल यात्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भार सेवा।

(i) तीन वर्ष की अवधि के लिए नियुक्तिया परीक्षा के आधार पर हापी जिसके द्वारा अधिकारियों की रोबा किसी भी तरफ से तीन महीने का नोटिस मिलने पर समाप्त की जा सकेगी। परिवीक्षारीन अधिकारियों को पहले दो वर्ष प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। जो इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे तथा अन्यथा उपयुक्त पाए जाएंगे, किसी कार्यकारी पद के प्रभारी बना दिया जाएगा बासर्स कि उन्होंने तिर्फान्त विभागीय परीक्षा नथा अग्रणीय उत्तीर्ण कर ली जाए वर्धाकारिक आपादिक परिस्थितियों को छोड़कर उन्हें उत्तीर्ण करने

का दूसरा अवमर नहीं दिया जाएगा। उमन कोई परीक्षा उत्तीर्ण न कर पाने पर सेवा समाप्त की जा सकती है परं बेतन बृद्धि हर हालत में रोक ली जाएगी।

कार्यकारी पद पर एक वर्ष की समाप्ति पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को असिम परीक्षा—प्रायोगिक तथा मैट्रिकल दोनों रूप में उत्तीर्ण बर्नी होंगी और यह वे नियुक्ति के लिए गवर्नर नगर से योग्य हुए, तो उन्हें नियमत ही स्थायी बना दिया जाएगा। जब विसी कारणवश परिवीक्षा की अवधि बढ़ा दी जाए तो विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने और स्थायी बना दिया जाने पर प्रथम तथा बाद की वेसनबृद्धियां समय समय अर्थ सागृ नियमों व आदेशों के अनुसार प्राप्त की जाएंगी।

यदि परिवीक्षाधीन काई अधिकारी किसी ऐसे कारणवश जिस पर उमरा काढ़ हो प्रशिक्षण या परिवीक्षा स अपने आपको वापस भे लेना चाहता है तो उमको प्रशिक्षण की पूरी लागत तथा परिवीक्षा की अवधि के बोरान दिया गया अन्य सभी भूमा-पैमा थाप्य लौटाना होगा।

नोट (i) —कार्यकारी पद पर प्रशिक्षण की अवधि तथा परिवीक्षा की अवधि मरकार की इच्छा पर घटाई-बढ़ाई जा सकती है। जब विसी मामले में प्रशिक्षण गन्तोषजनक रूप में पूरा न हो सकने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो उमी के अनुच्छेद परिवीक्षा की पूर्ण अवधि भी बढ़ जाएगी।

नोट (ii)—परिवीक्षाधीन अधिकारियों का रैल रटाप कानिज, बड़ोदा में भी प्रशिक्षण पाना होगा। स्टाप कानिज में प्रशिक्षण अनिवार्य है और आपराधिक यारियांनियों को छोड़कर तथा हास शर्ट पर कि अधिकारी का खिलाड़ किए हैं कि उसे छूट दे दी जाए अनुत्तीर्ण रहने पर दोषारा अवमर नहीं दिया जाएगा। प्रशिक्षण स उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। जब तक प्रशिक्षारी परीक्षण में उत्तीर्ण नहीं हो जाता उसे किसी भी हालत में स्थायी नहीं किया जा सकता और उसके प्रशिक्षण और/या परिवीक्षा की अवधि अनिवार्यत बढ़ाई जाती रहेगी।

नोट (iii)—रैल में निगल इजीनियरों का भारतीय रैल रोवा में जहा दूर सचार के विशिष्ट पद है किसी भी मामले में दूर सचार में छठ मार का अतिरिक्त प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

(2) (क) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को कही और नियुक्ति हेतु आवेदन करने या अन्य मंत्रालयों में भर्ती हेतु परीक्षा या अयन में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ख) जब रेल मंत्रा में उनके आवेदन से पहले परिवीक्षाधीन अधिकारी सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षाओं में पहले ही सम्मिलित हो चुके हों तथा रेल मंत्रालय के अलावा अन्य मंत्रालयों में नियुक्ति हतु अंत ता प्राप्त कर चुके हों तब रेल मंत्रालयों से उन्हें मुक्त करने के प्रणत पर तभी विचार किया जाएगा जब वे प्रशिक्षण की लागत तथा परिवीक्षा की अवधि के बोरान उन्हें दिए गए अन्य धन को बर्खुत कार्य भार सुरक्ष होने से पहले नकद रूप में लौटाने के लिए रैपार हो।

(3) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को अनुमादित स्तर की हिरदी परीक्षा देवनागरी लिपि में पहले ही उत्तीर्ण कर ली जाएगी यी या उन्हें परिवीक्षा की अवधि के बोरान इकाको उत्तीर्ण कर लेना चाहिए। यह परीक्षा या तो शिक्षा निवेदालय दिल्ली प्रशासन द्वारा ली जा रही “प्रबीण” परीक्षा हो या केन्द्रीय गवर्नर द्वारा सान्यताप्राप्त समक्ष परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा हो।

जब कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ण नहीं करता है तब तक वह स्थायी नहीं किया जाएगा या इस समय बेतनमान में उसका बेतन ₹० ५५० प्र० मार० नहीं बढ़ाया जाएगा और ऐसा न कर पाने पर उसका सवाल् गमाप्त की जा गती है। इस गमाप्त में कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(4) इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती हुए अधिकारी—

(क) पेशन लाभ के अधिकारी होंगे, और

(ख) जैसा कि रेल कर्मचारियों पर लागू है गज्य रैल (गैर-अनुमादित) भविष्य निधि के नियमों के अधीन इस निधि में अनिवार्यत अशादान करेंगे।

(5) बेतन सेवा आरम्भ करने की तारीख में देय होगा। बेतन बृद्धि हेतु सेवा भी उसी तारीख में गिरी जाएगी। बेतन से मध्यवित विवरण उप-पैग (8) में उल्लिखित है।

(6) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए अधिकारी इस समय आगृ नियमों जो कि भारतीय भेलों के अधिकारियों पर लागू हैं, के अनुमार अवकाश के हकदार होंगे।

(7) अधिकारी साधारणतया भवा भर के लिए उसी रेलवे में नियोजित किए जाएंगे जिसमें उनकी पहली नियुक्ति हुई है और वे किसी दूसरी रेलवे में स्थानान्तरण का वाला अधिकार के रूप में नहीं करेंगे। किन्तु सरकार को अधिकार द्वारा देया कि इन अधिकारियों को सेवा की अपेक्षाओं के अनुमार भारत में या भारत के बाहर दूसरी रेलवे या परियाजना पर स्थानान्तरित कर द। रेलवे इजीनियरी सेवा (मिलन, बैचुत, यांकिक तथा मिगल) में नियुक्त अधिकारियों को आवश्यकता पड़ने पर भारतीय रेल भड़ार सेवा में कार्य करना होगा।

(8) बेतन का प्राप्त दरे निम्न प्रकार है—

कनिष्ठ बेतनमान ₹० ७००-४०-९००-८० रा०-४०-११००-५०-१३००।

वरिष्ठ बेतनमान ₹० ११०० (छठा वर्ष या कम)-५०-१६००।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड ₹० १५००-६०-१८००-१००-२०००।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (i) २२५०-१२५/२-२५००।

(ii) २५००-१२५/२-२७५०।

टिप्पणी—(1) परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ बेतनमान के न्यूताम से पुर्ण करने तथा बेतनबृद्धि हेतु अपनी सेवा को कार्यालय करने की तारीख से गिरेंगे। किन्तु इससे पहले कि उनका बेतन समय बेतनमान में ₹० ७४०/- से बढ़कर ₹८००/- प्र० मार० हो सके उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा (ए) उत्तीर्ण करनी होगी।

प्रशिक्षण तथा परिवीक्षा की अवधि के पहले दो वर्ष के अन्दर यदि वे विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाएंगे तो उनकी ₹० ७४०/- से ८००/- तक बेतनबृद्धि नहीं की जाएगी। उन मामलों में जहा विनिदिष्ट अवधि के अन्दर मधी विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न कर पाने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ानी पड़ी हो प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने के बाव उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका बेतन जिस तारीख को पिछली परीक्षा समाप्त हो, उसके बाद की तारीख से उक्त समय बेतनमान में उस अवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेने। किन्तु उन्हें बेतन का बकाया नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में भविष्यत बेतनबृद्धियों की तारीख अप्रभावित रहेंगी।

नोट—जिस मरकारी कर्मचारी ने परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा कोई स्थायी पद मूल रूप से शारित किया हो, उसका बेतन नियम २०१४ ए [एफ० आर० ३२-वी (१)] आर० II के उपव्यों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(१) बेतनबृद्धि उप-पैग (८) के अधीन नोट (१) के उप-पैग के अधीन केवल प्रशासनिक सेवा हैं, और विभाग के नियमों के अनुगार दी जाएगी।

(10) इस प्रतिशोधिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को जरूरत पड़ने पर भारत की रक्षा से संबद्ध प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई हो सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ख) माध्यरात्रि 45 वर्ष आय हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(11) प्रशासनिक घोड़ों में पश्चिमतायां संस्थीकृत स्थापना में रिक्तियां के होने पर निर्भर होंगी तथा पूरी तरह चयन द्वारा की जाएंगी केवल वरिष्ठता के आधार पर इस तरह की पदोन्नति के लिए दावा नहीं किया जाता है ।

(12) जिन भास्तों का इसमें विशिष्टतया उल्लेख नहीं है उन सभी में परिकीभाधीन अधिकारियों पर समय-समय पर संशोधित भारतीय रेल संस्थान के उपर्यंत तथा सभी प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए प्रभावी आवेदन लागू होंगे ।

(13) भारतीय-रेल-इंजीनियर-सेवा, भारतीय रेल बैचूत इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल मिग्नल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल यात्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा में नियुक्त अधिकारियों से सबधित कर्त्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप ।

#### भारतीय रेल-इंजीनियर-सेवा

रेलवे इंजीनियर प्रभुवत् अपने प्रभाव के अधीन आने वाले सभी वे एष्ट वर्क्स तथा साथ में पुलों की सुरक्षा व अनुरक्षण करने के लिए जिम्मेवार हैं जिसके लिए उसे पूरे सब-डिवीजन में आवश्यक निरीक्षण, करने पड़ते हैं । वह प्रस्तावों की यथार्थता तथा दुरुस्ती, योजनाओं तथा आकलनों, विस्तृत आयोजन, निर्माणों की गुणवत्ता तथा प्रगति और साथ में उनकी माप, भड़ारों का संत्यापन और श्रमिकों का प्रबल तथा उनकी ममता-उम्मार अवधारणी के लिए भी जिम्मेवार है । उसको अपने सब-डिवीजन हेतु ब्रजट असाठमेट के परिषेध में व्यय पर नियंत्रण रखना पड़ता है ।

#### भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर-सेवा

भारतीय रेलवे के यात्रिक इंजीनियरों की निम्नलिखित श्रेणियों में किसी एक में हीनात हो जाने पर कार्यकारी कर्त्तव्य निभाने पड़ते हैं —

(क) ओपिन लाइन (जोनल) रेलमार्गों पर कार्यकारी कर्त्तव्य जिनमें रोलिंग स्टाक का कुशल प्रबल/उपयोग/मरम्मत और अनुरक्षण लाकोमोटिव्स/कोचों/बैगों/रेल कारों/इंसों आदि का चालू रखना, मरम्मत तथा पुनरुद्धार करना सम्मिलित है ।

(ख) निम्नलिखित में कर्मशाला सम्बंधी प्रबंध—

(i) जोनल रेलवे रियर वर्कशाप

(ii) रेल भंडारालय के अधीन उत्पादन एफक

कर्त्तव्यों में उत्पादन/कर्मशाला प्रबंध अलग-अलग सम्या में श्रमिकों का नियोजन/पूँजी निवेश/मुक्तियाएँ आदि जो कि सोचे गए काय के स्वरूप के अनुरूप हो सम्मिलित है ।

(ग) अनुसधान/अभिकल्पनाएँ/मातकीकरण संबंधी कर्त्तव्य (आर० डी० एस० ओ०) और

(घ) कार्यकारी/तकनीकी कर्त्तव्य (रेलवे बोर्ड) जिनके लिए रेलवे बोर्ड और अनुसधान अभिकल्पन य गानक र्सेग्टन के पारे पर चुने गए अधिकारियों में अभिकल्पना के लिए आवश्यक स्थान

की जरूरत पड़े सथा जो उक्त क्षेत्र की सेवा के अनुभव से पुष्ट हो । ये कर्त्तव्य तकनीकी/कार्यकारी और तकनीकी अधिकल्पना तथा विकास मानकीकरण आदि से संबद्ध हैं । इनमें उत्पादन एककों वितरण लोकोमोटिव वस्तर/हीजल लोकोमोटिव वस्तर/इन्टीग्रल कोच फैक्टरी) में कार्य कर गए अभिकल्पना तथा विकास कोष्टों में विद्यमान पद/व्यक्ति सम्मिलित हैं ।

बैचूत इंजीनियरों की भारतीय रेल-सेवा

(i) उनके नियंत्रण मे रेले गए श्रमिक तथा पर्यवेक्षीय कर्मचारियों का नियंत्रण और प्रबंध तथा साथ में जन शक्ति के आयोजन व विकास में महायता ।

(ii) रेलों के दिनोंदिन कुपल चालन के लिए रेलवे में अंतर्विभागीय सम्बन्ध ।

(iii) 25 के० बी० ए० सी०/1.5 के० बी० डी० सी० इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स और इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (जमीन के नीचे तथा जमीन पर—बोनों तरह के) की अभिकल्पना व विनिर्माण ।

(iv) बैचूत तथा कर्बन उपस्करों जैसे कर्बन मोटर, स्मूचिंग रिएक्टर कान्टेक्टर आदि की अभिकल्पना तथा विनिर्माण ।

(v) बैचूतीकरण तथा परिचालन 25 के० बी०/ए० सी० तथा 1.5 के० बी०/डी० सी० कर्बन वितरण उपस्कर, एसोसिएटिड भव-स्टेशन, स्विचिंग स्टेशन, स्वर नियंत्रण उपस्कर आदि का अनुरक्षण तथा पुनरुद्धार ।

(vi) एस० टी० तथा एच० टी० वालटेज पर बैचूत का प्रजनन, संचारण तथा वितरण और बैचूत गृहों की स्थापना ।

(vii) इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स और इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स का परिचालन रेल रखाव तथा पुनरुद्धार ।

(viii) हाउस वार्फरिंग, स्ट्रीट लाइटिंग यार्ड, स्लेनन बिल्डिंग या अन्य मरकारी बिल्डिंगों या इलाके की, जिसका रेलवे द्वारा बिचूती-करण किया जाना है, लाइटिंग का संस्थापन तथा रख-रखाव ।

(ix) ट्रेन लाइटिंग वानानुकूलन उपस्करों और कोची, इंजिन हेडलाइट्स का रख-रखाव ।

(x) मरकारी भवनों पर ए० सी० उपस्करों का रख-रखाव तथा पुनरुद्धार ।

(xi) रेलवे के लिए अपेक्षित बैचूत उपस्करों का अनुसंधान तथा विकास ।

(xii) मरकारी भवनों द्वारा रख-रखाव तथा स्थापना और कर्मशाला तथा उत्पादन एककों में इलेक्ट्रिक भेंट्स की रूप रेखा तैयार करना ।

(xiii) कुल मिलाकर इन परीक्षा के माध्यम से भर्ती हुए अधिकारों रेलों में बैचूत इंजीनियरी के कुशल अनुप्रयोग के लिए जिम्मेदार हैं ।

(xiv) रेल प्रशासन द्वारा सौपा गया कोई अन्य कार्य ।

सिग्नल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा

#### 1. विभाग का कार्य

रेलों का मिग्नल व दूर सपार विभाग निम्नलिखित का संस्थापन तथा रख-रखाव करने का जिम्मेदार है—

1.1 गाड़ी चालन की सुरक्षा हेतु सिग्नल संबंधी उपस्कर और गाड़ी चालन में लचीलापन रखना तथा सेवान संबंधी क्षमता बढ़ाना ।

1.2 प्रेशासनिक प्रयोजनों के लिए तथा किसी एक रेलवे या डिवीजन के अंतर गाड़ियों के आने-जाने का लगातार अनुश्रूतण हो यहके इसके लिए रेलवे बोर्ड, अंतर्नाम हैड-फ्लाटर्स, डिवीजनम हैडक्वाटर्स तथा रेल पारिवाहन के अन्य प्रमुख केंद्रों के बीच मंचार संबंध स्थापित करने वेतु मंचार उपस्कर।

## 2 मिगनल तथा दूर मंचार इंजीनियरों के कर्तव्य

### 2.1 ऐमा निर्माण कार्य जिसमें निम्नलिखित का भव्यापन निहित

विशुद्ध यांत्रिक प्रकार के मिगनल संबंधी उपस्कर में लेकर आधुनिक प्रणाली तक जैसे रूट रिसे इन्टरन लौकिक, ट्रॉकन-लैम ब्लाक वर्किंग मेन्ट्लाइजर ओटोमैटिक ट्रेन कन्ट्रोल आदि जिसमें वैद्युत यांत्रिक वैश्वृत तथा इलेक्ट्रॉनिक प्रविधियां प्रयुक्त हों।

2.1.2 विभिन्न प्रकार के मेन्टल आटोमैटिक तथा ट्रॉक ट्रैकीफोन एक्सचेजों सूक्ष्मतरंग प्रणालियों, बी० एच० एफ० संचार एच० एफ० वायरलेस संचार प्रणालियों, रस्ते के म्टेशनों को कन्ट्रोल आफिस से जोड़ने वाले ट्रेन नियंत्रण प्रणाली आदि का संस्थापन।

### 2.2 मिगनल तथा दूर मंचार संबंधी सभी उपस्कर का अनुरक्षण।

#### भारतीय रेल भंडार सेवा

भारतीय रेल भंडार मेवा के अधिकारी रेल भंडार के प्रशासन तथा नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है—सामग्री प्रबंधक। यह उनका कार्य हीगा कि वे सामान तथा भंडार के मामले में रेल की अवश्यकता का पता लगाएं और इसकी पूर्ति की यथासम्भव सर्वाधिक कुशलता, किफायत तथा शीघ्रता से व्यवस्था करें। वे उस सामग्री की प्राप्ति नियंत्रण तथा विभिन्न डिपों को उसके वितरण के लिए जब तक सामग्री भंडार विभाग के प्रभार में है तब तक उसकी हिफाजत के लिए और रेल के प्राधिकृत अधिकारियों से प्राप्त अधियाचनाओं पर जारी करने के लिए भी जिम्मेदार है।

### 2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

और

#### केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है। परिवीक्षा संतोषजनक रूप में पूरी करने पर यह स्थायी पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थायी करने या कार्य करने पर विभाग किया जाएगा। परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि भरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बढ़ी हुई अवधि ममाप्त हो जाने पर यदि भरकार की यह राय हो कि अधिकारी स्थायी नियोजन/भरकारी के उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बढ़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय भरकार इस बात से मनुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति/भरकारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर भरकार उत्तर अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या जो टीक समझ वह आवेदन पारित कर सकती है।

(ख) इस समय जो स्थिति है वह यह है कि केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' में नियुक्त सभी अधिकारियों के लिए महायक कार्यपालक इंजीनियर के घेंड में पाच वर्ष की सेवा कर लेने के बाद कार्यपालक इंजीनियर के घेंड में पदार्पण के यथोचित अवधर प्राप्त है किन्तु यह यह है कि वे इस पदोन्नति के लिये अन्यथा उपयुक्त पाएं जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंधित किसी प्रधिकार पर वितर्ह गई अवधि (यदि कोई है) महिने कम ग कम ५ वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोत्तम रूप में कार्य नहीं करना होगा और

(ii) माध्यरात्र—४० वर्ष की आयु हो जाने के बाव शुर्वोत्तम रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति दरें निम्न प्रकार हैं—

कनिष्ठ वेतनमान—र० ७००—४०—९००—८००—११००—५०—१३००।

विराट वेतनमान—र० ११०० (इठा वर्ष या कम)—५०—१६००

प्रधामनिक (चयन) पद:

अधीक्षण इंजीनियर—र० १५००—६०—१८००—१००—२०००।

मुख्य इंजीनियर—(i) र० २२५०—१२५/२—२५००।

(ii) र० २५००—१२५/२—२७५०।

इंजीनियर इन चीफ—र० ३०००—१००—३५०० (केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' के लिये)।

नोट—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षीय अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर जुका हो उसका वेतन एफ० आर०+२-२-१(१) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ङ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) और केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (प्रूप क) पदों से संबंधित कार्यों तथा उत्तराधिकारों का स्वरूप।

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक नियोजन विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल नियमियों (केन्द्रीय भरकार के), जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, संलग्न तथा अनुसंदान केन्द्र, औद्योगिक, भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हावाई अड्डे, महामार्ग तथा पुल आदि गम्भीरता है, आयोजन, अधिकल्पन, नियोजन और रस्ता-रस्ताव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहर्दों पर पहुंच जाते हैं।

(ii) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक नियमित विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल नियमियों (केन्द्रीय भरकार के) के, जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, संलग्न तथा अनुसंदान केन्द्र, औद्योगिक, भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हावाई अड्डे, महामार्ग तथा पुल आदि गम्भीरता है, आयोजन, अधिकल्पन, नियोजन और रस्ता-रस्ताव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहर्दों पर पहुंच जाते हैं।

३ भारतीय पूर्ति सेवा—

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि अधिकारी स्थायी नियुक्ति के योग्य भास्त्रे गए तो अपनी नियुक्ति पर स्थायी बना दिए जाएंगे बास्त्रे कि स्थायी पद उपलब्ध हों। भरकार परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि में बढ़ाई कर सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह गाय हो कि अधिकारी स्थायी नियोजन के लिए उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा को इस अवधि या परिवीक्षा के दोगां पिसी समय गरकार द्वारा बाटे गए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं गया तो इस अवधि या अधिकारी स्थायी नियुक्ति के भवान हो जाने पर गरकार उक्त अधिकारी को कार्य-मुक्त कर रक्ती है या जो ठोक समझे वह आवेदन पारित कर मक्ती है।

स्थायी होने से पहले अधिकारी को छिन्नी के एक निर्धारित परीक्षण में भी उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ब) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में संबद्ध प्रशिक्षण पर बिनाई गई अवधि, यदि कोई हो, महिन कम से कम आठ वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उम्मीदवारों को—

(i) नियुक्ति की नागरिक से दस वर्ष की ममालि के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) बेतन की प्राप्त दरें निम्न प्रकार हैं—

ग्रेड III—कनिष्ठ (शुप क) बेतनमान—रु 700-40-900-रु 40-1100-50-1300।

ग्रेड II—परिष्ठ (शुप क) बेतनमान—रु 1100 (छठा वर्ष या कम) 50-1600

ग्रेड I—प्रशासनिक चयन पद—रु 1500-60-1800-100-2000

सूपर टाइप बेतनमान पद—(क) रु 2000-125/2-2250

(ख) रु 2250-125/2-2500

(ग) रु 2500-125/2-2750

नोट.—जो सरकारी कमचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से बहुत आवश्यक पद के प्रलापा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर सका हो उसका बेतन एक० ३०० आर० २२ बी(i) के अनुमान विनियमित किया जाएगा।

(घ) भारतीय पूर्ति सेवा शुप क के पदों की संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरवाचित्वों का व्यरूप।

भारतीय पूर्ति सेवा के अधिकारियों के कार्य की प्रमुख मर भारत सरकार तथा सार्वजनिक खेत्र के उपकरणों आदि की ओर से सामान की घरीद करना तथा वचे हुए सामान का निपटान करना है। भारतीय पूर्ति सेवा के अधिकारियों से प्राप्ति की जाती है कि उनके पास पू० १० निम्न महा निदेशालय तथा विदेश स्थित राजदूतावासों/उच्च आयोगों के पूर्ति स्कॉर्सों को भेजे जाने आये अलग-२ तरह के माग-पदों का निपटान करने के लिए अपेक्षित तकनीकी आवारण है।

४ सेना इंजीनियर सेवा शुप क:—

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परिवीक्षा की अवधि के दोगां पिसी समय गरकार द्वारा निर्धारित विभाग तथा भाषा। संबंधी परीक्षण उत्तीर्ण करने पर वह सकती है। यदि सरकार की गाय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंन्तोषजनक है का ऐसा आभास होता है कि उसके कुण्ठला प्राप्त करने की संभावना नहीं है अत्यवा यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दोगां निर्धारित परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे उम्मीदवारों की गाय में किसी परिवीक्षा की अवधि को दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त कर सकती है।

मक्ती है या यदि सरकार की गाय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि इन्हीं बढ़ा। मक्ती है जिनसी तत्त्वीक ममझे।

उम्मीदवारों का दो वर्ष की परिवीक्षा की अवधि के दोगां एम० ५० एम० प्रोसीजर मुप्रिलेंडेटम (बी/प्रा० एम० ५० ई/प्रा०) ग्रेड I एक्जामिनेशन तथा छिन्नी परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे। छिन्नी परीक्षण का मर प्राप्त (मैट्रिक्सेशन स्वर के समकक्ष) का होगा।

(छ) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो मशस्क सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर विनाई गई अवधि, यदि कोई है, महिन कम से कम ५ वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा किस्तु उम्मीदवारों की अवधि को (i) नियुक्ति की नारीख में बदल बदल की ममालि आद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (ii) माधारणत ४० वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ii) उम्मीदवारों पर एम० आर० और० न० ९२ दिनक ९ मार्च, १९५७ के अन्वर्गत प्रकाशित १९५७ के गिविलियन इन लिंकेंग मविस (फील्ड लाइविलिट) रूपम भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित विकिस्मा स्वर के प्रनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) बेतन की प्राप्त दरें निम्न प्रकार हैं—  
बेतनमान

महायक कार्यपालक इंजीनियर रु 700-10-900-रु ४०-४०-११००-  
सहायक निर्माण सर्वेक्षक क ५०-१३००।

कार्यपालक इंजीनियर रु 1100 (छठा वर्ष या कम)-५०-  
१६००

निर्माण सर्वेक्षक

अधीक्षण इंजीनियर रु 1500-६०-१८००-१००-२०००

अधीक्षण निर्माण सर्वेक्षक

उप मुख्य इंजीनियर रु 1500-६०-१८००-१००-२००० तथा  
माथ में विशेष बेतन रु २००।

मुख्य इंजीनियर रु 2250-१२५/२-२५००

मुख्य निर्माण सर्वेक्षक क विचाराधीन

5 भागीय आयुद्ध कारखाना सेवा शुप क:—

चुने हुए उम्मीदवारों को महायक प्रबन्धक (परिवीक्षाधीन) के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। आयुद्ध कारखाना महानिवेशक की अनुमान पर सरकार परिवीक्षा की अवधि घटा या बढ़ा सकती है। महायक प्रबन्धक (परिवीक्षाधीन) को जो सरकार आहे वह प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और जो सरकार निर्धारित करे वह विशेष तथा भाषा संबंधी परीक्षण देना होगा। भाषा परीक्षण के अन्वर्गत हिन्दी में भी परीक्षण किया जाएगा। सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी की उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा। किन्तु परिवीक्षा की अवधि के दोगां या अवधि की ममालि पर यदि सरकार की गाय में उसका कार्य या आचरण असम्मोधनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि जिनसी ठीक ममझे और बढ़ा सकती है।

(छ) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि भागीय प्रबन्धक पड़ी, तो महायक सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर विनाई गई अवधि, यदि कोई है, महिन कम से कम

चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा, किन्तु उम्मीदवारों को (i) नियुक्ति की तारीख से वर्ग वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और (ii) माध्यरेतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ii) उम्मीदवारों पर एम० आर० ओ० नं० ७२ दिनांक ९ मार्च १९५७ के अन्तर्गत प्रकाशित १९५७ के मिविलियन इन डिफेंस नॉर्म्स (फील्ड लाइनलिटो) स्तर्न भी लागू होंगे। उनमें नियोजित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) वेतन की प्राप्ति दरें निम्न प्रकार हैं—

#### कनिष्ठ वेतनमान

महायक प्रबंधक/तकनीकी	700-40-900-३०	रो०-१०-११००-५०
स्टाफ	1300	

#### वरिष्ठ-वेतनमान

उप-प्रबंधक/उप महायक	1100 (छठा वर्ष या कम)-५०-१६००
---------------------	-------------------------------

महानिदेशक, आयुद्ध कारखाना

प्रबंधक/वरिष्ठ उप महा०

निदेशक, आयुद्ध कारखाना

उप महाप्रबंधक/महाप्रबंधक	रु० 1500-2000
--------------------------	---------------

ग्रेड-II/महायक महानिदेशक,

प्रायथ कारखाना ग्रेड-II

महाप्रबंधक ग्रेड-I	रु० 2000-125/2-2250
--------------------	---------------------

महानिदेशक आयुद्ध-कारखाना

#### ग्रेड-I

महाप्रबंधक (वयन ग्रेड)	(i) २२५०/१२५/२-२५००
------------------------	---------------------

उपमहानिदेशक, आयुद्ध-कार-

खाना

(ii) २५०० १२५/२-२७५०

प्रतिवर्ष महानिदेशक	रु० ३००० (नियत)
---------------------	-----------------

आयुद्ध कारखाना

महानिदेशक आयुद्ध कारखाना	रु० ३५०० (नियत)
--------------------------	-----------------

नोट:—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति में पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन यथा संदर्भात्मक के समय-समय पर संगोष्ठित काठा० झा० सं० १५ (६) ६४/टी (प्रैषिट-मेंट्स)/१०५१/झी (सी IV-1), दिनांक २५ नवम्बर १९६५ के उप-बन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भस्तुरी/नागपुर में कानूनेशनम कीर्ति करना होगा।

(ङ) हम प्रकार भर्ती हुए परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्रारंभ करने से पश्चात् एक बंधनपत्र भरना होगा।

#### ६. भारतीय दूर संचार सेवा प्रूप क:

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परिवीक्षा पर की जाएगी। सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आवरण यदि अस्तोषजनक है या उसमें यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की समावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर सरकार यदि स्थायी रिक्तियाँ उपलब्ध हुईं उस उक्त नियुक्ति पर स्थायी द्वारा स्थानी

या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अधिकारी असंतोष-जनक रहा है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है या जिन्हीं ठीक समझे उत्तीर्ण अवधि के लिए उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं नियोजित की जाएं अधिकारियों को उन्नीर्ण करनी होंगी। उनका स्थायी किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उन्नीर्ण करना होगा।

(ख) अधिकारियों को अवधित तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षण भी उन्नीर्ण करने होंगे।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को यदि आवधिकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बन्ध किमी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा मेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उम्मीद यक्षित को—

(i) नियुक्ति की तारीख में दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा;

(ii) माध्यरेतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति दरें निम्न प्रकार हैं—

कनिष्ठ वेतनमान: रु० 700-40-900-द० रो०-४०-११००-५०-  
1300

वरिष्ठ वेतनमान: रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-५०-१६००

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड: १५००-६०-१८००-१००-२०००

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड: (i) रु० २२५०-१२५/२-२५००

(ii) रु० २५००-१२५/२-२७५०

नोट:—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन एक० आर० २२-झी(i) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा प्रूप के कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन वेतन रु० ७८०/- या इसमें अधिक है तो वह तब तक वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उन्नीर्ण न कर दे।

(ङ) भारतीय दूर संचार सेवा (प्रूप क) के पदों से सम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

#### सहायक डिवीजनल इंजीनियर टेलीग्राफ

महायक डिवीजन, इंजीनियर टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी तत्र डिवीजन ऐस्ट्रियर बी० एफ० टी० को-एक्सिस्ट्रल माइक्रोवेव लॉन्ग डिस्टेंस इंजीक्सिल कल तथा यापरलैन के हंडार्ज होंगे और गामान्यत। डिवीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार समर्पितों के संस्थापन/संरचना करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

#### डिवीजनल इंजीनियर

डिवीजनल इंजीनियरों को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिवीजनों जिसमें लॉन्ग डिस्टेंस को-एक्सिस्ट्रल माइक्रोवेव मेंटिनेंस डिवीजन तथा वायरलैन शामिल हैं का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपस्करों के रेल-रेलवे के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिवीजन में रह कर कार्य करेंगे। जब डिवीजनल इंजीनियर परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें प्रतिटि में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

## कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार मक्किल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी पारिस्पर्यानियों के प्रशासन और दूर संचार सम्पादनों के प्रशासन सथा आयोजन के लिए, दूर संचार प्रणालियों आवि में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार है। वे माहतर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट दूर संचार मक्किल, आवि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

## वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सक्किल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्राजेन्ट सक्किल/दूर संचार अनु-रक्षण क्षेत्र भा प्रधान, जो कार्य प्रभार में उमका पूरी तरह से प्रबंध व प्रशासन करने के लिए जिम्मेदारी डाक-तार बोर्ड से उप महानिदेशक, डाक-तार बोर्ड की नीति निर्धारित करने तथा भग्न प्रशासन करने में उच्चस्तरीय महाथा प्रदान करता है। निदेशक दूर संचार अनुसंधान केन्द्र और अधिकारित निदेशक दूर संचार अनुसंधान केन्द्र, दूर संचार अनु-संधान केन्द्र के अनुसंधान सम्बन्धी समय कार्य-क्षमाओं के लिए जिम्मेदार

## 7. केन्द्रीय इंजीनियरी (ग्रुप क) मेवा

(i) केन्द्रीय जल आयोग में महायक निदेशक/महायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती क्षुण व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु मरकार आवश्यक होने पर दो वर्ष की उपन अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परिवीक्षा की उपर्युक्त अवधि या बड़ी हुई अवधि जैसी भी स्थिति हो गमाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के दौरान मरकार मन्त्रुष्ट हो जाए कि वह तथायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या उमको मूल पद पर प्रत्यायतिन कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण तथा दीक्षण का ऐसा कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परिवीक्षा की मफत पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझें।

(ii) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार तर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पूरी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बताई गई अवधि यदि कोई हो, सहित कम में कम चार वर्ष की अवधि के लिए, किसी रक्षा मेवा या भारत की रक्षा में सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा;

## किन्तु उम व्यक्ति को—

(i) नियुक्ति की तारीख से वह वर्ष की ममाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा;

(ii) गावारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(iii) महायक निदेशक महायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित गर्त पूरी करने के बाद उप निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर/अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (माधारण ग्रेड)/निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड) और मुख्य इंजीनियर के उच्चतर श्रेणों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(iv) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के शुप "क" के लिए वेतनमान निम्न प्रकार है:—

(केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद)

1

2

- |  |   |
|--|---|
| 1. महायक निदेशक/महायक कार्यकारी इंजीनियर | रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।       |
| 2. उप निदेशक/कार्यकारी इंजी-             | रु 1100 (छठे वर्ष या कम)-50-1600-नियर       |
| 3. अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक               | रु 1500-60-1800-100-2000।<br>(माधारण ग्रेड) |
| 4. निदेशक चयन ग्रेड अधीक्षण              | रु 2000-125/2-2250                          |

## इंजीनियर (चयन ग्रेड)

- |                   |                                   |
|-------------------|-----------------------------------|
| 5. मुख्य इंजीनियर | (i) 2500-125/2-2750<br>(स्तर I)   |
|                   | (ii) 2250-125/2-2500<br>(स्तर II) |

(v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) मेवा में पदों से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

## सहायक निदेशक अधिकारी (सिविल और यांत्रिक)।

मिल्ली, नौसंचालन, विद्युत्, घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आम्लन रिपोर्ट आवि तैयार करने महित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा अभिकल्पना।

## महायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक):—

उनको आवंटित उप मंडल या अन्य एक्षणों के नियमण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ तथा पंडारों का सेक्षा-जोखा रखना होगा तथा परोक्ष हप से उपमंडल में प्रयोक्त कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी रखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन साप बहियों मस्टर रोल तथा अन्य अभिनेत्रों के गही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

## 8. केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप क) मेवा

## (i) संगठन का विवरण:

विद्युत् (आपूर्ति) अधिनियम 1948 की धारा 3(i) के अधीन केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका वायित्व गवर्नर विद्युत् साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के संबंध में योजना अभिकरणों के कार्यकलापों के सम्बन्ध करने के लिए एक मुद्रुष पर्याप्त और एकस्पष्ट राष्ट्रीय विद्युत् भीति का विकास करता है। वेण की सभी विद्युत् योजनाओं (उत्पादन, संचालन, विनरण और विद्युत् आपूर्ति का उपयोग) की सम्पूर्णता, नकारीकी विवेषण, आर्थिक व्यवहार्यत आवि के संबंध में यह सुमिश्रित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में संभीक्षा की जाती है कि वे योजनाएं राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के अनुरूप होंगी। इस संगठन का गण्डीय अर्थ व्यवस्था के विकास और विद्युत् की इसकी मुख्य गतिशीली प्रक्रिय प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(ii) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिए मध्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम भर्ती भी जाती है।

६० ७००-१३०० के बेतनमान में महायक निदेशक/महायक कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में माठ प्रतिशत पद संच लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में महायक निदेशक/महायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाता है और जहाँ आवश्यक समझा जाए यह अवधि और दो वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्राप्त करना होता है और परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक रूप में पूरी कर लेने की शर्त के माध्यम से उन्हें निर्धारित परीक्षा/परीक्षण उत्तीर्ण करना होता है। तत्पचात् स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर अधिकारियों को उनके वरीयता कम के अनुसार स्थायी किया जाता है।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा सेवा बेंचड़ किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम ५ वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा सेवा बेंचड़ पद पर कार्य करना होगा जिन्हें उग्र व्यक्ति को:—

(क) नियुक्ति की तारीख से १० वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः ४५ वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(iii) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

महायक निदेशक/महायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर नियुक्त किए गए अधिकारियों की समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (मुफ्त) सेवा नियमावली १९६५ में निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद उग्र निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजी-नियर (राधारण ग्रेड) निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड) उग्र मुख्य इंजीनियर मुख्य इंजीनियरी (स्तर II) और मुख्य इंजीनियर (स्तर I) के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं।

(iv) बेतन मान

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (मुफ्त) सेवा के पदों के बेतनमान निम्नलिखित है:—

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में विद्युत् यात्रिक और दूर-संचार से संबद्ध पद

क्रम	पद का नाम	बेतनमान
१.	सहायक निदेशक/महायक	रु ७००-४०-९००-८० रु०-४०-११००-५०-
	कार्यकारी इंजीनियर	१३००
२.	उग्र निदेशक/कार्यकारी	रु ११०० (छठे वर्ष या कम)-५०-१६००
	इंजीनियर	
३.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर	रु १५००-६०-१८००-१००-२०००
	(साधारण ग्रेड)	
४.	निदेशक/अधीक्षण इंजी-	रु २०००-१२५/२-२२५०
	नियर (चयन ग्रेड)	
५.	उग्र मुख्य इंजीनियर	रु २०००-१२५/२-२२५०
६.	मुख्य इंजीनियर (स्तर II)	रु २२५०-१२५/२-२५००
७.	मुख्य इंजीनियर (स्तर I)	रु २५००-१२५/२-२७५०

नोट.—गहायक निदेशक/महायक कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड से उग्र निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड से पदान्तरित होने पर बेतन नियमन के प्रयोगतार्थे इस सेवा के सदस्यों के लिए तृतीय बेतन आयोग की अनुमतियों पर अवतारी हर्द नमनुक्रमणिका मार्गिणियाँ लागू हैं।

(v) कार्यस्थ और धार्यस्थ

सहायक निदेशक/महायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों से संबद्ध बालंध्या और दायित्वों के स्वल्प इन प्रकार है:—

विद्युत् यात्रिक सेवा के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से राबड़ अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का सम्बन्ध सकलन और परस्पर सम्बन्ध। उन्हें इनसे सम्बद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो संचालन थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना संचालन, अनुरक्षण [तथा विद्युत् योजनाओं, परियोजनाओं की अधिकल्पनाओं जादि के संचालन करने से सहायता दें द्वारा उनके संचरण तथा विनारण/विद्युत् प्रणालियों की परियोजना ग्रिंपों का अध्ययन करना सम्मिलित है। दूसरे एकों में कार्य करने हुए वे उप मठल या उनका आवाटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंग।

६. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (मुफ्त) ग्रुप क :

(क) चुने हुए उम्मीदवार निदेशक कार्यकारी इंजीनियरी के पद पर दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियाँ उपलब्ध हुई और वे स्थायी नियुक्ति के बोग्य समझे जाते हैं तो उन्हें गहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की वर्ष की परिवीक्षा अवधि को छड़ा सकती है।

परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह भमझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजन के बोग्य नहीं है या ऐसी परिवीक्षा अवधि या परिवीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के बोग्य नहीं होगा तो वह उग्र सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा नियून कर सकता है अथवा ऐसे आदेश घास कर सकती है जो वह ठीक समझे।

अधिकारियों का स्थायीकरण में पहले हिस्से का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा सेवा बेंचड़ किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम ५ वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा सेवा बेंचड़ पद पर कार्य करना होगा। किस्तु उग्र अवधि को:—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्षों की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और

(ii) सामान्यतः ४५ वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्त बेतन की दरे निम्नलिखित है:—

महायक कार्यकारी इंजीनियर (मुफ्त/पुल यात्रिक) —

रु ७००-४०-९००-८० रु०-४०-११००-५०-१३००

कार्यकारी इंजीनियर (मुफ्त/पुल/यात्रिक) —

रु ११०० (छठे वर्ष या कम)-५०-१६००

अधीक्षण इंजीनियर (मुफ्त/पुल/यात्रिक) —

रु १५००-६०-१८००-१००-२०००

मुख्य इंजीनियर (मुफ्त/पुल/यात्रिक) —

(i) ₹ 2250-125/2-2500

(ii) ₹ 2500-125/2-2700

अतिरिक्त महानिवेशक (मडक/पुल)—

महानिवेशक (मडक विवाम) — ₹ 3000-100-3500।

**नोट**—उन सरकारी कर्मचारियों का बेतन जो केंद्रीय इंजीनियरी सेवा में सुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थार्यों पर है एफ० आर० 22-ख

(1) क उपबद्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(ख) केंद्रीय इंजीनियरी सेवा (मडक) सुप क के पद से सबद्ध कर्तव्य और दायित्वों का स्वरूप।

मडक/पुल कार्यों की जिक्षिकल्पना और आवकलन तैयार करने की योजना में और गश्यों से ऐसे कार्यों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की संवीक्षा करने में जागृतानी और परिवहन भौतिकीय के मठक स्कूल के मूल्यांकणों और क्षेत्रीय कार्यालयों में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना।

10 भारतीय भूविज्ञान मर्वेक्षण के पद —

भारतीय भूविज्ञान मर्वेक्षण में महायक बरमा इंजीनियर/याक्सिक इंजीनियर (कनिष्ठ) (ग्रुप क पद) और महायक याक्सिक इंजीनियर (ग्रुप ख पद) के पदों पर अस्थायी आवधार पर भर्ती किए गए अवधिक वा वय, की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दोगने उनके द्वारा किए गए कार्यों के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकारी विवक्षा पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है उन्हें नियम ₹ 700-40-900-व० रो०-40-1100-50-1300 और ₹ 650-30-740 35-810-द० रो०-35-880-40-1100-द० रो०-40-1200 के मध्य बेतनमान में बेतन मिलेगा। सतोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो सुप रिक्विटों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आश्वयकता हुई तो भारतीय भूविज्ञान मर्वेक्षण में सहायक बरमा इंजीनियर/याक्सिक इंजीनियर (कनिष्ठ) और सहायक याक्सिक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अवधियों को भारत की रक्षा से सबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा रोपा या भारत की रक्षा से सबद्ध पद पर कार्य करना होगा विन्तु उम्म व्यक्ति वा —

(1) भारतीय भूविज्ञान मर्वेक्षण में सहायक बरमा इंजीनियर/याक्सिक इंजीनियर (कनिष्ठ) या सहायक याक्सिक इंजीनियर के पद पर नियुक्त की तारीख भ वर्ष वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(1) सामान्यत 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिए प्रोफेशनल को ओनलाइन निम्नलिखित है —

क—ग्रामीण बरमा इंजीनियर (ग्रुप क) के लिए—₹ 700-40-900-व० रो० 40-1100-50-1300।

(i) उप बरमा इंजीनियर—₹ 1100-50-1600

(ii) बरमा इंजीनियर—₹ 1500-60-1800-100-2000

(iii) उप मुख्य इंजीनियर (बरमा) — ₹ 1800-100-2000

ख—याक्सिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क (₹ 700-40-900-व० रो०-40-1100-50-1300)।

सहायक याक्सिक इंजीनियर (ग्रुप ख) (₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200)।

(i) याक्सिक इंजीनियर (वरिष्ठ) — ₹ 1100-50-1600

(ii) अधीक्षण याक्सिक इंजीनियर (वरिष्ठ) — ₹ 1500-60-

1800-100-2000

(iii) उप-मुख्य इंजीनियर (याक्सिक) — ₹ 1800-100-2000

भारतीय भूविज्ञान मर्वेक्षण में भर्ती किए गए अधिकारियों का भारत में या विदेश में कही भी कार्य करना पड़ सकता है।

**नोट**—उन सरकारी कर्मचारियों का बेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीकृत हैं विदेश में विदेशी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर है, एफ० आर० 22-ख(1) के उपबद्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय भूविज्ञान मर्वेक्षण में पदों से सबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

याक्सिक इंजीनियर  
(कनिष्ठ)

बरमा, बाह्यायक और अन्य उपस्करों का अनुरक्षण तथा भरम्भन। विविध क्षेत्रों के कर्तव्यों का लिए छालवरों तथा बाह्यों का आबादन/पी० एम० एम० आका तथा अधिकारियों नाम बुक, इनिकृतों की संवीक्षा तथा अनुरक्षण।

भारतीय भूविज्ञान मर्वेक्षण के पद

कार रिकवरी का इष्टतम प्रतिशत सुनिश्चित करने, हुए एक या अधिक ड्रिलिंग गिया से अनिवार्य अन्वेषण के सघन में छेदन कार्य करना सरकारी भड़ारों और उसको सौंपे गए हम्प्रेस्ट की ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिए लगाई गई मरीनरी और बाह्यों का समारक्षण। भड़ारों तथा राकड़ लैबों को रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वग का कल्पणा देखना।

भारतीय भूविज्ञान मर्वेक्षण के पद

वाहन, बरमा और अन्य उपस्करों की भरम्भन और अनुरक्षण थोकों में भरम्भन करने के लिए मोशाइन कर्मचारों का पर्यवेक्षण।

1 डाक तार दूर सचार कारखाना सगठन में सहायक प्रबन्धक (कारखाना) ग्रुप ख पद

(i) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पद पर भर्ती किए गए अवधिक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

(ii) परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के कार्यक्रम के अनुसार व्यावहारिक प्रशिक्षण, जो मध्य समय पर केंद्रीय सरकार द्वारा नियमित किया जाए, प्राप्त करना होगा और व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

(iii) यदि आश्वयकता हुई तो सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किए गए किसी अवधिक वर्ष की अवधि के अन्तर्गत उम्मीदवारों की रक्षा से सबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) महित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा रोपा या भारत की रक्षा से सबद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस अवधि को —

(क) नियुक्ति की तारीख से वर्ष वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यत 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

डाक-तार दूर सचार कारखाना सगठन में इंजीनियरी पदों के बेतनमान निम्नलिखित है —

(1) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) — ₹ 700-40-900 व० रो०-10-1100-50-1300

(2) सहायक महाप्रबन्धक वरिष्ठ इंजीनियर — ₹ 1100-50-1600

(3) उप महा प्रबधक/दूर संचार प्रबंधक (काश्मीरा) —रु० 1500  
60-1800

12. इंजीनियर (युप क), वायरलेंग, योजना और समन्वय स्कंथ/  
अनुश्वरण संगठन, संचार मंत्रालय।—

(क) बेतनमान रु० 700-10-900 द० रो० 40-1100-50 1300

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियर के पद  
धारी गहायक वायरलेंग मलाहकार, वायरलेंग योजना और  
समन्वय स्कंथ/इंजीनियर प्रभारी, अनुश्वरण संगठन (बेतनमान  
रु० 1100-50-1600 तथा 1 सदायक वायरलेंग मलाहकार के पद के लिये रु० 100 प्रतिमास विधेय वेतन) के ग्रेड में  
निक्षियों के 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र है। महायक  
वायरलेंग मलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में उनकी पदो-  
न्नति युप क पदों के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति  
समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की  
जाएगी।

गहायक वायरलेंग मलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में 5 वर्ष  
की सेवा रखने वाले सभी गहायक वायरलेंग मलाहकार और इंजीनियर  
प्रभारी उप वायरलेंग मलाहकार (बेतनमान रु० 1500-60-1800) के  
पद पर पदोन्नति के लिये विचार किये जाने के पात्र हैं। उप वायरलेंग  
मलाहकार के ग्रेड में निक्षिया युप क गदों के लिये गठित की गई विभा-  
गीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर  
100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भी जारी है।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गए व्यक्ति की भारत में  
कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये  
गए किसी भी व्यक्ति की भारत की ज्ञान गें मंबद्ध किसी  
प्रशिक्षण पर अतिर्थ गई अवधि (यदि कोई हो) महिन कम  
से कम ५ वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्ता सेवा या भारत  
की रक्ता से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस  
व्यक्ति को—

(i) नियुक्ति की तारीख गे इग वर्ष की भारत के बाबू  
पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ii) सामान्यतः 45 वर्ष का आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त  
रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) पद (पदों) में सम्बद्ध करन्त्यों तथा दायित्वों का स्वरूप

(i) अनुश्वरण केन्द्रों का प्रभारी होना। तकनीकी महायकों,  
रेडियो तकनीशियों और उनके प्रबंधन अन्य कर्मचारी  
वर्ग के कार्य का पर्यवेक्षण।

(ii) विशिष्ट अनुश्वरण उपस्करण, जिनमें आवृत्ति भाषा  
उपस्करण, रेडियो निर्देशन अवैधी दूरबीन, आयतमडली  
रिकार्डर, रेडियो इंजिनियर, आवृत्ति निर्धारण हैं, के संस्थापन,  
सञ्चालन और अनुश्वरण का कार्यभार संभालना।

(iii) प्रयोग में लाने वाले विभिन्न यितागों और सेवाओं की  
आवृत्ति अवैधाओं का निर्धारण।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रणालीन और उनसे  
संबंधित कारण।

(v) आश्वस्ति अभिनेत्र और सम्बद्ध प्रनेत्र तंत्रार करना।

(vi) वायरलेंग गंस्थापनाओं का अनुज्ञापन तथा निरीक्षण।

(vii) रेडियो उपस्करण की विशिष्टिया तैयार करना।

(viii) द्रांमीटर, रिमोटर आदि गहायक उपकरणों की  
विविध प्रकार की जाँच करना।

(ix) रेडियो आपरेटरों को दिये जाने वाले प्रशीलित प्रमाण  
पत्र के लिये परीक्षाओं के आयोजित करने में महायका  
देना।

(x) प्रचार समस्याओं और समवर्गी अनुमधान की जाव  
करना, और

(xi) रेडियो एवं अध्ययन, आयतमडली अध्ययन और क्षेत्र  
तीव्रता साप आवृद्धि के तथ्यों का परीक्षण, विश्लेषण  
और समन्वय करना।

13. मंचार मंत्रालय की समुद्रपार संचार सेवा में उप इंजीनियर  
प्रभारी (युप क), महायक इंजीनियर (युप और राजपत्रित) और  
तकनीकी सहायक (युप और अराजपत्रित)।

(क) तकनीकी सहायक/महायक/इंजीनियर/उप इंजीनियर प्रभारी  
के पद पर नियुक्ति के लिये चुने गये उम्मीदवार कम से कम  
दो वर्ष की अवधि के लिये परिवाका पर नियुक्त किये जायेंगे  
और आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है।

(ख) तकनीकी सहायक/महायक/इंजीनियर/उप इंजीनियर प्रभारी  
के पद पर नियुक्ति की तारीख में अधिकारी की सेवा उसके द्वारा निष्पादित वध पत्र में निर्धारित तारीख के  
अतिरिक्त किसी भी प्रकार से एक महीने का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी। किन्तु विभाग प्रस्थाई कर्म-  
चारी को नोटिस के स्थान पर एक महीने का वेतन तथा  
भत्ते देकर उसकी रोका समाप्त कर सकता है परन्तु अधिकारी  
को इस प्रकार का कोई विकल्प नहीं दिया गया है।

(घ) बेतनमान

(1) तकनीकी महायक :—रु० 550-25-750-द० रो०-  
30-900

(2) सहायक इंजीनियर :—रु० 650-30-740-35-810-द०  
रा०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

(3) उप प्रभारी इंजीनियर :—रु० 700-40-900-द० रो०-  
40-1100-50-1300।

(ङ) उच्चतर सेवों में पदोन्नति के अवसर

(i) तकनीकी सहायक :—संबद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की  
सेवा रखने वाले सभी तकनीकी सहायक विभागीय पदोन्नति के  
लिये आरक्षित 50 प्रतिशत रिक्षियों में प्राप्तियां के आधार पर  
चयन द्वारा रु० 650-30-740-35-810-द० रा०-35-880-  
40-1000 रु० रा०-40-1200 के वेतनमान में सहायक  
इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र है :—

(ii) सहायक इंजीनियर :—इग ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष  
का सेवा रखने वाले सभी सहायक इंजीनियर विभागीय  
पदोन्नति के लिये आरक्षित 75 प्रतिशत रिक्षियों में  
प्राप्तियां के आधार पर चयन द्वारा रु० 700-40-900-  
द० रा०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में उप  
प्रभारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र है।

(iii) उप प्रभारी इंजीनियर :—उप प्रभारी इंजीनियर प्रभारी  
या सहायक इंजीनियर के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष  
की सेवा रखने वाले उप प्रभारी इंजीनियर के पद के  
पदधारी दो वर्ष की परिवाका अवधि के सफलतापूर्वक  
पूरा कर लेने पर समुद्रपार संचार सेवा में प्रभारी  
इंजीनियर (वेतनमान रु० 1100-50-1600) के पद  
पर पदोन्नति के लिए पात्र है।

(iv) प्रभारी इंजीनियर — प्रभारी इंजीनियर के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले प्रभारी इंजीनियर के पद के पदधारी समुद्रपार सचार सेवा में निवेशक के पद (वेतनमान —रु 1300-50-1700) पर पदोन्नति के लिये पात्र हैं। निवेशक के ग्रेड में पदोन्नति समिति की अनुशासनाओं पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

(v) निवेशक — निवेशक के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले निवेशक के पद के पदधारी “समुद्रपार सचार सेवा में उप महानिवेशक के पद (वेतनमान —रु 1500-60-1800-100-2000) पर पदोन्नति के लिये पात्र हैं। उप-महानिवेशक के ग्रेड में पदोन्नति पद के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशासनाओं पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

(vi) उप महानिवेशक — उप महानिवेशक के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले उप महानिवेशक के पद के पदधारी समुद्रपार सचार सेवा में महानिवेशक के पद (वेतनमान. रु 2250-125/2-2500) पर पदोन्नति के लिये पात्र हैं। महानिवेशक के ग्रेड में पदोन्नति पद के लिये गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशासनाओं पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

(c) यदि आवश्यकता हुई तो सकनीकी सहायक, सहायक इंजीनियर या उप प्रभारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को —

(i) नियुक्ति की तारीख से इस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ii) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

नोट — सेवा की शेष शतांश, जैसे स्थानान्तरण/दीरा पर अवकाश यात्रा भत्ते, कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समय वेतन, चिकित्सा सुविधाएं यात्रा-रियायत, पेशन और आनुतोषिक, नियन्त्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि वही होती हैं, जो समान हैंसियत के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिये लागू हों।

(अ) पद (पदो) से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

1. उप प्रभारी इंजीनियर — समुद्रपार सचार सेवा में उप-प्रभारी इंजीनियर के पद का पदधारी प्रभारी इंजीनियर के छिप्टी के रूप में कार्य करना है और अन्तर्राष्ट्रीय दूर सचार उपस्कर के सचालन तथा अनुरक्षण से सबधित सभी तकनीकी मामलों में प्रभारी इंजीनियर की सहायता करता है और स्टाफ, स्टाफ कालोनी, जल पूर्ति, विषुव् पूर्ति इंजीनियरी और स्टेशनरी तथा अन्य वस्तुओं के प्रबन्ध के लिये भी जिम्मेदार है।

पदों के पदधारियों को न केवल तकनीकी कार्य का ही प्रबंधन करना है बल्कि बहुमूल्य दूरसचार उपस्करों के सम्बन्धित और रख-रखाव में भी अपने आपको लगाना है। समुद्र पार सचार सेवा की उपस्कर विशेषताओं का गहन उपयोग मुख्य रूप से उप प्रभारी इंजीनियर की कार्य से सम्बद्ध असम्भव तथा निष्पादन करने की उभयोन्नति पर निर्भर है जिसमें काम बताए जाने की क्षमता तथा विश्वव्यापी मानकों को बनाए रखने का समावेश हो।

2 सहायक इंजीनियर — पद का पदधारी ग्रामान्यत शिपट का प्रभारी है और उपस्करों के सचालन तथा अनुरक्षण के लिये जिम्मेदार है। उसे तकनीकी मामलों पर विवेश एसोशियटों द्वारा उठाई गई शब्दाओं के बारे में स्तर पर निर्णय लेना है और त्रुटियों को दूर करना है।

पद पदवेशकीय तथा मञ्चालनात्मक है। पद के पदधारी को अपनी पारी में तकनीकी सहायकों और फिनिष्ट तकनीकी सहायकों के स्तर के अधीनस्थों पर नियन्त्रण रखना है। जब कुछ कर्मचारी प्रयुक्त अनुमधान के तत्व के विकास और अनुसधान में लगे हों तो सभी सहायक इंजीनियरों का अतरराष्ट्रीय दूर सचार मानकों की जानकारी हानी आहिंगा और उनका अनुपालन करना चाहिए।

3 तकनीकी सहायक — पद के पदधारी को अपनी पारी देलीफोन और अन्य बायरलेस उपवरणों और उपस्करों के सचालन का समायोजन करना, विभिन्न प्रकार के उच्च शक्ति वाले ट्रांसमीटरों/रिसीवरों का अनुरक्षण और संस्थापन करना और उनमें हुई खराबी को देखना है। समुद्रपार देलीफोन काल के दौरान जब दो ग्राहकों के बीच आवाज जा रही है तो पदधारी को रेडियो टर्मिल के पूरे परिपथ पर भी नियन्त्रण रखना है।

14 सहायक स्टेशन इंजीनियर (युप क) और सहायक इंजीनियर (युप छ) आकाशवाणी महानिवेशालय सूचना और प्रसारण मत्रालय।

(क) नियुक्ति वाले वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी।

(ख) (i) पद पर नियुक्ति विये गये अधिकारी को भारत में कही भी कार्य करना होगा और किसी भी समय उसका लोक नियम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सके और ऐसे स्थानान्तरण पर यह नियम के कमचारियों के लिये निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से शास्ति होगा।

(ii) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति किये गये किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को —

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ग) भरकार बिना काई नाटिम दिये निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है— (i) परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर (ii) अनधीनता, असंघम, कवाचार या उस समय सेवा से सम्बद्ध प्रवृत्त नियमावली के उपबन्धों में से किसी की भ्रंग करने या अनुपालन न करने के लिये (iii) यदि वह डाक्टरी रूप से अनुपूर्त पाया जाना है और अपने कर्तव्यों के निवैहन में असम्भवता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्याई नियुक्तियों के सामने में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण अनाए बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

## (ए) वेतनमान:—

- (i) सहायक स्टेशन इंजीनियर—रु 700-40-900-द० रो०-  
40-1100-50-1300
- (ii) सहायक इंजीनियर—रु 650-30-740-35-810-द०  
रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

## (इ) उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के अवमर:—

सहायक इंजीनियर और सहायक स्टेशन इंजीनियर:—

- (i) सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर विभागीय पदोन्नति के लिए आग्रहित 40 प्रतिशत पदों पर चयन होता है 200-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (ii) सम्बद्ध ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सहायक स्टेशन इंजीनियर, विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर रु 1100-50-1600 के वेतनमान में आकाशवाणी में स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (iii) सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम 7 वर्ष की सेवा रखने वाले स्टेशन इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर रु 1500-60-1800 के वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (iv) वरिष्ठ इंजीनियर उप-मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (रु 1800-100-2000) उप-मुख्य इंजीनियर अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (रु 2000-125/2-2250) और अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (रु 2500-125-3000)।

नोट:—सेवा की शेष शर्तें जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश यात्रा भरने कार्यारम्भ समय कार्यारम्भ भरने वेतन चिकित्सा मुविधाएं यात्रा-रियायत पेशन और आनुलोपिक नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि वही होंगी जो सामान हैमियत के अन्य केन्द्रीय भूमिकारी कर्मचारियों के लिये लागू हों।

(च) सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) और सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) के पद से संबद्ध कर्मचारी और दायित्वों का स्वरूप।

महायक स्टेशन इंजीनियर:—प्रमाण और समाचार द्वारा वर्णित टूटूडियों तथा ट्रांसमीटरों की अधिकत्पन्ना सम्पादन मंचालन और अनुरक्षण। अधीनस्थ इंजीनियरों के कार्य के पर्यावेक्षण के लिये जिम्मेदार महायक इंजीनियर:

प्रमाण और समाचार धूरवर्णन स्टूडियो तथा ट्रांसमीटरों की संस्थापन संचालन और अनुरक्षण। पारी में कार्य का पर्यावेक्षण करने के अपने कर्मचारीों के नियंत्रण के लिये जिम्मेदार।

16. महायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल तथा वैश्वृत) सिविल-नियमिण स्कंधे, आकाशवाणी सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये गणिकीय के आधार पर होगी।

(ख) (i) पद पर नियुक्ति किये गये अधिकारी को भारत में कहीं कार्य करना होगा और किसी भी समय उत्तरांश लोक नियम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर वह नियम के कर्मचारियों के लिये नियांत्रित की गई भेवा की शर्त में शामिल होंगा।

(ii) यदि आवश्यकता हुई तो महायक स्टेशन इंजीनियर या महायक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति किये गये अवधि की भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विनाई गई अवधि (यदि कोई हो) महिने कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस अवधि को:—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त स्पष्ट में कार्य नहीं करना होगा और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त स्पष्ट में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) मरकार विना कोई नोटिस दिये मिम्नालिक्षित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है:

(i) परिवीक्षा की अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर (ii) अनधीनता असंयम कदाचार या उस समय सेवा से सम्बद्ध प्रवृत्त नियमावली के उपबंधों में से किसी को भंग करने या अनुपालन न करने के लिये

(iii) यदि यह डाक्टरी हैप से अयोग्य पाया जाता है और अपने कर्मचारी के नियंत्रण में अस्वस्थता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थाई नियुक्तियों के मामले में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण वाले बिना कह भीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(घ) महायक इंजीनियर (सिविल तथा वैश्वृत) रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

## (इ) उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के अवमर:—

(i) सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर (सिविल तथा वैश्वृत) रु 1100-50-1800 के वेतनमान में कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ii) ग्रेड में कम से कम 7 वर्ष की सेवा रखने वाले कार्यकारी इंजीनियर रु 1800-100-2000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iii) ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधीक्षण इंजीनियर रु 2000-125-2250 के वेतनमान में अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर (सिविल) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

नोट:—सेवा की शेष शर्तें जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश यात्रा भरने कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समय वेतन तथा चिकित्सा मुविधाएं यात्रा-रियायत पेशन और आनुलोपिक नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि वही होंगी जो सामान हैमियत के अन्य केन्द्रीय कर्मचारियों के लिये लागू हों।

(घ) महायक इंजीनियर (सिविल तथा वैश्वृत) के पद से संबद्ध कर्मचारी नियंत्रण का स्वरूप:—

अधिकल्पना और आरेखन में कार्य के लिये नियांत्रित किये गए मानवंश और स्तर के ग्रन्तिसार कार्यों का निष्पादन करना।

16. नकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) और संचार अधिकारी (ग्रुप ख), सिविल विमान विभाग, पर्यावरण और सिविल विमानन मंत्रालय।

(क) नियुक्ति के लिये धूने गये उम्मीदवारों को आगामी आवेदनों तक संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया जाएगा। वे दो वर्ष की अवधि के

निये परिवीक्षा पर रहेंगे, जिसे आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाया जा सकता है। उत्तरी नियुक्ति परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत यिनि कोई नोटिस दिये समाप्त की जा सकती है। नियुक्ति के बाद यह मंस्य हो उम्मीदवार को 16 सप्ताह की अवधि के लिये मिशन विभानन प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण कोर्स के लिये जाता होगा। मंचार अधिकारी तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में उनके स्थायीकरण के लिये स्थाई पदों के उपलब्ध होने पर उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

(अ) यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण, सरकार की गये में असंतोषजनक है, या यह दर्शाया है कि उसके कार्य में दक्षता प्राप्त करने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसकी सेवाएं नकाल समाप्त कर सकती है।

(ग) परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर स्थाई रिक्तियों के उपलब्ध होने पर सरकार की गये में अधिकारी या कार्य या आचरण संतोषजनक गाए जाने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है अथवा कार्य या आचरण असंतोषजनक गाए जाने पर सरकार या तो उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकती है, जैसा सरकार उचित समझे।

(घ) यदि सेवा में नियुक्ति करने के लिये सरकार किसी अधिकारी को शक्तियों प्रत्यायोगित कर देती है तो यह अधिकारी इस नियम के अधीन सरकार की शक्तियों में से किसी का प्रयोग कर सकता है।

(इ) इन नियमों के अधीन भर्ती किये गये अधिकारी उस समय प्रवर्त्तमान और केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों के लिये यात्रा नियमों के अनुसार अवकाश, बैंटनबूडि और पेशन के पात्र होते हैं। वे केन्द्रीय भविष्य निधि को विनियमित करने वाले नियमों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि से अंशदान करने के भी पात्र होते हैं।

(ए) भागान स्थिति के अन्तर्गत अधिकारियों का भारत में या भारत से बाहर किसी फौलड भविष्य के लिये भारत में कही भी स्थानान्तरण किया जा सकता। उड़ो हुए वायुयान में भी उन्हें कार्य करने के लिये कहा जा सकता है।

(ए) उंगीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति विद्ये गये अधिकारियों की वरीयता मामान्यता: उनके परीक्षा में योग्यता क्रम के अनुसार नियमित की जाती। किन्तु भारत सरकार की अपनी विधा पर अवग-प्रलग मामलों में वरीयता नियन्त्रित करने का अधिकार है।

विभागीय उम्मीदवारों के मुकाबले में सीधी भर्ती द्वारा लिये गये उम्मीदवारों की वरीयता भर्ती में नियमों निर्धारित कोटे पर आधारित और इस विषय में समय समय पर भारत सरकार द्वारा आई किये जाने वाले आदेशों के अनुसार होती।

(ज) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवधि:—वरिष्ठ संचार अधिकारी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड के लिये पदोन्नति:—

मंबद्ध ग्रेड में कम से तम तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी, रु 1100-50-1600 के वेतनमानों में रिक्तियां होते पर अपनी वरीयता वश्य योग्यता होने के आधार पर मिशन विभानन विभाग में वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं। उन नियंत्रक संचार नियंत्रक के लिये पदोन्नति:—

उक्त संवर्ग में कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी विभागीय पदोन्नति समिति की अनुसंधानों पर व्यवन के आधार पर रु

1500-60-1800 के वेतनमान में गंचार गणठन में उप नियंत्रक/संचार नियंत्रक के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र है।

विभागीय पदोन्नति भवित्व द्वारा व्यवन करने पर मिशन विभानन विभाग में पदोन्नति की अंद्रेश्वारा में आगामी उच्चतर पद, रु 1800-100-2000 के वेतनमान में गंचार नियंत्रक, नियंत्रक, रेडियो निर्माण और विभाग प्रक्क, नियंत्रक, प्रशिक्षण तथा लाइसेंसिंग और क्षेत्रीय नियंत्रक, रु 2000-125/2-2500 के वेतनमान में उप सहानियेश्वक और रु 3000 (नियन) के वेतनमान में सहानियेश्वक के पात्र है।

(1) सेवा की अपेक्षाओं के अनुगार इन सेवा-शर्तों में परिशोधन किया जा सकता है। यदि वाद में लागू की जाने वाली सेवा शर्तों में परिवर्तन करने से किसी पर कोई प्रतिक्रिया पड़ता है तो उम्मीदवार किसी क्षतिपूर्ति के हकदार नहीं होते।

(अ) मिशन विभानन विभाग में संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पदों के वेतनमान नीचे दिये गये है:—

(i) संचार अधिकारी (ग्रा क) :—रु 700-40-900-द० रो०-10-1100-50-1300।

(ii) तकनीकी अधिकारी (ग्रा क) :—रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

(आ) यदि आवश्यकता हुई सो संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्ति किये गये व्यक्ति को भारत की रक्षा में गम्भीर किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) महिल वय से कम १ वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से मम्बद्ध पद पर कार्य करना होता, किन्तु उस व्यक्ति को:—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोन्नति स्पष्ट में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) मासान्तर: 45 वर्ष की वयु हो जाने के बाद पूर्वोन्नति स्पष्ट में कार्य नहीं करना होगा।

(1) तकनीकी अधिकारी ग्रा क और संचार अधिकारी ग्रा क के पर (पदों) में मम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

#### तकनीकी अधिकारी और संचार अधिकारी

उपर्युक्त वर्गों के अधिकारियों का कभी कभी वैमानिक संचार-केन्द्रों पर भी तैनात किया जाता है जहाँ रेडियो गंचार और मध्यावधी उपकरणों का अनुरक्षण होता है और विभिन्न उपकरणों और प्रवालन स्थितियों का प्रबल्ल करने के लिये वहाँ भी तकनीकी परिवालन स्टाफ नियोन्नित किया जाता है।

किन्तु बृहत् ए० सी० स्टेशनों में "संचार और तकनीकी अधिकारी" वरिष्ठ वेतनमान वाले अधिकारी के प्रणालिक नियंत्रणीय कार्य करने हैं। इन परिस्थितियों में उनके द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण: उनके स्टेशन के द्विनप्रतिविवरण प्रणालन का होता। वे अधीनस्थ बेन्फ्रीय मूल्यालयों और अन्य कार्यालयों से भी सम्बद्ध हैं।

रेडियो निर्माण तथा विभास प्रक्क, या केन्द्रीय रेडियो बैंडार डिपो में, जहाँ कार्य मूल्य स्पष्ट में उपकरणों और मध्यकर्त्ता विषयों के परीक्षण तथा मंस्थापन से सम्बद्ध होता, केवल तकनीकी अधिकारियों को ही नियंत्रण किया जाता है।

प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करने वाले तकनीकी/संचार अधिकारियों के कर्तव्य

वैमानिक संचार स्टेशन

ए.० सी० स्टेशन का सामान्य प्रशासन और प्रनालीयनिक नियन्त्रण जिसमें नियन्त्रित नियन्त्रित है—

- (i) विविध रेडियो/संचालनीय एकांकों का कुशल अनुग्रहण,
- (ii) पूरे स्टाफ की बेतन तथा भौतिकों का संविचारण,
- (iii) भड़ारों से संबद्ध सी० पी० डब्ल्य० ए० ऐचों से सम्बद्ध हिमाच का रख रखाव, उचित प्राधिकारियों का प्रावधिक विवरणिया प्रस्तुत करना;
- (iv) विविध उपकरों के लिये पर्याप्त अनिवार्य सामग्री की व्यवस्था,
- (v) अपने अधीन एकांकों में विभिन्न वर्गों के स्टाफ को भेजना
- (vi) द्वारा अद्वैत, सौम्यम विज्ञान, पायर लाइन, आदि के प्रधिकारियों के साथ पर्याप्त सम्पर्क।
- (vii) सामान्यतः वैमानिक संचार स्टेशनों से अधिकतम दक्षता में कार्य करना।

प्रमुख स्टेशन/रेडियो नियन्त्रण एकक, रेडियो भौतार डिपो में नियुक्त तकनीकी प्रधिकारी के कर्तव्य

सी० ए० शी० में प्रयुक्त विभिन्न श्रेणियों के रेडियो तथा रेडार/संचालनीय उपकरणों के स्वीकारी परीक्षण, संस्थापन गौर प्रतिविनियोग का अनुरक्षण।

अस्तरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विभाग के संचालनीय महायक उपकरणों का उडान परीक्षण।

संचालनीय महायक उपकरणों आदि के संस्थापन त्रैते स्थानों को चुनते और संस्थापन के प्रयोजन के लिये एकांकों के आपात प्रतिस्थापन तथा नियन्त्रण से सम्बद्ध कार्य का विकास।

विभाग में प्रयोग में आने वाले उपकरणों के लिये अन्यतों तथा विवेशी प्रधिकारियों में विभिन्न श्रेणियों के अनिवार्य पाठ्म उपलब्ध कराना।

प्रमुख स्टेशनों में नियुक्त "संचार अधिकारियों" के कर्तव्य

स्टेशन में विविध संक्रियात्मक सुविधाओं, जिसमें भू-लाइन और रेडियो टेलीटाइप बैनल, मोर्स परिपथ, हंटरकाम तथा अन्य स्थानीय परिपथ मन्त्रित है, के कुशल संचालन के लिये जिम्मेदार।

पूरी पारी का पूरा चार्ज लेने पर उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि अप्पी तकनीकी एकक/टैलीप्राफ परियों का ठीक प्रकार में कार्य संचालन हो।

वैमानिक सूचना सेवा में सम्बद्ध सामग्रे—वाय सेविकों का सूचनाओं का प्रमार करना। विमान कर्मचारियों को संक्षेप में अताना तथा समवर्गीय सामग्रे।

17. भारतीय नीसेना आयोज सेवा।

(क) पवर पर नियुक्ति के लिये चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाद्वारा नियुक्त किया जाएगा गौर यह प्रवधि सकाम प्राधिकारी की विवक्षा पर बढ़ाई जा सकती है। सकाम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि सतोष-जनक संपर्क से पूरी तरफ लेने पर उन्हें सेवा मुक्त किया जा

5-21GI/79

मिलेगा। परिवीक्षा प्रवधि के अन्तर्गत उन्हें ४-१२ महीने की अवधि के लिये एक सकामीकी प्रशिक्षण पर जाने होगा और उदादा में ज्यादा सीन प्रयास में विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण करनी होगी। यदि वह विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं तो सरकार की विवक्षा पर उनकी मेंकाप समाप्ति की जा सकती है। उन्हें प्रशिक्षण पर जाने से पहले रु १५,००० (समय समय पर धनतराणि में परिवर्तन किया जा सकता है) के लिये एक बन्ध-पत्र पर भी हस्ताक्षर करने होंगे जिसके अनुसार उन्हें प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद नीन वर्ष की अवधि के लिये भारतीय नीसेना में अनिवार्य मेंका करनी होगी।

(ख) सकाम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थाई नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किसी सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके तरह समाप्त होंगी। भाग के लिये बेतन तथा भौतिकों के बगवार की गणिका भुगतान करके तकाल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) वे समय समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किये गये आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रवत्त विविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिये नागू भवा-शर्तों के अधीन होंगे जो समय-समय पर संशोधित फीस और विविम दायित्व नियमावली १९५७ के अधीन होंगे।

(घ) उनका भाग या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

(इ) बेतनमान तथा वर्गीकरण—पूर्प का—राजपत्रिम, बेतनमान रु ७००-१३००।

(ज) उच्चतर प्रेडों से पदोन्नति के अवधि—

(क) उप आयुध पूर्ति प्रधिकारी प्रेड I

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उन आयुध पूर्ति प्रधिकारी प्रेड II विभागीय पदोन्नति समिति की अनुमानों पर बत्य के आधार पर रु ११००-१६०० के बेतनमान में उस आयुध पूर्ति प्रधिकारी प्रेड I के प्रेड II में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं प्रधिकारियों की पदोन्नति के लिये विवार किया जाएगा जिन्होंने उन्हीं विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो आई० आई० टी० किरकी में तकनीकी प्रशिक्षण कीर्ति, नीन भेना तकनीकी स्टाफ प्रधिकारी कीर्ति के बावजूद नीर्दित होंगे।

विभागीय परीक्षा की पाठ्यचर्चा नींव दी गई है—

1. नीसेना आयुध डिपो, विभागापाटनम

(क) शाला-कार्य (तीन मास)

(ख) गत बहुक तकनीकी कोर्स I

(ग) गोला बाह्य तकनीकी कोर्स I ३७ माहाह

(घ) प्रशासनिक शश लेन्ड्रा कोर्स

(इ) बालामौर, कोलीपोर, ईणापोर और अबलपुर देखने जाना।

2. गनरी स्कूल तथा टी० ए० एस० स्कूल

3. भारी बाह्य कारबगाना, अवाई और कार्डिट कारबगाना अबुबगानु देखने जाना 2½ मप्ताह

## 4. नीसेना आयुध टिपा, अम्बई

(क) गन्धर्वार्क सरकारी कोर्स II

(ख) गोला वाहन तकनीकी कोर्स II

5 मप्ताह

(ग) आयुध कारखाना, अम्बरनाथ बेखने जाना।

## 5. आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान, किरकी

6. एच० ह० कारखाना, शास्त्रागार, ए० आर० डी० ह० और ह० आ० डी० ए०, किरकी देखने जाना। 4½ मप्ताह

7. नीसेना सुख्यालय, नई दिल्ली जाते हुए आयुध कारखाना तथा शैन आमंस फैक्टरी, कानपुर देखना ½ मप्ताह

## 8. नीसेना मुख्यालय, नई दिल्ली

दिल्ली रक्षा विभान प्रयोगशालाएँ देखने जाना।

‘इंजीनियर परीक्षा

(ii) नीसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप आयुध पूर्ति अधिकारी, ग्रेड I के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर १३००-५०-१७०० के वेतनमात्र में नीसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iii) नीसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नीसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में ३ वर्षों की सेवा की हो। उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर १५००-६०-१८०० के वेतनमात्र में नीसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iv) आयुध पूर्ति निवेशक—

संबद्ध ग्रेड (ग्रेडों) में पांच वर्ष की सेवा रखने वाले नी-सेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड/साधारण ग्रेड) उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर १८००-१००-२००० के वेतनमात्र में आयुध पूर्ति निवेशक के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

नोट 1.—नीसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड), नीसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) और आयुध पूर्ति निवेशक के वेतन मात्र परिवर्तित किये जा सकते हैं।

नोट 2:—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियमित के तकाल पहले किसी आधिकारिक पद के प्रतिरिक्षण मूल रूप में स्थायी पद धारण किये हुए थे, एच० आर० २२ष(i) के प्रावधानों तथा भारतीय नीसेना परिवीक्षाधीन अधिकारी को लागू सी० एस० आर० के तवनुस्पी प्रारूपों के प्रशीन विनियमित किया जा सकता है।

(ज) भारतीय नीसेना, रक्षा मंत्रालय में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड II के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा वायिकों का स्वरूप।

(i) विविध यात्रिक इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैधुत माध्यनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, आणोधन तथा अनुरक्षण से सम्बद्ध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निवेशन।

(ii) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहॉल के लिये इलेक्ट्रॉनिक तथा वैधुत उपकरणों की मणीनगी का उपलब्ध कराना।

(iii) आयात प्रनिष्ठापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्कैडरी अधिकल्पन विधिविद्या नेयर करना।

(iv) आयुध के लिये यात्रिक इलेक्ट्रॉनिक तथा वैधुत अतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।

(v) आयुध (मिगाइल्स टार्पेजीज, माइन्स तथा गन) मारने वाले यंत्रों आदि के यात्रिक इलेक्ट्रॉनिक पदा वैधुत मदों के उप सम्बद्धतया तथा समुच्छयों का आवधिक अणकान परीक्षण/जांच।

(vi) फ्लीट तथा नीसेना प्रतिष्ठानों को आयुध सामग्री की पुरी

(vii) आयुधों के बारे में यात्रिक, इलेक्ट्रॉनिक, तथा वैधुत इंजीनियर से सम्बद्ध सभी भागों में सम्बद्ध सेवा को नकलीकी सलाह देना।

## 18. सीमा मड़क इंजीनियरी सेवा सुप 'क'

(i) चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की प्रवधि के लिये महायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर परिवीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को परिवीक्षा प्रवधि के अन्तर्गत ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करती है जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाये। परिवीक्षा प्रवधि समाप्त होने पर, यदि सरकार की गय में उसका कार्य या आचारण असतोष-जनक पाया गया है तो सरकार उसको सेवा मुक्त कर सकती है या परिवीक्षा प्रवधि इन्हें समय तक बढ़ा सकती है जैसा यह उचित समझे।

(ii) चुने गये उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें गृह नपा गानि के क्षेत्र समिलित है, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिये निर्धारित विकासा मानकों के अनुगाम चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(iii) उनको भाष्य वेतन की दरें मिलायित हैः—

महायक कार्यकारी इंजीनियर—र० 700-40-800 र० र० 40-1100-50-1300।

कार्यकारी इंजीनियर—र० 1100(छठे वर्ष या इससे कम)–५०-1600।

प्रधीक्षण इंजीनियर—र० 1500-60-1800-100-2000।

मुख्य इंजीनियर (सिविल ग्रेड II)—र० 2000-125/2-2250।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड I—र० 2250-125/2-2500।

(iv) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियमित किए गए अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षण, इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियरी के अधिकारियों के लिये लात्) के उच्चतम ग्रेडों में पदोन्नति की प्रत्याशी कर सकते हैं।

(v) सेवा में नियुक्त अधिकारी जब कुछ विनियिक्षण श्रेदों में लगाए जाएं तो वे केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को भाष्य भरने के अतिरिक्त विशेष प्रतिरूप भरने तथा निःशुल्क राशन के हकदार हैं। वे वर्षी के लिये मज़जा भरने के भी हकदार हैं।

## 19. आक तार मिलिल इंजीनियरी स्कॉल में महायक कार्यकारी इंजीनियर/महायक इंजीनियर (मिलिल/वैधुत)।

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तिया, परिवीक्षा आचारण पर की जाएगी जिसकी प्रवधि वो वर्ष होगी। उन्हें यथा निर्धारित प्रशिक्षण भेना गया। यदि सरकार की राश में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचारण संतोषजनक न हो या उसमें यह आभान हो कि उसके कार्यक्रम द्वारा नियुक्त की भूमिका नहीं है, तो सरकार उसे तकाल सेवा मुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की प्रवधि पूरी होने पर यदि स्थाई रिक्तिया उपलब्ध हुईं तो सरकार उसकी नियुक्ति को स्थाई बना सकती है और यदि

मरकार की राय में उनका कार्य या आचरण समोषजनक न रहा हो सो मरकार उसे या सो सेवामन्त्र कर सकती है या उनकी परिवीक्षा भवधि को जिसना उचित भवते और बढ़ा सकती है।

प्रशिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएँ उमीद करनी होगी जो परिवीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाएँ। उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ब) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी को प्रपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिये काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि सम्पूर्ण है परन्तु उस अवधि को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की भावात्मि के बाद पूर्वोक्त रूप से कायं नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 10 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कायं नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्त बेतन वरे निम्न प्रकार है—  
मुप व भवा० कार्यकारी  
इजी० (मिलिस) रु० 650-30-740-35-810-८० रो०-३५-८८०-  
४०-१००० द० रो०-४०-१२००।

सहायक कार्यकारी इजीनियर शुप व रु० 700-१०५०-८०-८०-  
४०-४०-१००-५०-१३००।

कार्यकारी इजीनियर/एम० उच्च्य० रु० 1100-1600 अधीक्षण  
इजीनियर/एम० एम० उच्च्य० रु० 1500-60-1800-100  
2000।

मध्य इजीनियर (1) रु० 2250-125/2-2500।

(घ) डाकनार मिलिं स्थन्य में उक्त पद से जो कर्त्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध है वे नीचे लिये गए हैं—

इजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से डाकनार मिलिं स्थन्य में भर्ती हो उम्मीदवारों को डाकनार विभाग के विभिन्न मिलिं निर्माणों के जिनमें आशासीय भवन, कार्यालय भवन, वृग्राम-वैन्द्र-भवन डाकनार भवन, कार्यालय, भड़ार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि अभिनित हैं आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाए जाते हैं। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा महायक कार्यकारी इजीनियर/महायक इजीनियर के रूप में भुक्त होते हैं और सेवा करने करने विभाग के विभिन्न विभिन्न पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

20 तकनीकी विकास महानिदेशालय में महायक विकास अधिकारी (इजीनियरी) का पद—

(अ) तकनीकी विकास महानिदेशालय में महायक विकास अधिकारी (इजीनियरी) के पद पर भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहते हैं।

(ख) इस शुप "क" राजपत्रित पद का बेतनमान रु० 700-४०-  
९००-८० रो०-४०-११००-५०-१३०० है।

(ग) उक्त श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा के बाद सहायक विकास अधिकारी तकनीकी विकास महानिदेशालय में रु० ११००-५०-१५००-८० रो०-६०-१८०० के बेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र होते हैं। विकास अधिकारी के सवर्ग में 60% पद पदोन्नति होता भर जाते हैं। विकास अधिकारी औद्योगिक परामर्शदाता (रु० 2000-125/2-2500) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। औद्योगिक परामर्शदाता उप महानिवेशक (रु० 2500-125/2-3000) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं तथा उप महानिवेशक इसके बादमें तकनीकी विकास महानिवेशक (रु० 3000/- बेतन आयोग की अनुशंसा के

आधार पर परिवेशित किया जा सकता है) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किये जाने वाले अधिकारी को आवश्यक होने पर किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि सहित, यदि कोई है, कम से कम ५ वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा में सबद्ध किसी पद पर कायं करना होगा किन्तु उस अवधि को—

(i) ऐसी नियवित के दम वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कायं नहीं करना होगा,

(ii) बालीय वर्ष की आयु प्राप्त कर नेन के बाद सामान्यतया पूर्वोक्त रूप में कायं नहीं करना होगा।

(इ) महायक विकास अधिकारी के पद में सबद्ध कायं और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उसे सम्बद्ध प्रभागों अर्थात् यात्रिक इंजीनियरी, औद्योगिक मशीनरी, मशीन औद्योग, बैचूत् इंजीनियरी, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी, उद्योग आदि, उद्योग के विकास अधिकारी की महायता करनी है।

#### परिपिट—IV

सघ साक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनाय विवरणका

क वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उनको "वस्तुपरक परीक्षण" बहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैसला किये जाने वाले हैं। इस प्रत्येक प्रश्न (जिसको आपने प्रश्नाण किया जाएगा) के लिये कई सभाय उत्तर दिये जाने हैं। उनमें से प्रत्येक के लिये एक उत्तर (जिसको आपने प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन नेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिसमें कि परीक्षा के स्वरूप से परिवित न होने के कारण आपको कोई हार्न न हो।

ख परीक्षण का स्वरूप

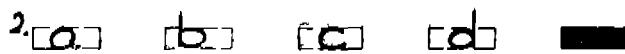
प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होते हैं। इस पुस्तिका में कम सम्भा० 1, 2, 3 के कम से प्रश्नाण होते हैं। हर प्रश्नाण के नीचे a, b, c, ... कम से सभात्तिन प्रत्युत्तर लिख देंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक मही या यदि एक में अधिक प्रत्युत्तर मही है तो उनमें से सर्वोत्तम प्रश्नार का चुनाव करना होगा। (अन में दिये गये नमूने के प्रश्नाण देख ले)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नाण के लिये आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक में अधिक चुन नेने हैं तो आपको उत्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर बेतन की विधि

उत्तर देने के लिये आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर जाने नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नाणों की सम्भाण 1 से 200 तक चार छड़ी में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नाण के सामने a, b, c, d, e, ..... के कम से प्रश्नार छड़े होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाण को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद किसी कागज पर लिखे गये उत्तर जाने नहीं जाएंगे। आपको उस प्रकार को दर्शाने वाले आयत को पेनिल से काला बना कर उसे अकिन कर देना है, जैसा कि सम्मन उत्तर पत्रक के नमूने पर

दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के मायत को काला बनाने के लिये स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



आपके उत्तर पत्रक में दिये गये उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन में किया जाएगा। जो गलत उत्तर, एच० बी० पेसिल के अनिकित दूसरी पेसिल के प्रयोग और विकृत उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुग्राही है। इसलिये यह जल्दी ही कि प्रमाणांशों के उत्तरों के लिये भवल अच्छी किस की एच० बी० पेसिल (पेसिलो) ही नाम और उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पेसिलों या येन के द्वारा बनाए गए निशान, सभव है, मशीन से ठीक-ठीक न पड़े जाएं।

2 अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उम्म पूरा मिटाकर किर में सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3 उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी प्रमाणधानी न हो जिसमें वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व मलबट आविष्कार किए जाएं और वह देखा हो जाए।

#### घ कुछ महत्वपूर्ण नियम

1 आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय में बीम मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँचना होगा और पहुँचते ही आपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2 परीक्षण घुर्ह छोंते के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में विशेष नहीं दिया जाएगा।

3 परीक्षा घुर्ह होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलती।

4 परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक को सौप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर न जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा बड़ा दिया जाएगा।

5 उत्तर पत्रक पर नियन्त्रण स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, आपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्थाही से माक साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6 परीक्षण-पुस्तिका में दिये गये सभी अनुवंश आपको मावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिये सभव है कि इन अनुदेशों का मावधानी में पालन न करने में आपके गंभर कम हो जाए। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि सविग्रह है, तो उस प्रश्नांश के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यंतेक के लिये गये अनुवंशों का पालन करें। जब पर्यंतेक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुवंशों का तत्काल पालन करें।

7 आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेसिल, एक रबड़, एक पेसिल शार्पेनर और नीली या काली स्थाही वाली कलम भी लानी होती। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जल्दत नहीं होती। कच्चे काम के लिये आपको एक अलग

कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखे और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यंतेक को पास कर दें।

#### इ. विशेष अनुदेश-

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना आपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बावजूद निरीक्षक आपको परीक्षण-पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाथिये में सील लगी होती है जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरत आप वेद लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा उसे बदलना लायें। जब वह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक से सम्बन्ध खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक आप उसे न नोडें।

#### न. कुछ उपयोगी सुझाव-

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जाचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का वक्तव्या में उपयोग करें। सतुरत के साथ आप कितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बड़े पर लापत्ताही न हो। अगर आप मर्मी प्रश्नों का उत्तर महीने नहीं दें पाते हो तो चित्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय ब्याप्त न करें। दूरसरे प्रश्नों की ओर बढ़े और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में चित्तार करें।

मर्मी प्रश्नों के अक समान होते हैं। मर्मी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अकित मर्मी प्रश्नों की संख्या के आधार पर ही आपको अक दिये जायेंग। गलत उत्तरों के लिये अक नहीं काटे जायेंग।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उत्तरों आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा जानकारी सूक्ष्म-क्षम और विशेषण-क्षमता की परीक्षा होती है। आपके लिये यह लाभदायक होता कि आप सगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख ले और इस बात से अस्वस्ति हो जायें कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझ सकते हैं।

#### छ. परीक्षण का समाप्त-

जैसे ही परीक्षण आपको लिखना बन्द करने को कहे जाए तब आप निखाना बढ़ कर दें।

जब आपको उत्तर लिखना समाप्त हो जाये तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहे जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाए और आपको “शुल” छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

#### नमूने के प्रश्न-

1 मौय वण के पतन के लिये निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तर दिया जानी है?

- अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमज़ोर थे।
- अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तसा थी।

उत्तर (d)

2 मस्तीय स्वरूप की सरकार में

- विद्यायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरवायी है।
- विद्यायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरवायी है।

- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।  
 (d) स्वायथपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।  
 (e) कार्यपालिका स्वायथपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- उत्तर (c)
3. पाठ्यालोक के छात्र के लिये पाठ्यतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोगन  
 (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।  
 (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।  
 (c) नियन्त्र कक्षान्कार्य से राहत देना है।  
 (d) शिक्षा के कार्यक्रम से विकल्प देना है।
- उत्तर (a)
4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है:  
 (a) शुक्र  
 (b) मंगल

**MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF REVENUE)**  
New Delhi, the 26th March 1979

**RESOLUTION**

F.No. A-11013/181/77-Ad.IV.—In partial modification of the orders contained in para 4 of the Resolution No. A-11013/181/77-Ad.IV dated 28-9-1978, the Government of India have decided that 'Central Excise Sugar Rebate Scheme (Review) Committee' will submit its report to the Ministry of Finance (Department of Revenue) by the end of August, 1979.

**ORDER**

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

R. D. SHARMA, Under Secy.

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)**

New Delhi, the 28th March 1979

**RESOLUTION**

No. 14013/1/77-FR.—The Government of India have decided to extend the time limit for submission of its report by the 'Suratgarh Farm Investment Evaluation Committee' set up vide this Ministry's Resolution No. 11-33/68-FR (Vol. II) dated 31st July, 1976, upto 30-6-1979.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution may be communicated to :-

- All State Governments/Union Territories.
- Lok Sabha Secretariat.
- Rajya Sabha Secretariat.
- Prime Minister's Office.
- Cabinet Secretariat.
- Justice Janki Nath Bhat, Chairman, Suratgarh Farm Investment Evaluation Committee, Bccj Bhavan, Pusa Complex, New Delhi.
- Shri R. Rajagopalan, Chief Cost Accounts Officer, Ministry of Finance, Govt. of India, Jeevan Tara Building, Room No. 403, Parliament Street, New Delhi.
- Shri Mangal Behari, Financial Commissioner, Rajasthan, Jaipur.
- Indian Council of Agricultural Research, Krishi Bhawan, New Delhi.
- E. I, E. II, E. III, E. IV, E. V, E. VI, Cash II, Budget Section and Budget Accounts Section, Deptt. of Agriculture, New Delhi.
- Information Officer, Department of Agriculture, New Delhi.
- Chairman, State Farms Corporation of India, Bccj Bhavan, Pusa Instt. Complex, New Delhi.
- Director, Central State Farm, Suratgarh/Jetsar, Rajasthan.
- Pay & Accounts Officer (Sectt.) Ministry of Agriculture & Irrigation, (Dept. of Agriculture), New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. K. RATH, Jt Secy.

- (c) बृहस्पति  
 (d) बुध
- उत्तर (d)
5. बन धौर बाढ़ के पारस्परिक सबध को नियमिति में से कौन-सा विवरण सट्ट करता है?  
 (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षारण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।  
 (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियों उतनी ही गाढ़ से भरी होती है जिससे बाढ़ होती है।  
 (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदिया उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।  
 (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिछल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- उत्तर (c)

**MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE  
(DEPTT. OF EDUCATION)**

New Delhi, the March 1979  
SUBJECT.—Setting up of an Advisory Committee to advise Central Hindi Directorate/CSTT.

No F.5-37/77.D.II(L).—In continuation of the Govt. of India's Resolution dated 28th July, 1978 constituting an Advisory Committee to advise Central Hindi Directorate and the Commission for Scientific and Technical Terminology, the Joint Secretary & Draftsman, Official Languages Wing, Legislative Deptt. Ministry of Law, Justice and Company Affairs is hereby also nominated as member of the said Advisory Committee.

**ORDER**

ORDERED, that a copy of the communication be sent to the Director, Central Hindi Directorate, all State Govts. & Union Administrations, PM's Office, Dep'tt. of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Sectt., Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, President Sectt. and all Ministries & Dep'tts. of Govt. of India.

ORDERED also that this be published in the Gazette of India for general information.

K. K. KHULLAR, Dy. Secy. Languages

**MINISTRY OF ENERGY  
(DEPARTMENT OF COAL)**

New Delhi, the 30th March 1979

**RESOLUTION**

No. F.27/1/78-CL.—The Government of India has been considering the need to generate a greater sense of national involvement in the problems and prospects of the nationalised coal industry. Also, it was desired to devise a mechanism to ensure a smooth flow of fresh ideas to improve the functioning of the industry from all points of view. To achieve these objectives a broad-based committee was constituted on 27-10-1975 representing various interests, which should meet from time to time to discuss the problems of coal production, transportation and consumption and offer suggestions to the Government on the lines on which the various problems could be tackled.

2. The Government of India now reconstitutes the Coal Advisory Council, with the following members :—

*Chairman*

Minister for Energy.

*Vice Chairman*

Minister of State in the Ministry of Energy.

*Members*

- Two Members of Parliament to be nominated by the Chairman.
- Secretary, Department of Coal in the Ministry of Energy.
- One representative of the Department of Power in the Ministry of Energy.
- One representative of the Department of Steel in the Ministry of Steel and Mines.
- One representative of the Planning Commission

6. One representative of the Railway Board, Ministry of Railways.
7. One representative of the Deptt. of Science and Technology.
8. One representative of Directorate General of Technical Development.
9. One representative of Ministry of Fertilizers and Chemicals.
10. The coal Controller.
11. The Director General, Mines Safety.
12. Members (Thermal), Central Electricity Authority.
13. One representative of Steel Authority of India Ltd.
14. One representative of Tata Iron and Steel Co. Ltd.
15. One representative Cement Manufacturers' Association of India.
16. One representative of Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry.
17. One representative of Coal Consumers' Association of India.
18. One representative of Federation of Small Scale Industries of India.
19. One representative of Associated Chambers of Commerce and Industry.
20. One representative of All India Brick and Tile Manufacturers' Association.
21. The Chairman-cum-Managing Director, Coal India Ltd.
22. The Chairman-cum-Managing Director, Central Coalfields Ltd.
23. The Chairman-cum-Managing Director, Eastern Coalfields Ltd.
24. The Chairman-cum-Managing Director, Western Coalfields Ltd.
25. The Chairman-cum-Managing Director, Bharat Coking Coal Ltd.
26. The Chairman-cum-Managing Director, Singareni Collieries Company Limited.
27. The Chairman-cum-Managing Director, Central Mine Planning and Design Institute Limited.
28. The Chairman-cum-Managing Director, Mineral Exploration Corporation Limited.
29. The Chairman-cum-Managing Director, Neyveli Lignite Corporation Limited.
30. The Director, Central Fuel Research Institute.
31. The Director, Central Mining Research Station.
32. The Director, Indian School of Mines.
33. The Director, Regional Research Laboratory, Hyderabad.
34. The Director General, Geological Survey of India
35. One representative of Mining, Geological and Metallurgical Institute of India.
36. One representative of Government of West Bengal.
37. One representative of the Government of Bihar.
38. One representative of the Government of Assam.
39. One representative of the Government of Meghalaya.
40. One representative of the Government of Madhya Pradesh.
41. One representative of the Government of Andhra Pradesh.
42. One representative of the Government of Orissa.
43. One representative of the Government of Maharashtra.
44. One representative of the Government of Uttar Pradesh.
45. One representative of the Government of Gujarat.
46. One representative of the Government of Tamil Nadu.
47. One representative of the Delhi Administration.
48. Five representatives of the coal industry workers to be nominated by the Chairman.
49. Shri K. S. R. Chari, Former Secretary (Coal).
50. Shri R. Lal, Managing Director, Andrew Yule & Co., Calcutta.
51. The Director, Department of Coal in the Ministry of Energy.

**Member-Secretary.**

*Tenure.*—The term of the Council will be for a period of two years with effect from the 30th March 1979.

*Functions.*—The functions of the Coal Advisory Council are to advise the Government in regard to all matters of a general character relating to coal and in particular to problems pertaining to planning for the production, transportation, distribution and utilisation of the coal resources of the country.

#### ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all concerned including all the Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Office, the Cabinet Secretariat, the Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, the Planning Commission, Private and Military Secretaries to the President, the Comptroller and Auditor General of India, the A.G.C.W&M., New Delhi.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. BOSE, Jt. Secy.

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 29th March 1979

No. Q-16011/4/78-WE.—In pursuance of Rule 3(g)(iii) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers' Education, the Government of India hereby appoint Shri Quader Nowaz, Joint Secretary to the Government of West Bengal and Shri Saran Prasad, Special Secretary to the Government of Uttar Pradesh, as representatives of the Governments of West Bengal and Uttar Pradesh respectively, on the Central Board for Workers' Education, for a period of two years from the date of issue of this Notification.

2. The following changes will be made accordingly in the Ministry of Labour & Employment Notification No. E&P.4(24)/58 dated the 12th December, 1958/Agrahayana 29, 1880 as amended from time to time.

For the existing entries viz :—

"5. Shri P. Gurumurthi,  
Joint Secretary to the Government of Tamilnadu,  
Labour & Employment Deptt.,  
Madras-600009.

"6. Shri Brijendra Singh,  
Labour Commissioner,  
Government of Rajasthan,  
Jaipur.

The following entries shall be substituted viz :—

- ‘5. Shri Quader Nowaz,  
Joint Secretary to the  
Government of West Bengal  
Labour Deptt. Writers’ Buildings,  
Calcutta-1.
6. Shri Saran Prasad,  
Special Secretary to the Government of  
Uttar Pradesh, Labour Department, Uttar Pradesh.’

No. Q-16011/4/78-WE.—In pursuance of Rule 3(g)(iii) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoints Shri S. L. Chopra, Labour Commissioner and Ex-Officio Secretary (Labour), Delhi Administration, as representative of the Union Territory of Delhi, on the Central Board for Workers’ Education, for a period of two years from the date of issue of this Notification.

2. The following charges will be made accordingly in the Ministry of Labour and Employment Notification No. F&P.4 (24)/58, dated the 12th December, 1958, Agraibhava 29, 1880 as amended from time to time.

For the existing entries viz :—

- “7. Shri J. D. Sharma,  
Labour Commissioner,  
Government of Jammu & Kashmir,  
Jammu.

the following entries shall be substituted viz :

- “7. Shri S. L. Chopra,  
Labour Commissioner and Ex-Officio Secretary  
(Labour),  
Delhi Administration, Delhi.

ASHOK NARAYAN, Dy. Secy.

### MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

#### RULES

New Delhi, the 21st April 1979

No. 78/E(GR)1/2/56.—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1979 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are with concurrence of the Ministries/Department concerned published for general information.

#### CATEGORY I. CIVIL ENGINEERING

##### *Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Engineers
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);
- (iii) Central Engineering Service;
- (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre);
- (v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts);
- (vi) Central Engineering Service (Roads);
- (vii) Assistant Executive Engineer (Civil), (P&T Civil Engineering Wing);
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil), Border Roads Engineering Service.

##### *Group B Services/Posts*

- (ix) Assistant Engineer (Civil) P&T Civil Engineering Wing;
- (x) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing All India Radio;

#### CATEGORY II. MECHANICAL ENGINEERING

##### *Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Indian Supply Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Post);
- (vi) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts);
- (vii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch (Mechanical Engineering Posts);
- (viii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering neering Posts);
- (ix) Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India.
- (x) Assistant Drilling Engineer in the Geological Survey of India;
- (xi) Assistant Manager (Factories) (P&T Telecom. Factories Organisation);
- (xii) Assistant Executive Engineer (Mechanical) Border Roads Engineering Service;
- (xiii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of FMF, Ministry of Defence;
- (xiv) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (xv) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development. Mechanical Engineering Post).

##### *Group B Services/Posts*

- (xvi) Assistant Mechanical Engineer, in the Geological Survey of India;
- (xvii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of FMF, Ministry of Defence.

#### CATEGORY III. ELECTRICAL ENGINEERING

##### *Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers,
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service: (Electrical Engineer Posts);
- (iv) Indian Supply Service (Electrical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Post);
- (vi) Indian Naval Armament Service; (Electrical Engineering Posts);
- (vii) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (viii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P&T Civil Engineering Wing);
- (ix) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadres) (Electrical Engineering Posts);
- (x) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;
- (xi) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development. (Electrical Engineering Post).

*Group B Services/Posts*

- (xii) Assistant Engineer (Electrical) (P&T Civil Engineering Wing);
- (xiii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.
- (xiv) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME Ministry of Defence.

**CATEGORY IV ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING***Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications;
- (v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service;
- (vi) Assistant Station Engineer in All India Radio;
- (vii) Technical Officer in Civil Aviation Department;
- (viii) Communication officer in Civil Aviation Department;
- (ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (x) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);
- (xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (xii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence;
- (xiii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics & Telecommunication Engineering Post)

*Group B Services/Posts*

- (xiv) Assistant Engineer in the All India Radio;
- (xv) Assistant Engineer in Overseas Communications Service;
- (xvi) Technical Assistant (Group B, Non-Gazetted) in Overseas Communications Service;
- (xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

1. Recruitment to the Services/posts mentioned above will be made in accordance with the schemes of examination prescribed in Appendix I to these rules.

A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

He should note that he will be considered for appointment to those services/posts only for which he expresses his preference and for no other Service/post.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of Services/posts covered by the category or categories of Services/posts viz., Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

N.B.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preference for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act 1970; the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968; and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination under these rules shall be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of India origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c) (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 27 years on the 1st August 1979 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1952 and not later than the 1st August, 1959.

(b) The upper age-limit of 27 years will be relaxable up to 32 years in the case of the Government servants of the following categories if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned

in column 1 below and apply for admission to the examination for the corresponding service(s)/post(s) mentioned in Column 2

- (i) A candidate who holds substantially a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.
- (ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years, in the 1st August, 1979.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.F.E. I.R.S.S.E I.R.S.N.E. I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S. Group A C.E. & M.E.S. Group A
Directorate General of Supplies and Disposals	L.S.S. Group A
Engineer-in-Chief Army Headquarters	M.E.S. Group A (B & R Cadre) M.E.S. Group A (E&M Cadre)
Directorate General Ordnance Factories	L.O.F.S., Group A
Central Water Commission	C.W.E. (Group A) service.
Central Electricity Authority	C.P.E. (Group A) Service.
Geological Survey of India	Mechanical Engineer (Junior), Group A.
Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation	Engineer (Group A) Deputy Engineer-in-Charge (Group A) Assistant Engineering (Group B)
Overseas Communications' Service	Technical Assistant Group B Non-Gazetted)
All India Radio	Assistant Station Engineer (Group A) Assistant Engineer (Group B) Assistant Engineer, Group B, (Civil/Electrical) Civil Construction Wing A.I.R.
Civil Aviation Department	Technical Officer (Group A) Communication Officer (Group A)
Indian Navy	Indian Naval Armament Service.
P. & T. Department	Indian Telecommunications Service, Group A Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Group A, P&T Civil Wing Assistant Engineer (Civil/Electrical) Group B, P. & T. Civil Wing Assistant Manager Factories Group A, P&T Telecom Factories Organisation
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
Directorate General of Technical Development	Assist and Development Officer (Engineering) Group 'A'

Note.—The period of apprenticeship, if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession

(c) The upper age-limit of 27 years will be relaxable up to 32 year, also in respect of candidates for the Telegraph Traffic Service Group B in the case of the following:

- (i) A candidate who holds substantially a permanent post in the Posts and Telegraphs Department. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department during the period of his probation.

- (ii) A candidate who has continuously held on a regular basis for a period of not less than 2 years on the 1st August 1979 any of the following tempo posts under the Posts and Telegraphs Department:

1. Repeater Station Assistant.
2. Foreman or Technical Assistant, Telegraph Workshops.
3. Temporary Assistant Engineer, Workshops.
4. Junior Engineer.
5. Workshop Supervisor.

(d) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable:

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

- (ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and the 25th March, 1971;

- (iii) Up to a maximum of eight years, if a candidate belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

- (iv) Up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin, from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

- (v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo Ceylon Agreement of October, 1964;

- (vi) Up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.

- (vii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (viii) Up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

- (ix) Up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (x) Up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and

- (xi) Up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xii) Up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (e) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit or the crucial date viz., 1st August 1979 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limit prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for i.e., (he should have foregone) the examination at least once during the period between June 1975 and March 1977, for which he was eligible in respects.

**NOTE.—**Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-79, not more than one chance will be allowed.

**N.B.—**The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled, if, after submitting his application he resigns from service of his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will however, continue to be eligible if he retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application, to the department is transferred to other department/office will be eligible to complete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer provide his application has been forwarded by his parent department.

#### SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

##### 6. A candidate must have—

- (A) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (B) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (C) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign Universities/College/Institutions and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (D) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or
- (E) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers London held after November, 1959;

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers London, held prior to November 1959 is also acceptable subject to the following conditions :—

(1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination;

- (i) Principles of Radio and Electronics I (Section 'A').
- (ii) Mathematics II (Section 'B').

(2) that the candidates concerned should produce a certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London, in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications; Deputy Engineer-in-Charge, Group A, in Overseas Communications Service; Assistant Station Engineer, Group A, in All India Radio; Indian Naval Armament Service, (Electronics Engineering Posts); Assistant Engineer, Group B, in All India Radio; Assistant Engineer, Group B in Overseas Communications Service and Technical Assistant (Group B-Non-Gazetted) in Overseas Communication Service, may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below, namely:

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

**NOTE 1.—**A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result may, apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 15th December, 1979.

**NOTE 2.—**In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

**NOTE 3.—**A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7 Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9 The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10 No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission

11 A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or document which have been tampered with; or

- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the [script(s)]; or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff-employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/ posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having

regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Sundays and closed holidays except second Saturdays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways Basant Lane, New Delhi at 9.00 hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take within them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examination or in its venue would ordinarily be acceded to.

*The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.*

The attention of the candidate is invited to the regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to service for which they have competed/expressed preference to the UPSC.

The candidates may also please note :—

- (i) a sum of Rs. 16/- in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

**THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS.**

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of each Service.

#### 18. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other ground for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

P. N. MOHILE  
Secretary.

## APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I : The written examination will comprise of two sections; Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz., Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below.

Part II : Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

## Category I—CIVIL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
<i>Section I—Papers</i>		
General Ability Test	2 hours	200
(Part A : General English		
Part B : General Studies)		
Civil Engineering Paper I	2 hours	200
Civil Engineering Paper II	2 hours	200
<i>Section II—Conventional Papers</i>		
Civil Engineering Paper I	3 hours	200
Civil Engineering Paper II	3 hours	200
Total		1000

## Category II—MECHANICAL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
<i>Section I—Objective Papers</i>		
General Ability Test		
(Part A : General English	2 hours	200
Part B : General Studies)		
Mechanical Engineering Paper I	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	2 hours	200
<i>Section II—Conventional Papers</i>		
Mechanical Engineering Paper I	3 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	3 hours	200
Total		1000

## Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
(1)	(2)	(3)
<i>Section I—Objective Papers</i>		
General Ability Test	2 hours	200
(Part A : General English		
Part B : General Studies)		
Electrical Engineering Paper I	2 hours	200

	(1)	(2)	(3)
Electrical Engineering Paper II		2 hours	200
<i>Section II—Conventional Papers</i>			
Electrical Engineering Paper I		3 hours	200
Electrical Engineering Paper II		3 hours	200
Total			1000

## Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
<i>Section I—Objective papers</i>		
General Ability Test	2 hours	200
(Part A : General English		
Part B : General Studies)		
Electronics & Telecommunications Engineering Paper I	2 hours	200
Electronics & Telecommunications Engineering Paper II	2 hours	200
<i>Section II—Conventional Papers</i>		
Electronics & Telecommunication Engineering Paper—I	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper—II	3 hours	200
Total		1000

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidates capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent. of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional paper of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the examination hall for reference purposes, wherever considered necessary.

## SCHEDULE TO APPENDIX I

## Standard and Syllabus

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

**GENERAL ABILITY TEST**

**Part A** :—General English : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

**Part B** :—General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current even stand of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

**CIVIL ENGINEERING**

(For both objective and conventional type papers)

*Paper I*

## 1. Building Materials and Construction.

Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.

## 2. Solid Mechanics

Stresses, Strains, Failure Theories of solid materials, simple bending and torsion theories, shear centre.

## 3. Graphic Statics

Force polygon, stress diagram.

## 4. Structural Analysis

Analysis of trusses and frames, Introduction to plastic Analysis.

## 5. Design of Metal Structures

Working stress and ultimate strength design of simple structures.

## 6. Design of concrete and Masonry Structures

Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete, ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

*Paper II*

## 1. Fluid-Mechanics Water Resources Engineering

Open channel and pipe flow, Hydrology Design of canals, and hydraulic structures.

## 2. Soil Mechanics and Foundation Engineering

Strength parameters, Faith pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.

## 3. Transportation Engineering including Surveying

Roads, superelevation, Ruling gradient pavements, Traffic controls Design considerations.

## 4. Environmental Engineering

Water purification, Sewage treatment and disposal.

## 5. Construction Planning and Management

Elements of construction practice, Bar charts, CPM, PFRT.

**MACHINING ENGINEERING**

(For both objective and conventional type papers)

*Paper I*

## 1. Thermodynamics

Laws, Properties of ideal gases and vapours, Power cycles Gas Power cycles Gas Turbine Cycles Fuel and combustion

## 2. IC Engines

CI and SI Engines Detonation, Fuel injection and carburation Performance and Testing, Turbo jet and Turbo prop. Engines, Rocket Engines. Ele-

mentary knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.

## 3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines

Modern boilers. Steam Turbines, types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for Impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.

## 4. Compressors, Gas Dynamics and Gas Turbines

Reciprocating, centrifugal and axial flow compressors. Energy transfer equation. Velocity diagrams. Efficiency and Performance Gas Turbine Cycle with multistage compression. Reheating and Regeneration.

## 5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-conditioning

Conduction. Convection and Radiation. Heat exchangers; types. Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient.

Refrigeration and heat pump cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance, Psychrometric and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes, Cooling and heating loads calculations.

## 6. Fluid Mechanics and Machines

Fluids :—Properties, Pressure, Forces. Buoyancy and stability.

Laminar and turbulent flow, equation of continuity. Energy and momentum equations. Bernoulli's Theorem. Dimensional analysis.

Critical Raynold's number. Boundary Layer concepts. Film Lubrication. Incompressible flow through pipes, critical velocity. Friction loss, loss due to sudden enlargement and contraction. Compressible flow through nozzles.

*Paper II*

## 7. Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) moving bodies; (ii) in machines. Klein's construction, Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and Governors. Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

## 8. Machine Design

Design of Joints—Threaded fasteners and Power Screws—keys, Kotters, Couplings—Welded joints. Transmission systems—Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gears—sliding and Rolling bearings.

## 9. Strength of Materials

Stress and strain in two dimensions, Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams :—Bending moments, shearing forces and deflection.

Shafts :—Combined bending, direct and torsional stresses.

Thick :—Welled cylinders and spheres under Pressure. Springs. Struts and columns. Theories of failure.

## 10. Engineering Materials

Alloys and Alloving Materials, heat treatment; composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering material.

## 11. Production Engineering

Metal Machining :—Cutting Tools; Tool Materials, Wear and Machinability, measurement of cutting forces.

Processes —Machining—Grinding, Boring, Gear Manufacturing, Metal forming Metal casting and Joining, Basic, Special purpose, Programme and numerically—Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements)

## 12. Industrial Engineering

Work study and work measurement Wage incentive Design of Production System and Product Cost Principles of Plant lay out Production Planning and Control Material handling Operations Research Linear Programming Queueing Theory Value Engineering Network Analysis CPM and PERT Use of Computers

## ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

### Paper I

#### 1 Electrical Circuits

Network theorems Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs Frequency domain analysis Two-port networks, elements of network synthesis Signal-flow graphs

#### 2 EM Theory

Electrostatics : Magnetostatics using vector methods Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials Time varying fields, Maxwell's equations Planewave propagation in conducting & Dielectric media, properties of Transmission lines

#### 3 Material Science (Electrical Materials)

Band Theory Behaviour of dielectrics in static and alternating fields Piezoelectricity, Conductivity of Metals Super conductivity, Magnetic Properties of Materials, Ferro and ferri magnetism Conduction in Semiconductors, Hall effect.

#### 4 Electrical Measurements

Principles of Measurement Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments, VTVM & CRO, Q-Meter, Spectrum analyser Transducers and measurement of non-electrical quantities Digital measurements, telemetering, data recording and display

### Paper II

#### 5 Elements of Computation

Digital system, algorithms, flow-charting Storage Type statements, array storage Arithmetic expression, logical expressions Assignment statements Programme structure Scientific & Engineering applications

#### 6 Power Apparatus & Systems

Electromechanics : Principles of electro-mechanical energy conversion Analysis of DC, synchronous and Induction Machines Fractional horse-power motors Machines in Control Systems, Transformers Magnetic Circuits & Selection of motors for drives

*Power System* Power generation Thermal Hydro and Nuclear Power Transmission, Corona, Bundle conductors, Power System Protection Economic operation Load frequency-control stability analysis

#### 7 Control Systems

Open-loop & closed loop systems, Response analysis, Root-locus technique, stability, compensation & design techniques State-variable approach

#### 8 Electronics & Communication

*Electronics* Solid state devices and circuits small signal amplifier design, Feedback amplifiers, Oscillators and operational amplifiers, FET circuits and linear ICs, Switching circuits Boolean Algebra, Logic

circuits, Combinational and sequential digital circuits

*Communications*. Signal analysis, Transmission of signals. Modulation & Detection Various types of communication systems. Performance of communication systems

## ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and Conventional type papers)

### Paper I

#### 1 Materials, Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components—types and properties Active components—types and properties Solid State Devices—physics, characteristics and models

#### 2 Net-Work Theory

Net-work Theorems Steady State and transient response of electric circuits Network analysis. Elementary network synthesis

#### 3 Electromagnetic Theory

Field theory Transmission line theory. Antenna Theory Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media

#### 4 Measurements and Instrumentation

Measurement of basic electrical quantities Measuring Instruments and their principles of working Transducers Measurement of non-electrical quantities.

### Paper II

#### 1 Linear and Non-linear Analog Circuits

#### 2 Digital Circuits

Logic circuits and Gates Computing Circuits Combinational and sequential circuits

#### 3 Control Systems

Feedback theory Control systems components Response of Control Systems Design of practical system.

#### 4 Communication Systems

Basic Information Theory Modulation and Detection processes Various types of communication systems Radio and Line communication Television and Radar Navigational Aids Satellite communication-principles.

#### 5 Microwave Engineering

Microwave Sources Microwave Components and networks Measurement of microwave frequencies Microwave Communication Systems

## APPENDIX II

### REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
<b>Railway Engineering Services, (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.</b>			
(a) For Male candidates	152 cm.	84cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

(c) For the Military Engineer Services, Group A and the Indian Ordnance Factories Service, Group A, a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

### 3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

### 4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements, fractions of less than half a centimetre should not be noted.

*N.B.—*The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fractions of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Services	Distant Vision		Near Vision	
	Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
	(Corrected vision (Corrected vision))			
1	2	3	4	5

### A. Technical

- 1. Railway Engineering Services, (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)
- 2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A, Central Water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central (Engineering) Services (Roads) Group A and Indian Telecommunications " Service Group "A," Assistant Executive Engineer [Civil & Electrical] Group "A (P & T) Civil Engineering Wing]; Assistant Engineer [Civil & Electrical] Group B (P&T) Civil Engineering Wing]; Post of Engineer, Group A, in W.P. & C. Wing Monitoring Organisation, Ministry of Communications/ Deputy Engineer-in-Charge, Group A, in OCs, Assistant Station Engineer, Group A, in AIR, Technical Officer, Group A, in Civil Aviation Department, Communication Officer Group A, in Civil Aviation Deptt. Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance, Factories Service, Group A, Border Roads Engineering Service Group 'A'

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

Assistant Engineer, Group B in AIR, Assistant Engineers, Group B, in OCS and Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in OCS, and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development

Military Engineer Services, Group A, and post of Assistant Manager (Factories) Group A P & T Tele-communication Factories Organisation

6/6	6/18	J/I	J II
-----	------	-----	------

6/9	6/9
-----	-----

#### B. Non-Technical

4. Indian Railway Stores Service Indian Supply Service, Group A, Assistant Drilling Engineer Group A and Mechanical Engineer (Jr.) Group A in the Geological Survey of India.	6/9	5/12	J I	J II
---	-----	------	-----	------

#### NOTE : (1)

(a) In respect of the Technical Services intentioned at A above, the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed —4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00 D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia, the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the even of any pathological condition being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

#### NOTE : (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at Indian Telecommunication above except the Service, Group A, and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into a higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher grade of colour percep- tion	Lower grade of colour percep- tion
1. Distance between the lamp and the candidate . . .	16'	16'
2. Size of aperture . . .	1.3 mm	13mm
3. Time of exposure . . .	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with

the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

#### Technical Services or posts requiring higher grade colour perception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Central Power Engineering Service
- (v) Communication Officer Group 'A' Civil Aviation Department.
- (vi) Technical Officer Group 'A', Civil Aviation Department.
- (vii) Assistant Manager (Factories) Group 'A', (P&T Telecom. Factories Organisation).
- (viii) Border Roads Engineering Service Group 'A'.

#### Technical Services or posts requiring lower grade colour perception

- (i) Central Engineering Service
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service;
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Officers, (Civil & Electrical), Group A (P&T, Civil Engineering Wing);
- (vii) Assistant Station Engineer, Group 'A', AIR.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless, Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Dy. Engineer-in-charge Group 'A', Overseas Communication Service.
- (x) Assistant Engineer (Civil Electrical, Telecom. & Electronics), Group 'B', AIR
- (xi) Assistant Engineer (Civil & Electrical) Group 'B', P&T, Civil Engineering Wing).
- (xii) Assistant Engineer, Group 'B', Overseas Communication Service.
- (xiii) Technical Assistants, Group 'B' (non-gazetted), Overseas Communications Service.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Fbridge's Green's lanterns shall be used for testing colour vision

NOTE (3) *Field of vision.*—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter

NOTE (4) *Night Blindness.*—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board.

**NOTE (6) Ocular conditions, other than visual acuity.—**

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint*.—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye of amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect be that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has :

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision :

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/Services classified as "TECHNICAL".

**NOTE (7) Contact Lenses.**—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses, is not to be allowed.

**NOTE (8)** It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 footcandles.

**NOTE (9)** It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for spec. reasons.

**7. Blood pressure.**

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

**N.B.**—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

**Method of taking Blood Pressure**

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercises or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sound represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period or time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear as a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospitable and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

8. (a) A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

9. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case, it is defective the candidate should be got examined by the ear specified : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Service, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group 'A' and Central Electrical Engineering Service Group 'A', and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

(1) Marked or total deafness Fit for non-technical jobs if in one ear, other ear being the deafness is upto 30 decible in higher frequency.

(2) Preceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decible in speech frequencies of 1000 to 4000.

(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type. (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present —temporarily unfit.

Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

	(ii) Marginal or attic perforation in both ears unfit.
	(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.  (ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.
(5) Persistently discharging ear-operated/unoperated	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.  (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.  (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily Unfit.
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign tumours—Temporarily unfit.  (ii) Malignant Tumours—Unfit.
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
(10) Congenital defects of ear, nose or throat:	(i) If not interfering with function fit.  Stuttering of over degree—unfit.
(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.]
	(b) that his/her speech is without impediment;
	(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
	(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
	(e) that there is no evidence of any abdominal disease;
	(f) that he is not ruptured;
	(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
	(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
	(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
	(j) that there is no congenital malformation defect.

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination;

(m) that he is free from communicable disease.

10. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

**NOTE.**—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

#### *Medical Board's Report*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unsuiting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments, in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in board terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion



Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis.
Distant Vision	R.E.				
	L.E.				
Near Vision	R.E.				
	L.E.				
Hypermetropia	R.E.				
(Manifest)	L.E.				
4. Ears : Inspection .....		Hearing Right Ear .....			
		left ear .....			
5. Glands .....		Thyroid .....			
6. Condition of teeth .....					
7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.					
If yes, explain fully .....					
8. Circulatory system :					
(a) Heart : Any organic lesions ?					
Rate .....		Standing .....			
After hopping 25 times .....					
Two minutes after hopping .....					
(b) Blood Pressure : Systolic .....					
Diastolic .....					
9. Abdomen : Girth .....		Tenderness .....			
Hernia .....					
(a) Palpable Liver .....		Spleen .....			
		Kidneys .....			
		Tumours .....			
(b) Haemorrhoids .....		Fistula .....			
10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities .....					
11. Loco-Motor System : Any abnormality .....					
12. Genito Urinary System : Any evidence, of Hydrocele Varicocèle etc., Urine analysis :					
(a) Physical Appearance .....					
(b) Sp. Gr. ....					
(c) Albumen .....					
(d) Sugar .....					
(e) Casts .....					
(f) Cells .....					
13. Report of X-Ray Examination of Chest .....					
14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.					

NOTE.—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide Regulation 8(a).*

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

Is the candidate fit for Field Service?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories:

- (i) Fit .....
- (ii) Unfit on account of .....
- (iii) Temporarily unfit on account of .....

President .....

Member .....

Place .....

Date .....

### APPENDIX III

#### BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION

1. Indian Railway Service of Engineers, Indian Railway Service of Electrical Engineers, Indian Railway Service of Signal Engineers, Indian Railway Service of Mechanical Engineers and Indian Railway Stores Service.

(1) Appointments will be on probation for a period of three years during which the services of the officers will be liable to termination by three months' notice on either side. Probationary Officers will be required to undergo practical training for the first two years. Those who complete this training successfully and are otherwise considered suitable will be placed in charge of a working post provided they have passed the prescribed departmental and other examinations. It must be noted that these examinations should, as a rule be passed at the first chance and that save under exceptional circumstances, a second chance will not be allowed. Failure to pass any of the examinations may result in the termination of the service and will in any case involve stoppage of increments.

At the end of one year in a working post, the probationary officers will be required to pass a final examination, both practical and theoretical and will, as a rule, be confirmed if they are considered fit for appointment in all respects. In cases where the probationary period is extended for any reason, the drawal of the first and subsequent increments on their passing the departmental examinations, and on being confirmed, will be subject to the rules and orders in force from time to time.

If for any reasons not beyond his control, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

NOTE (i).—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

NOTE (ii).—Probationers will also have to undergo training at the Railway Staff College, Baroda. The test in the Staff College is compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the Officer is such that such a relaxation may be made. Failure to pass the test may involve the termination of service and in any case the officers will not be confirmed till they pass the tests, their period of training and/or probation being extended as necessary.

NOTE (iii).—In the Indian Railway Service of Signal Engineers on Railways where there are specialised Tele-Communications posts, an additional training for a period of six months in Tele-Communications may be arranged in any particular case.

(2) (a) Probationers will be permitted to apply for appointment elsewhere or appear for examination or selection for recruitment to other services.

(b) In cases where Probationers have already appeared at the Combined Competitive Examinations prior to their allotment to the Railway Service and qualify for appointment to services other than the Railway Services, the question of their release from Railway Service will be considered only when they are prepared to refund in cash the cost of their training and other moneys paid to them during the period of their probation before they are actually released.

(3) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "Praveen" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi Administration, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

#### (4) Officers recruited under these rules—

- (a) will be eligible pensionary benefits; and
- (b) shall subscribe to the State Railway (non-contributory) Provident Fund under the Rules of that Fund; as applicable to railway servants.

(5) Pay will commence from the date of joining service. Service for increments will also count from the same date. Particulars as to pay are contained in sub-para (8).

(6) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force as applicable to officers of Indian Railways.

(7) Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right, to transfer to some other Railway. But the Government reserve the right to transfer such officers, in the exigencies of service, to any other Railway or project in or out of India. Officers appointed in the Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) will be liable to serve in the Indian Railway Stores Services if any when called upon to do so.

#### (8) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—J.B.—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale : Rs. 1,10 (6th year or under)—50—1,600.

Junior Administrative Grade Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Administrative Grade (i) 2,250—125, 2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125, 2—2,750.

**NOTE**—(i) Probationary officers will start on the minimum of the junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will however be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 to 780.00 P.M. in the time scale.

Increments from Rs. 740.00 to 780.00 will not be granted if they fail to pass the Departmental examination within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failing to pass all the Departmental Examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

**NOTE** (ii).—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive

capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Rule 2018A [F.R. 22-B(1)] R.H.

(9) The increments will be given subject to sub-para to Note (i) under sub-para (8) above for approved service only, and in accordance with the rules of the Department.

(10) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(11) Promotions to the administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

(12) In all matters not specifically provided for herein, the probationary officers will be governed by the provisions of the Indian Railway Codes as amended from time to time and other orders in force issued by competent authorities.

(13) Nature of duties and responsibilities attached to officers appointed to Indian Railway Service of Engineers; Indian Railway Service of Electrical Engineers; Indian Railway Service of Signal Engineers, Indian Railway Service of Mechanical Engineers and Indian Railway Stores Service

#### INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS

Railway Engineer is primarily responsible for the safety & maintenance of all Way & Works including bridges under his charge for which he is required to carry out periodical inspections over his sub-division. He is also responsible for accuracy and soundness of proposals, plans and estimates, detailed planning, quality and progress of works including their measurements, verification of stores and management and timely payments of labour. He is required to control the expenditure in relation to budget allotments for his sub-Division.

#### INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

**Mechanical Engineers**.—On the Indian Railways are required to take up executive functions when deployed in any one of the following categories :—

- (a) Executive functions on the open line (Zonal) Railways which would include efficient management/utilization/repair and maintenance of rolling stock, running repairs and overhaul of locomotives/coaches/wagons/rail cars/cranes etc.
- (b) workshop management in
  - (i) Zonal Railway Repair Workshops
  - (ii) Production units under Ministry of Railways. The duties include production/workshop management, employing varied strength of labour force/capital investment/facilities etc, to suit the type of work envisaged.
- (c) Research Designs/Standardization functions (RDSO) and
- (d) Executive/Technical functions (Railways Board)—requiring the necessary aptitude for design and backed by service experience in the field, for officers selected against posts in the Railway Board and the Research Designs and Standards Organisation. The functions are technical/executive and technical/design & development standardization etc. These include posts/persons deployed in Design & Development Cells working in Production Units (Chittaranjan Locomotive Works/Diesel Locomotive Works/Integral Coach Factory).

**INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS**

- (i) Control and management of labour and supervisory staff placed under their control including assistance for man-power planning and deployment.
- (ii) Inter departmental co-ordination on the Railways for the efficient day to day running of Railways.
- (iii) Design and manufacture of 25 KV AC/1.5 KV DC Electric locomotives and electric multiple units (both underground and surface).
- (iv) Design and manufacture of Electrical and traction equipments like traction motors, smoothing reactors, contactors etc.
- (v) Electrification and operation, maintenance and overhaul of 25 KV/AC and 1.5 KV/DC traction distribution equipments, associated substations switching stations, remote control equipments, etc.
- (vi) Generation, transmission and distribution of electricity on LT & HT voltages and setting up of power houses.
- (vii) Operation maintenance and overhaul of electric locomotives and electric multiple units.
- (viii) Installation and maintenance of house wiring street lighting yard lighting station buildings or any other service buildings or area which Railways undertake to electrify.
- (ix) Maintenance of train lighting and air-conditioning equipments and coaches, engines head lights.
- (x) Maintenance and overhaul of AC equipments on service buildings.
- (xi) Research and Development of Electrical equipments required for Railways.
- (xii) Maintenance and erection of machine tools and lay-out of electric mains in the workshops and production units.
- (xiii) In totality, the officers recruited through this Examination are responsible for the efficient application of electrical engineering on the Railways.
- (xiv) Any other duty assigned by the Railway Administration.

**INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS**

**1. Role of the department :**

The Signalling & Telecommunication Department of the Railways is responsible for installation and maintenance of—

- 1.1. Signalling equipment for safety of train running and providing flexibility in train operation and improving sectional capacity.
- 1.2. Communication equipment for establishment of communication linkages between Railway Board, Zonal Headquarters, Divisional Headquarters and other important railway centres of operation for administrative purposes and within a railway or a division for continuous monitoring of train movements.

**2. DUTIES OF THE SIGNAL & TELECOM ENGINEERS**

**2.1. Construction work involving the installation of :**

- 2.1.1. Signalling equipment ranging from the purely mechanical type to the modern systems like Route Relay Interlocking, tokenless block working, centralised automatic train control etc. deploying electro-mechanical, electrical and electronic techniques.
- 2.1.2. Installation of various types of manual automatic and trunk telephone exchanges, microwave systems, VHF communication, HF wireless communication systems, train control systems inter-locking the way-stations with the control office etc.

**2.2. Maintenance of all signalling & telecom equipment.**

**INDIAN RAILWAY STORES SERVICE**

The Officers of the Indian Railway Stores Service are responsible for the administration and control of the stores of the Railways—Material Managers. On them will devolve the duty of ascertaining the needs of a Railway in the matter of materials and stores and of arranging for the supply of such materials and stores in the most efficient, economical and expeditious manner possible. They will be also responsible for their receipt, inspection and distribution to the various stores depots, for their custody while in charge of the Stores Department and finally for their issue on requisitions received from authorised officials of the Railways.

**2. Central Engineering Service, Group A and Central Electrical & Mechanical Engineering Service, Group A.**

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Service, Group A have a reasonable chance of promotion to the grade of Executive Engineer after completion of five years' service in the grade of Assistant Executive Engineer subject to the condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment ;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale—Rs. 700—40—900—I.B—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale—Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

**Administrative (Selection) Posts :**

Superintending Engineers—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Chief Engineers (i) Rs. 2,250—125/2—2,500.  
(ii)—Rs. 2,500—125/2—2,750.

Engineer-in-Chief—Rs. 3,000—100—3,500 (for Central Engineering Service, Group A).

Note.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

**(i) Central Engineering Service Group A**

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and

Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising or residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) *Central Electrical & Mechanical Engineering Service*  
*Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Service Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

### *3. Indian Supply Service :—*

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit, for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiration of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension thereof, they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officers will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person -

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

**Grade II—Senior (Group A) Scale**      **Rs. 1100 (6th year or under 50-1600).**

**Grade I—Administrative Selection Posts** Rs 1500-60-1800-100-  
2000

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Indian Supply Service Group A.

The main item of work of the officers of the Indian Supply Service is the purchase of stores as also disposal of surplus stores on behalf of Government of India, Public Sector Undertakings etc. The officers of the Indian Supply Service are expected to possess requisite technical backgrounds to deal with the diversified nature of Indents placed on the DGS & D and the Supply Wings of Embassies/High Commissions abroad.

#### *4. Military Engineer Services Group A.—*

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Subjects (B'R & F'M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGY'A" (equivalent to Matriculation standard).

(b) (i) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training if any provided that such a candidate (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment,

(ii) shall be ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible:

	Ply Scale
Asstt. Executive Engineer	Rs. 700-40-900-EB-40-
Asstt. Surveyor of Works	1,100-50-1300.
Executive Engineer	Rs. 1,100 (6th year or
Surveyor of Works	under)-50-1,600.
Superintending Engineer	Rs. 1,500-60-1,800-
Superintending Surveyor of Works	100-2,000.
Deputy Chief Engineer	Rs. 1,500-60-1,800-
	100-2,000-plus spe- cial Pay Rs. 200/-
Chief Engineer . . . . .	Rs. 2,250-125/2-2,500
Chief Surveyor of Works . . .	Under consideration

*5. Indian Ordnance Factories Service, Group A :-*

(a) Selected candidates will be appointed as Assistant Managers (Probationers). The period of probation will be three years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of the Director General Ordnance Factories. An Assistant Manager (Probationer) will undergo such practical training as shall be provided by Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will include a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(d) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any; provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :

	Rs.	Junior Scale
Assistant Manager/Technical Staff Officer		700-40-900-EB-40-1,100-50-1,300.
D.-puy Manager/Deputy Assistant Director General, Ordnance Factories.		1,100 (6th year under)-50-1,600.
Manager/Senior Deputy Director General of Ordnance Factories.		1500-2000
Deputy General Manager/General Manager, Grade II/Assistant Director General Ordnance Factories Gr. II.		2,000-125/2-2,250
General Manager Grade I/Assistant Director General, Ordnance Factories Grade I.		(i) 2,250-125/2-2,500 (ii) 2,500-125/2-2,750
Deputy Director General, Ordnance Factories.		Rs. 3,000 (Fixed)
Additional Director General Ordnance Factories		Rs. 3,500 (Fixed)
Director General, Ordnance Factories		

NOTE : The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts)/1051/D(Civ-1), dated the 25th November 1965 as amended from time to time.

- (d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.
- (e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

#### 6. Indian Telecommunication Services, Group A :—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language tests.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 700-40-900-EB-40-1,100-50-1,300.

Senior Scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50-1,600.

Junior Administrative Grade—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Senior Administrative Grade—

(i) Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE.—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 780 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunication Service Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Indian Telecommunication Service (Group A).

#### Assistant Divisional Engineers Telegraphs

Assistant Divisional Engineers Telegraphs will be Incharge of a Telegraphs/Telephone Engineering Sub Division, In-charge of Carrier VFT, Coaxial, Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Tele-communication works.

#### Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed incharge of Telegraphs, Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Projects Organisations, they will be required to do construction/installation job in the unit.

#### Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in telecommunication systems etc. Over all incharge of management and administration of Minor Telephone Districts, Telecommunication Circles etc.

#### Senior Administrative Grade

Head of Telecommunication Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General in the P&T Board—Provides the top level assistance to the P&T Board in framing policy and in overall administration. Director Telecommunication Research Centre and Additional Director Telecommunication Research Centre responsible for over all research activities of the Telecommunication Research Centre.

## 7. Central Water Engineering (Group A) Service

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years;

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any,

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to higher grades of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Chief Engineer (Ordinary Grade)/Director/Superintending Engineer (Selection Grade) and Chief Engineer after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group A Engineering posts in Central Water Commission are as follows:—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

	(1)	(2)
1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	
2. Deputy Director/Executive Engineer	Rs 1,100 (6th year or under)-50-1,600.	
3. Superintending Engineer/Director (Ordnance Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.	
4. Director Selection Grade Superintending Engineer (Selection Grade).	Rs 2000-125/2-2,250-	
5. Chief Engineer	(i) 2500-125/2-2750-(Level I) (ii) 2250-125-2-2500 (Level II)	

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service

## Assistant Director (Civil and Mechanical)

Planning, Survey, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc. for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power domestic water supply, flood control and other purposes.

## Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical) :—

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of cash and stores under his charge as well as work abstracts with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc. etc.

## 8 CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

## (i) Description of the Organisation

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong, adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission, Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility, technical analysis, economic viability, etc to ensure that these schemes would fit into the overall development of the States as well as the Regions and will conform the overall context of National economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy, power providing its main motive force.

## (ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission

Sixty per cent of posts in the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs 700—1300 are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons recruited to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Electricity Authority are kept on probation for a period of two years which is extendable, where necessary, for a further period up to two years. During the period of probation the candidates are required to undergo training and pass prescribed examination/tests, as a condition to satisfactory completion of probation. Officers are confirmed thereafter in order of seniority as and when the permanent posts become available.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any. Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

## (iii) Promotion to higher grades

To officers appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can reasonably look forward for promotion to higher grades of Deputy Director/Executive Engineer, Director/Superintending Engineer, (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade), Deputy Chief Engineer, Chief Engineer (Level II) and Chief Engineer (Level I) after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1965, as amended from time to time.

## (iv) Scale of Pay

The scales of pay for the posts of the Central Power Engineering (Group A) Service in the Central Electricity Authority are as follows:—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority.

S. No.	Name of Post	Scale of Pay
1.	Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300
2.	Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 100 (sixth year or under)-50-1600
3.	Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 500-60-1800-100-2000
4.	Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 2000-125/2-2250
5.	Deputy Chief Engineer	Rs. 2000-125/2-2250
6.	Chief Engineer (Level II)	Rs. 2250-125/2-2500
7.	Chief Engineer (Level I)	Rs. 2500-125/2-2750

NOTE : For purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Third Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

#### (v) Duties and responsibilities

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs of projects, etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

#### 9. Central Engineering Service (Roads) Group A :—

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointment, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods or extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;

(c) The following are the rates of pay admissible :

Assistant Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical Grade)—Rs. 700-40-900-FB-40-1,100-50-1300.

Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)— Rs. 1,100 (6th year or under)—50-1,600.
Superintending Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)— Rs. 1,500-60-1,800-100-2,000.
Chief Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)— (i) Rs. 2,250-125/2-2,500. (ii) Rs. 2,500-125/2-2,750.
Additional Director General (Roads/Bridges)— Rs. 2,500-125/2-3,000.
Director General (Roads Development)—Rs. 3,000-100-3,500.

NOTE : The pay of Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F. R. 22-B(I).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Offices, etc. of the Roads Wing Ministry of Shipping and Transport in planning preparing designs and estimates of Roads/Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States.

#### 10. Posts in the Geological Survey of India--

Persons recruited to the posts of Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) and Assistant Mechanical Engineer (Group B posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs 700-40-900-FR-40-1,100-50-1,300 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1,000-FB-40-1,200 respectively. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) and Assistant mechanical Engineer in the Geological Survey of India. If so required will be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any;

Provided that such a person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) or Assistant Mechanical Engineer, Geological Survey of India, and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject :—

A—For Assistant Drilling Engineer (Group A)—Rs 700-40-900-EB-40-1,100-50-1,300

- (i) Deputy Drilling Engineer—Rs. 1,100-50-1,600.
- (ii) Drilling Engineer—Rs. 1,500-60-1,800-100-2,000
- (iii) Deputy Chief Engineer (Drilling)—Rs. 1,800-100-2,000.

B—For Mechanical Engineer (Junior) Group A—Rs. 700-40-1,100-50-1,300.

Assistant Mechanical Engineer (Group B) (Rs. 650—  
30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—  
30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—  
EB—40—1,200).

- (i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 1,100—50—1,600.
- (ii) Superintending Mechanical Engineer—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.
- (iii) Deputy Chief Engineer (Mechanical)—Rs. 1,800—100—2,000.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenue post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F. R. 22-B(1).

*Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India  
Mechanical Engineer  
(Junior)*

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P. S. L. issues and records, log books, history sheets etc.

*Assistant Drilling Engineer*

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery upkeep of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal maintaining stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

*Assistant Mechanical Engineer*

Attending to the repairs and maintenance of vehicles, drilling and other equipment, supervision of mobile workshop for attending to repairs in the field.

*11. Posts of Assistant Manager (Factories), Group A in the PNT Telecom. Factories Organisation.*

- (i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) shall be on probation for a period of two years.
- (ii) During the period of probation, the candidates shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.
- (iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager (Factories) shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The scales of pay for engineering posts in the P&T Telecom Factories Organisation are as follows :—

- (1) Assistant Manager (Factories)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (2) Assistant General Manager/Senior Engineer—Rs. 1,100—50—1,600.
- (3) Deputy General Manager/Manager of Telecom Factories—Rs. 1,500—60—1,800.

12. Engineers (Group A) in the Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications :—

- (a) Scale of pay Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of pay Rs. 1,100—50—1,600 plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Advisers and Engineers-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser (Scale Rs. 1,500—60—1,800). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

- (c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.
- (d) Any person appointed to the post of Engineer shall, if so required, be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years, including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

**(e) NATURE OF DUTIES AND RESPONSIBILITIES ATTACHED TO THE POST(S).**

- (i) To be in charge of monitoring stations, supervise the work of technical assistants, radio technicians and other staff placed under him;
- (ii) Assuming charge of installation, operation and maintenance of specialised monitoring equipment including Frequency measuring equipment, Radio Direction Finders, ionospheric recorders, noise recorders etc.;
- (iii) Determination of frequency requirements of different user departments and services;
- (iv) Administration of international Radio Regulations & Agreements connected therewith.
- (v) Preparation and maintenance of frequency records and associated documents;
- (vi) Licensing and inspection wireless installations.
- (vii) Drawing up specification of Radio Equipments;
- (viii) Performance checks of various types of transmitters, receivers and associated apparatus.
- (ix) Assistance in the conduct of examinations for Certificate of Proficiency issued to Radio Operators;
- (x) Investigation of propagation problems and allied research; and
- (xi) Examination, analysis and coordination of data of Radio noise studies, ionospheric studies and field strength measurements etc.

13. Deputy Engineer-in-Charge (Group A), Assistant Engineer (Group B Gazetted) and Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in the Overseas Communications Service Ministry of Communications.

- (a) Candidates selected for appointment as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be appointed on probation for a minimum period of two years which may be extended if necessary.
- (b) An Officer appointed as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be liable to serve anywhere in India.
- (c) In case of temporary appointment to the post of Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge apart from the conditions laid down in the bond which an officer may be required to execute, his service will be terminable by giving one month's notice on either side. It is, however, left to the Department to terminate the service of a temporary employee by giving one month's pay and allowances in lieu of notice but the officer has no such option.
- (d) Scales of pay.
- (1) Technical Assistant : Rs. 550—25—750—FB—30—900.
- (2) Assistant Engineer : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.
- (3) Deputy Engineering-in-Charge : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (e) Prospects of promotion to higher grades.

(i) Technical Assistant : All Technical Assistants with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy Engineer-in-charge in the Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200, by selection on merit against 50 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

(ii) Assistant Engineers . All Assistant Engineers with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy Engineer-in-charge in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 by selection on merit against 75 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

(iii) Deputy Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Deputy Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Deputy Engineer-in-Charge or Assistant Engineer is eligible for promotion to the post of Engineer-in-Charge (Scale Rs. 1,100—50—1,600) in the Overseas Communications Service on the successful completion of the period of probation which will be two years. The minimum service of three years in the case of officers directly recruited in the grade will be reckoned from the date of completion of training. The promotion to the grade of Engineer-in-Charge will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(iv) Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Engineer-in-Charge is eligible for promotion to the post of Director (Scale : Rs. 1,300—50—1,700) in the Overseas Communications Service. Promotion to the Grade of Director will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(v) Director : The incumbent of the post of Director with a minimum service of three years in the grade of Director is eligible for promotion to the post of Deputy Director General Scale : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000) in the Overseas Communication Service. Promotion to the grade of Deputy Director General will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(vi) Deputy Director General : The incumbent of the post of Deputy Director General with a minimum service of three years in the grade of Deputy Director-General is eligible for promotion to the post of Director General (Scale : Rs. 2,250—125/2—2,500) in the Overseas Communications Service. Promotion to the grade of Director General will be on the basis of selection on the recommendation of the D.P.C. as constituted for the post.

(f) Any person appointed to the post of Technical Assistant, Assistant Engineer, or Deputy Engineer-in-Charge shall if so required be liable to serve in any Defence service or post in connection with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such persons :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

**NOTE :** The remaining conditions of service such as leave, travelling allowances on transfer/tours, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc., will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

- (a) Nature of duties and responsibilities attached to the post(s)—

1. **DY. ENGINEER-IN-CHARGE :** The incumbent of the post of Dy. Engineer-in-Charge in O.C.S. functions as a deputy to the Engineer-in-Charge and assists the latter in all technical matters relating to operation and maintenance of International Telecommunications equipment and is also responsible for management of staff, staff colony, water supply, electric supply, engineering, and stationery stores and so on.

The incumbents of the posts have not only to supervise technical work but also to engage themselves directly in the installation and upkeep of valuable telecommunications equipment, the very intensive utilisation of equipment characteristics of O.C.S. is dependent largely upon the ability of Deputy Engineer-in-Charge to co-ordinate and execute work combining a degree of improvisation with reliability standards.

2. **ASSISTANT ENGINEER :** The incumbent of the post is generally incharge of shift and is responsible for operation and maintenance of equipment. He is required to take quick decision on the spot when any query is raised by foreign associates on technical matters and to rectify the faults.

The post is supervisory-cum-operational. The incumbent of the post exercises control over subordinates at the level of Technical Assistants, and Junior Technical Assistants in his shift. While some members are engaged on Development and Research involving an element of applied research, all Assistant Engineers are required to be familiar with and should comply with international telecommunication standards.

3. **TECHNICAL ASSISTANTS :** The duties and responsibilities of the post involve adjustment of different Telegraph/Telephone and other wireless apparatus and equipments operation, maintenance and installation of high power Transmitters/Receivers of different kinds and attend to any fault therein. The incumbent is also required to control the entire circuit of radio terminal while speech is going on between two subscribers during an overseas telephone call.

14. **Assistant Station Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B) Directorate General, All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.**

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years.
- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer, at any time to serve under a public corporation and on such transfer he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.
- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination in improper misconduct or breach or non performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(d) Scale of pay :—

- (i) Assistant Station Engineer—Rs. 700—40—900—1 B—40—1100—50—1300.
- (ii) Assistant Engineer—Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—220—40—1000—FB—40—1200.

(e) Prospects of Promotion to higher grades :  
Assistant Engineer and Assistant Station Engineer :

- (i) Assistant Engineers with a minimum of 3 years service in the grade are eligible for promotion to the grade of Assistant Station Engineer in All India Radio in the scale of Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1300 on the basis of selection against 40% vacancies reserved for departmental promotion, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.
- (ii) Assistant Station Engineers with 5 years service in the grade are eligible for promotion to the grade of Station Engineer in All India Radio in the scale of Rs. 1100—50—1600 on the basis of selection on the recommendations of the Departmental promotion Committee.
- (iii) Station Engineers who have a minimum of 7 years service in that grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer in the scale of Rs. 1500—60—1800 on the basis of selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.
- (iv) Senior Engineers are eligible for promotion as Deputy Chief Engineer (Rs. 1800—100—2000), Deputy Chief Engineers are eligible for promotion as Additional Chief Engineers 2000—125 2—2250 who in turn are also eligible for promotion to the post of Chief Engineer (Rs. 2500—125—3000).

**NOTE**—The remaining conditions of service, such as leave travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Station Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B).

Assistant Station Engineer :

Design, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

Assistant Engineer :

Installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. The responsibilities for supervising and carrying out duties during a shift.

15. Assistant Engineer (Group B) (Civil and Electrical), Civil Construction Wing, All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years.
- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer, at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.
- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any;

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination, intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force. (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

- (d) Assistant Engineers (Civil & Electrical) Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200.

(e) Prospects of Promotion to higher grades :

- (i) Assistant Engineers (Civil & Electrical) with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 1100—50—1600.
- (ii) Executive Engineers with a minimum of 7 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iii) Superintending Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the post of Additional Chief Engineer (Civil) in the scale of Rs. 2000—125 2—2250.

**NOTE**—The remaining conditions of service, such as leave travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

- (f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical); To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

16. Technical Officer (Group A) and Communication Officer (Group A) in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.

- (a) The candidate selected for appointment will be appointed on a temporary basis, until further orders, as Communication Officer/Technical Officer. They will be on probation for a period of two years, extendable if necessary. Their appointment

- may be terminated at any time during the period of probation without notice. The candidate will have to undergo a course of training at the Civil Aviation Training Centre for a duration of 16 weeks as and when it is practicable after their appointment. They will be considered for confirmation in the grade of Communication Officer/Technical Officer as and when permanent posts for their confirmation become available.
- (b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.
- (c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the Officer in his appointment subject to availability of permanent vacancies or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.
- (d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under this rule.
- (e) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave, increment and pension in accordance with the rules for the time being in force and applicable to Officers of the Central Government. They will also be eligible to join the Central Provident Fund in accordance with the rules regulating that Fund.
- (f) Those Officers shall be liable for transfer anywhere in India for any field Service in and outside India during an emergency. They can also be asked to take up duties on board an aircraft in flight.
- (g) The relative seniority of Officers appointed through the Engineering Service Examination will ordinarily be determined by the order of their merit in the Examination. Govt. of India, however, reserve the right of fixing the seniority at their discretion in individual cases.

The seniority of direct recruits vis-a-vis departmental candidates will depend upon the quotas prescribed in the Recruitment Rules and will be in accordance with the orders that may be issued by the Government of India from time to time on the subject.

**(h) Prospects of promotion to higher grades :--**

Promotion to the Grade of Senior Communication Officer/Senior Technical Officer :

Communication Officers/Technical Officers with a minimum of three years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Communication Officer/Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department subject to occurrence of vacancies in the scale of Rs. 1,100—50—1,600 on the basis of seniority-cum-fitness.

Promotion to the grade of Dy Director/Controller of Communication.

Senior Communication Officers/Senior Technical Officers who have a minimum of 3 years of regular service in that cadre are eligible for promotion to the grade of Dy. Director/Controller of Communication Organization in the scale of Rs. 1,500—60—1,800 on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C.

The next higher posts in the line of promotion in the Civil Aviation Department subject to selection by the D.P.C. are Director of Communication; Director, Radio Construction and Development Units; Director of Training and Licensing and Regional Director in the scale of Rs. 1,800—100—2,000, Deputy Director General in the scale of Rs. 2,000—125/2—2,500 and Director General in the scale of Rs. 3000 (fixed).

- (i) These conditions of service are subject to revision according to the requirements of service. Candidates will not be entitled to any compensation if they are adversely affected by any changes in the conditions of service which may be introduced later on.
- (j) The scale of pay for the posts of Communication Officer/Technical Officer in the Department of Aviation are given below :
  - (i) The scale of pay for the posts of Communication 40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
  - (ii) Technical Officer (Group A) : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (k) Any person appointed to the post of Communication Officer/Technical Officer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such persons :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not be ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (l) Nature of duties and responsibilities attached to the post(s) of Technical Officer Group A and Communication Officer, Group A.

*Technical Officer and Communication Officer*

The above categories of officers are sometimes posted as Officer-in-Charge of Aeronautical Communication Stations which maintain a number of Radio Communication and Navigational equipments and employ a number of Technical/Operational staff to man the various equipments and operating positions.

In the larger A.C. Stations, however, the 'Communication' and 'Technical Officers' work under the administrative control of a Senior Scale Officer. Under these conditions the duties performed by them would be exclusive of the day-to-day administration of the Station. They are also attached to subordinate Regional Hqrs. and other offices.

The 'Technical Officers' alone are also posted to the Radio Construction & Development Unit of the Central Radio Stores Depot, where the work will be mainly connected with Testing & Installation of equipment and allied subjects

**DUTIES OF TECHNICAL COMMUNICATION**

**OFFICERS FUNCTIONING AS OFFICERS-IN-CHARGE AERONAUTICAL COMMUNICATION STATIONS :—**

General administration and disciplinary control over an A.C. Station, which includes—

- (i) efficient maintenance of the various, radio/navigational units;
- (ii) disbursement of pay and allowances of the entire staff;
- (iii) maintenance of accounts—CPWA accounts relating to stores, submission of periodical returns to the proper authorities etc.
- (iv) provisions of adequate spares for the various equipments;
- (v) deployment of staff of various categories of the Units under his charge;
- (vi) adequate liaison with officers of the Aerodrome, Met., Airlines etc.
- (vii) in general, to keep the Aeronautical Communication Stations working at its optimum efficiency.

*Duties of Technical Officer posted at a major station/Radio Construction Unit/Radio Stores Depot :*

Acceptance testing, installation and subsequent day-to-day maintenance of Radio & Radar/Navigational equipments of various categories employed in the C.A.D.

Flight check of Navigational Aids of the Department according to International Standards.

Development work in connection with import substitution, fabrication of units for installation purposes, selection of sites for installation of navigational aids etc.

Procurement of spares of various categories from local and foreign agencies for the equipment in use in the Department.

*Duties of "Communication Officer" posted at the major stations :*

Responsible for the efficient functioning of the various operational facilities at the station including landline and radio Teletype channels. More circuits. Intercom and other local speech circuits.

If on shift, take complete charge of the entire shift to ensure that all the Technical units/Telegraph circuits function properly

Matters pertaining to Aeronautical Information Service—dissemination of Notices to Airmen, Briefing of Air Crew and allied matters.

#### 7. Indian Naval Armament Service.

(a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service. During the period for probation, they will have to undergo a technical training course for a period of 9—12 months and are also to pass the departmental examination in not more than three attempts. In case they fail to pass in departmental examination their services will be liable to be terminated at the discretion of the Government. They will also be required to sign a bond for Rs. 15,000 (the amount may vary from time to time) prior to proceeding on training for compulsory service in the Indian Navy for a period of three years after completion of the training.

(b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment) by competent authority. The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay allowances for the period of notice or the unexpired portion hereof.

(b) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subject to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

(d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.

(e) Scale of pay and classifications—Group A Gazetted in the scale of pay of Rs. 700—1,300.

(f) Prospects of Promotion to higher grades—

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 1,100—1,600, on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers course at the I.A.T. Kirkee. The syllabus of the Departmental examination is reproduced below :—

- |   |          |
|---|----------|
| <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Naval Armament Depot Vishakhapatnam           <ol style="list-style-type: none"> <li>(a) Shop-work (Three months)</li> <li>(b) Gunwharf Technical Course I</li> <li>(c) Ammunition Technical Course I</li> </ol> </li> </ol>  | 37 weeks |
| <ol style="list-style-type: none"> <li value="2">(d) Administration and Accounts Course</li> <li value="3">(e) Visit to Balasore, Cossipore, Ishapore and Jabalpur.</li> </ol>  |          |
| <b>2. Gunner School and TAS School</b>  |          |
| <b>3. Visits of Heavy Vehicle Factory AVADI and Cordite Factory, ARUVANGADU</b>   |          |
| 21 Weeks  |          |
| <b>4. Naval Armament Depot, Bombay</b>  |          |
| <ol style="list-style-type: none"> <li value="1">(a) Gunwharf Technical Course II</li> <li value="2">(b) Ammunition Technical Course II</li> <li value="3">(c) Visit to ordnance Factory, AMBARNATH.</li> </ol>   | 5 Weeks  |
| <b>5. Institute of Armament Technology, KIRKEE</b>  |          |
| <b>6. Visit to HE Factory, Ammunition Factory, ARDE and ERDL, KIRKFI.</b>   |          |
| 4½ Weeks  |          |
| <b>7. Visit to Ordnance Factory &amp; Shell Arms Factory, KANPUR Enroute Naval Headquarters, New Delhi</b>  |          |
| 1 Week  |          |
| <b>8. Naval Headquarters, New Delhi</b><br>Visit to Defence Science Laboratories DELHI, FINAL EXAMINATION   |          |
| 1½ Weeks  |          |
| <ol style="list-style-type: none"> <li value="1">(ii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)<br/>Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade), in the pay scale of Rs. 1300—50 1700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.</li> <li value="2">(iii) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)<br/>Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 3 years service as such, are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 1500—60—1800 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.</li> <li value="3">(iv) Director of Armament Supply<br/>Naval Armament Supply Officer (Selection Grade/ Ordinary Grade) with 5 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 1800—100—2000 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.</li> </ol> |          |
| <b>NOTE 1.</b> The pay scales of NASO (O)/G, NASO (S/G) and DAS, are likely to be revised.  |          |
| <b>NOTE 2.</b> The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(I) and the corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.   |          |
| <ol style="list-style-type: none"> <li value="1">(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy. Ministry of Defence.</li> <li value="2">(i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical, electronics and electrical devices and system production and productivity.</li> <li value="3">(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.</li> <li value="4">(iii) Developmental work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.</li> </ol>  |          |

- (iv) Providing of mechanical electronic and electrical spare for armaments.
- (v) periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos mines and guns) measuring instruments etc.
- (vi) Supply of armaments to fleet and Naval Establishments.
- (vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

**18. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE GROUP 'A'.**

- (i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during his probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. On the conclusion of the period of probation, if his work and conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.
- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.
- (iii) The following are the rates of pay admissible to them :—

Assistant Executive Engineer—Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1300.

Executive Engineer Rs. 1100—(6th year or under)—50—1600.

Superintending Engineer—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Chief Engineer (Civil) Grade II—Rs. 2000—125/2—2250.

Chief Engineer (Civil) Grade I—Rs. 2250—125/2—2500.

- (iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.
- (v) The officers appointed to the service are entitled to Special Compensatory Allowance and free rations when employed in certain specified areas, besides the allowances admissible to Central Government servants. They are also entitled to outfit allowance for the uniform.

**19. Assistant Executive Engineer/Assistant Engineer (Civil/Electrical) in P & T Civil Engineering Wing—**

- (a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

- (b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :  
Group B AE(F/C) Rs. 650-30-740-35-810 | B-35-880-40-1000-EB-40-1200.

Asstt. Ext. Engineer Group A Rs. 700-40 900-EB-40-1100-50-1300.

Ext. Engineer/SW Rs. 1100-1600.

S. Es./SSW Rs. 1500-60-1800-100-2000.

CE (D) Rs. 2250-125/2-2500

(c) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in P&T Civil Wing are as follows :

Candidates recruited to P & T. Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P & T. Department comprising of Residential Building office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, Store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

**20. Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development :—**

- (a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.
- (b) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 700—40—900—FB—40—1,100—50—1,300.
- (c) Assistant Development Officers with 5 years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 1,100—50—1,500—EB—60—1,800. 60% of the posts in the cadre of Development Officer are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Industrial Adviser (Rs. 2,000—125/2—2,500). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 2,500—125/2—3,000) as Deputy Director Generals in turn are eligible for promotion to the post of Director General Technical Development (Rs. 3,000—likely to be revised in the light of the Pay Commission's recommendation).
- (d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training if any;

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;
- (c) Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Development Officer :—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz., Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering, Automobile, Electronic Engineering Industries etc.

## APPENDIX IV

## CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

## A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

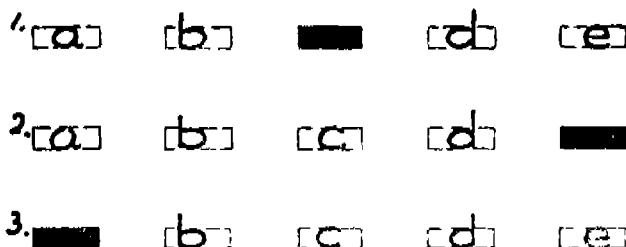
## B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TFSI BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, ..... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, response, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



Your answer sheet (specimen enclosed) will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

## D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

## E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

## G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall.

## SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.

- (c) the northern frontier was not guarded effectively.  
 (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(d) allow choice in the educational programme

(Answer a)

**2. In a parliamentary form of Government.**

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.  
 (b) the Legislature is responsible to the Executive.  
 (c) the Executive is responsible to the Legislature.  
 (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.  
 (c) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer c)

**3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to**

- (a) facilitate development  
 (b) prevent disciplinary problems  
 (c) provide relief from the usual class room work

**4. The nearest planet to the Sun is**

- (a) Venus  
 (b) Mars  
 (c) Jupiter  
 (d) Mercury

(Answer—d)

**5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?**

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.  
 (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.  
 (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.  
 (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer c)